@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 10 मई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 179 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राफेल जेट और एस-400 यूं ही नहीं आ जाते: असम सीएम

सी.चन्द्रा

गुवाहाटी, 9 मई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने जीएसटी की तारीफ करते हुए इसे ईश्वर का आशीर्वाद बताया, जो भारत को एकजुट करता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी कभी भी गब्बर सिंह टैक्स नहीं था। असम सीएम की टिप्पणी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज माना जा रहा है, जिन्होंने अपने एक बयान में जीएसटी की आलोचना करते हुए इसे गब्बर सिंह टैक्स बताया था। असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि राफेल लड़ाकू विमान और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम यूं नहीं नहीं आ

गए हैं। बल्कि ये हमारे करदाताओं की ताकत से बने हैं। यही वजह है कि जीएसटी कभी भी गब्बर सिंह टैक्स नहीं था। ये तो ईश्वर द्वारा भेजा गया टैक्स है, जो भारत को एकजुट करता है और देश की सुरक्षा, विकास और इसके जुझारूपन को वित्तपोषित करता है। गौरतलब है कि भारत पाकिस्तान के बीच इन दिनों संघर्ष छिड़ा हुआ है, जिसमें भारत के राफेल लड़ाकू विमान और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम अहम भूमिका निभा रहे हैं। राफेल लड़ाकू विमानों ने जहां बीते बुधवार को पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर हमले में अहम भूमिका निभाई। वहीं एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने बुधवार की रात पाकिस्तान के हमले को नाकाम किया। एस-400 ने पाकिस्तान के सभी ड्रोन्स और मिसाइल को हवा में ही तबाह कर दिया। एस-400 वायु रक्षा प्रणाली उपकरणों का एक नेटवर्क है, जिसे हवाई खतरों से निपटने के लिए किसी विशिष्ट क्षेत्र में तैनात किया जाता है। यह दुश्मन के लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और ड्रोन्स को हवा में ही निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भारतीय वायुसेना के सबसे ताकतवर हथियारों में से एक माना जाता है। यह किसी भी संभावित खतरे को हवा में ही तबाह करने में सक्षम है।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने की राज्यपाल से मुलाकात

नसीरउद्दीन

ईटानगर, 9 मई। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को ईटानगर स्थित राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के.टी. परनाइक, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त) से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने राज्य की सुरक्षा, विकास और डिजिटल सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। एक सुरक्षित, समृद्ध व डिजिटल रूप से सक्षम अरुणाचल प्रदेश के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक के दौरान हाल ही में भारत-म्यांमार सीमा पर वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम को मिली स्वीकृति पर चर्चा हुई। राज्यपाल ने इस निर्णय के लिए केंद्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इससे सीमावर्ती निवासियों को बेहतर बुनियादी ढांचा, आर्थिक अवसर, और जीवन स्तर में सुधार प्राप्त होगा। सुशासन की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने राज्य में चल रहे डिजिटल परिवर्तन प्रयासों की भी समीक्षा की। राज्यपाल ने सभी सरकारी योजनाओं और सेवाओं को एकीकृत डिजिटल प्रणाली से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे पारदर्शिता, निगरानी और सेवा वितरण में सुधार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने राजकीय अभिलेखों और राजभवन की पहलों के डिजिटलीकरण को भी आवश्यक बताया ताकि संस्थागत निरंतरता और सार्वजनिक जवाबदेही को सुदृढ़ किया जा सके।

पाकिस्तानी ड्रोन का भारतीय सेना ने दिया करारा जवाब

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 9 मई। ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने आज लगातार दूसरे दिन भी भारत के कई शहरों में ड्रोन हमलों की कोशिश की। जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में सेना ने कई पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराए। पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच कोई सीधा संवाद नहीं हुआ है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच कोई सीधा संवाद नहीं हुआ है। सैन्य प्रवक्ता ने विदेश मंत्री इशाक डार के दावे का खंडन किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने दावा किया है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के लिए 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। इससे पहले भारत ने आईएमएफ से पाकिस्तान को नए ऋण देने का विरोध किया था और कहा था कि पाकिस्तान इन पैसों का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने में कर सकता है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार रात गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) पहुंचे और भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के बीच सुरक्षा का जायजा लिया। उन्होंने राज्य प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय की भी समीक्षा की। सीएम पटेल ने एक्स पर लिखा कि वर्तमान स्थिति में जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ चल रहे समन्वय की समीक्षा करने के लिए गांधीनगर में एसईओसी का दौरा किया, साथ ही किसी भी संभावित आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि

अधिकारियों को आवश्यक निर्देश और मार्गदर्शन दिया गया। राज्य प्रशासन, केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर पूरी तरह सतर्क है और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। पहलगाम हमले पर मिडिल ईस्ट फोरम के शोध निदेशक जोनाथन स्पायर ने कहा कि टीआरएफ- द रेजिस्टेंस फ्रंट, लश्कर-ए-तैयबा और उल-मुजाहिदीन समूहों का हिस्सा है। ये दोनों संगठन इस्लामी आतंकवादी समूह हैं जिनकी विचारधारा और व्यवहार हमास के समान हैं। बेशक कुछ वैचारिक मतभेद हैं, लेकिन मोटे तौर पर वे एक ही क्षेत्र से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि छद्म इस्लामी आतंकी संगठनों का उपयोग करने का पाकिस्तानी तरीका तुर्किये गणराज्य और ईरान द्वारा किए गए समान अभ्यास से मिलता जुलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर व्यवहार का यह तरीका बिल्कुल अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब आतंकी संगठन पश्चिमी ठिकानों और पश्चिमी नागरिकों को निशाना बनाते हैं, तो उन्हें आतंकी कहने में कोई शर्म नहीं है, लेकिन जब वे गैर-पश्चिमी आबादी को निशाना बनाते हैं, तो तथाकथित निष्पक्षता और तटस्थता की इच्छा और दोनों पक्षों के विचारों को देखना अचानक एजेंडे पर आ जाता है। मुझे लगता है कि यह बहुत गलत है। न केवल यह गलत है, बल्कि यह अच्छी रिपोर्टिंग भी नहीं है क्योंकि मामले का तथ्य यह है कि मौजूदा वृद्धि का कारण पाकिस्तान द्वारा इस्लामी आतंकवादी संगठनों को समर्थन और प्रयोजन है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत और पाकिस्तान के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में हैं। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने एक ब्रीफिंग में पत्रकारों से कहा, दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संघर्ष को कम होते देखना चाहते हैं। अमेरिका दोनों देशों के बीच ताजा हालात पर नजर बनाए हुए हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर गुजरात तक 26 जगहों पर पाकिस्तानी ड्रोन नजर आए। उत्तर में बारामूला से लेकर दक्षिण में भुज तक अंतरराष्ट्रीय सीमा और पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर 26 स्थानों पर ड्रोन देखे गए हैं। इनमें नागरिक और सैन्य ठिकानों के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाले संदिग्ध सशस्त्र ड्रोन शामिल हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि इन स्थानों में बारामूला, श्रीनगर, अवंतीपोरा, नगरोटा, जम्मू, फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, लालगढ़ जट्टा, जैसलमेर, बाड़मेर, भुज, लक्खी नाला और कच्छ शामिल हैं। गुजरात सरकार ने पाटन जिले के सीमावर्ती संतालपुर तालुका के गांवों में ब्लैकआउट लागू कर दिया है। गुजरात के सीएम ने सभी नागरिकों को अफ़वाहों से दूर रहने और समय-समय पर प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के लिए कहा है।

भारत की जवाबी कार्रवाई ने देश का स्वाभिमान और हिम्मत बढ़ाई: मोहन भागवत

सौरभ शर्मा

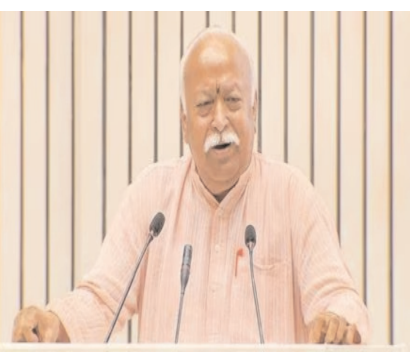

नई दिल्ली, 9 मई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष को लेकर प्रतिक्रिया दी है। संघ ने पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई को लेकर भारत सरकार की जमकर तारीफ की। संघ ने एक्स पर लिखा, पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के बाद पाक प्रायोजित आतंकवादियों और उनके समर्थक तंत्र के विरुद्ध की जा रही निर्णायक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सशस्त्र बलों को हार्दिक बधाई। सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के हवाले से संघ ने लिखा, ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनंदन। हिंदू यात्रियों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों को एवं समस्त देश को न्याय दिलाने हेतु हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है। संघ ने आगे लिखा, हमारा यह भी मानना है कि पाकिस्तान में आतंकियों, उनके ढांचे और सहयोगी तंत्र पर की जा रही सैनिक कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक और अपरिहार्य कदम है। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार और सैन्य बलों के साथ खड़ा है। पाकिस्तानी सेना की ओर से भारत की सीमा पर धार्मिक स्थलों और नागरिक बस्ती क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों की हम निंदा करते हैं। जो इन हमलों का शिकार हुए, उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। संघ ने आगे लिखा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस चुनौतीपूर्ण अवसर पर समस्त देशवासियों से आह्वान करता है कि शासन और प्रशासन द्वारा दी जा रही सभी सूचनाओं का पूर्णत: अनुपालन सुनिश्चित करे। इसके साथ-साथ इस अवसर पर हम सबको अपने नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए यह भी सावधानी रखनी है कि राष्ट्र विरोधी शक्तियों के सामाजिक एकता और समरसता को भंग करने के किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें।

करतारपुर साहिब कॉरिडोर सेवा अनिश्चितकाल के लिए निलंबित: विदेश सचिव

संजय कुमार

नई दिल्ली, 9 मई। पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद तनाव बढ़ गया है। लगातार तीसरे दिन आज विदेश मंत्रालय ने प्रेस वार्ता में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि भारत पाकिस्तानी घुसपैठ, ड्रोन से हमले और सीमा पर संघर्ष विराम उल्लंघन का माकूल जवाब दे रहा है। उन्होंने कहा कि करतारपुर साहिब कॉरिडोर सेवाएं अगले आदेश तक अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दी गई हैं। बता दें कि करतारपुर कॉरिडोर पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब को जोड़ता है। ये सिख धर्म के संस्थापक, गुरु नानक देव का अंतिम विश्राम स्थल है। पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक मंदिर से थोड़ी दूर स्थित यह धार्मिक आस्था का केंद्र वीजा-मुक्त है। 4.7 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर भारतीय सीमा को पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ता है। इसे 2019 में शुरू

किया गया था। मिस्त्री ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया कि भारत अपने ही क्षेत्र पर हमला कर रहा है। उन्होंने ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर ड्रोन हमले के बारे में गलत सूचना फैलाने के लिए पाकिस्तान को आड़े हाथ लिया। उन्होंने इसे सरासर झूठ बताया। मिस्त्री ने कहा, अपनी हरकतों को स्वीकार करने के बदले पाकिस्तान भारतीय सशस्त्र बलों पर बेतुके आरोप लगा रहा है। वे ऐसी हरकतों में पारंगत हैं जैसा कि उनका इतिहास दिखाता है। पाकिस्तान सांप्रदायिक कलह पैदा करने के इरादे से परिस्थितियों को सांप्रदायिक रंग देने की बेतहाशा कोशिश कर रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, कल रात पाकिस्तान ने भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाई की। भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर हमले किए गए। भारतीय सशस्त्र बलों ने आनुपातिक तरीके से जिम्मेदारी भरा और माकूल जवाब दिया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के इन हमलों का पाकिस्तानी राज्य मशीनरी (सरकार) आधिकारिक और स्पष्ट रूप से खंडन कर रही है, जो हास्यास्पद है। इससे उनका कपट सामने आ गया है। विदेश सचिव ने पाकिस्तान के इस बर्ताव को फरेब का एक और उदाहरण बताया।

ऑपरेशन सिंदूर: सीएम मान ने लिए 15 बड़े फैसले

तेजिन्दर कौर बब्बर

चंडीगढ़, 9 मई। पाकिस्तान के साथ जारी ऑपरेशन सिंदूर के बीच शुक्रवार को पंजाब कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 15 अहम फैसले लिए। पाकिस्तान से लगती पंजाब की 532 किलोमीटर की सरहदों की सुरक्षा के लिए सीएम मान ने एंटी ड्रोन सिस्टम खरीदने को मंजूरी दे दी है। पठानकोट से अबोहर तक हर 10 किलोमीटर पर यह एंटी ड्रोन कवच इंस्टॉल किए जाएंगे। बीएसएफ के साथ पंजाब पुलिस इन एंटी ड्रोन सिस्टम को इंस्टॉल करेगी, मौजूद कुछ एंटी ड्रोन बीएसएफ ने सरहदों पर इंस्टॉल कर रखे हैं। ऐसे में पाकिस्तान की तरफ से हथियार और ड्रग्स तस्करी सहित अन्य घटनाओं को आसानी से रोका जा सकेगा। वहीं पड़ोसी मुल्क भी ऐसी हिमाकत नहीं कर सकेगा। सीएम मान ने बताया कि पहले चरण में 9 एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। राज्य सरकार इस पर 51.41 करोड़ रुपये खर्च करेगी। सीएम ने कहा कि बीते वर्षों

में ड्रोन और यूएवी के माध्यम से सीमाएं भेदने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनका इस्तेमाल हथियारों, नशे और विस्फोटकों को भारत में भेजने के लिए किया जा रहा है। अब ये अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन सिस्टम इन खतरों को समय रहते पहचान कर उन्हें निष्क्रिय करेंगे। सीएम मान ने कैबिनेट में लिए फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हाउसिंग डिपार्टमेंट की ओर से कुछ प्लॉट आवंटित किए गए थे, उन पर समय से निर्माण नहीं किया गया। अब ऐसे प्लॉट को इंडस्ट्री लगाने के लिए ट्रांसफर की जाएंगी। इस नई पहल के तहत फरीदकोट में आवास निर्माण विभाग की 135 एकड़ जमीन उद्योग विभाग को हस्तांतरित करने को मंजूरी दी गई है। रंगला पंजाब के तहत के अब ऐसा फंड तैयार किया जा रहा है, ताकि विदेश में बैठे पंजाबी अपने गांव व हलके के विकास के लिए इस फंड में डोनेशन कर सकेंगे। उनके गांव या ब्लॉक में अस्पताल, स्कूल, डिस्पेंसरी या अन्य जन सुविधाओं के ढांचे के निर्माण के लिए यह फंड उस पर खर्च होगा। इस फंड में डोनेशन करने वालों को इनकम टैक्स में छूट दिए जाने के लिए भी राज्य ने केंद्र सरकार को इस संदर्भ में चिट्ठी लिखी है। कैबिनेट ने फरिश्ते योजना का विस्तार किया है। विस्तार के तहत अब आतंकवाद, वॉर और पूर्व सैनिकों के घायल या दुर्घटना के दौरान निशुल्क इलाज मुहैया कराया जाएगा। यह योजना सड़क दुर्घटनाओं तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें युद्ध और आतंकी हमलों में घायल हुए नागरिकों को भी शामिल किया गया है। वहीं सीएम मान ने बताया कि गैर कानूनी माइनिंग पर रोक लगाने के लिए आईआईटी रोपड़ के साथ एमओयू साइन किया गया है। आईआईटी रोपड़ में एक्सीलेंस सेंटर तैयार होगा, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़कर सोनार और लिडार जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल कर अवैध खनन को रोका जाएगा। सीएम मान ने कहा कि प्रदेश के 13 जेलों में 5जी जैमर लगाए जाएंगे। जेल के अंदर से मोबाइल फोन के जरिए संपर्क कर टारगेट किलिंग, ड्रग्स तस्करी और आतंकवाद को बढ़ावा देने की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाएगा। इन 13 जेलों में गोइंदवाल साहिब, पटियाला, बठिंडा, अमृतसर, संगरूर, फरीदकोट, मुक्तसर व अन्य जेलों में इंस्टॉल किए जाएंगे। सीएम ने कहा कि कई जेल रिहायशी इलाके के इर्द गिर्द पड़ती हैं, ऐसे में यहां आम जनता को नेटवर्क की दिक्कत होती थी, अब एक तय रेडियम में 5 जी जैमर काम करेगा।

पीएम और रक्षा मंत्री ने हालात की समीक्षा की

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 मई। ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। लड़ाकू विमानों, ड्रोन, रॉकेट व मिसाइलों के जरिए पाकिस्तान ने गुरुवार रात 8 से 10 बजे के बीच जम्मू, पठानकोट, फिरोजपुर, कपूरथला, जालंधर व जैसलमेर के सैन्य ठिकानों और आयुध केंद्रों पर हमला किया। भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के हमले को नाकाम कर दिया और उसके रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। ताजा घटनाक्रम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बड़े भाई ने कूटनीतिक समाधान तलाशने को कहा है। पाकिस्तान सेना द्वारा लगातार संघर्षविराम उल्लंघन और भारत के खिलाफ आक्रामकता के बीच, शुक्रवार सुबह श्रद्धालुओं ने गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में भारतीय सेना के लिए प्रार्थनाएं कीं और उनका आशीर्वाद मांगा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पहलगाम में मारे गए लोगों के परिजनों और मारे गए लोगों के आत्मिक शांति के लिए भी प्रार्थना की। भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, कई श्रद्धालुओं ने आतंकवाद को समाप्त करने की उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया, जो भारत की अखंडता के लिए खतरा बना हुआ है। एक श्रद्धालु ने सरस्वती ने कहा, हमें भारतीय सेना पर गर्व है। भारत को तब तक पाकिस्तान को नहीं छोड़ना चाहिए जब तक कि पाकिस्तान में आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया नहीं हो जाता। भारतीय सेना पर पूरा विश्वास है कि वे आतंकवाद का खात्मा करने के बाद ही दम लेगी। तरनतारन से गुरु ग्रंथ साहिब के पवित्र स्वरूप अमृतसर भेजे गए भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, पंजाब के तरनतारन में भी दहशत का माहौल है। हवेलियां गांव के सिंह सभा गुरुद्वारा से श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पवित्र स्वरूपों को अमृतसर के गुरुद्वारा रामसर साहिब में स्थानांतरित किया जा रहा है। इस कदम को लेकर स्वर्ण मंदिर के प्रबंधक राजिंदर सिंह ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के सदस्यों ने गांवों का दौरा किया है। गुरुद्वारा के ग्रंथियों की सहमति के बाद श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पवित्र स्वरूपों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। यह सीमा से सटा हुआ गांव है...श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पवित्र स्वरूपों को अमृतसर के गुरुद्वारा रामसर साहिब में पहुंचाया जा रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी छुट्टियों को रद्द करने का फैसला लिया है। पाकिस्तान के साथ उपजे तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, अगले आदेश तक किसी भी अधिकारी को छुट्टी नहीं दी जाएगी। स्टेशन अवकाश भी नहीं मिलेगा। अपरिहार्य स्थितियों में चिकित्सा आधार पर छुट्टी मिलेगी। पहले से स्वीकृत छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। जो अधिकारी छुट्टी पर हैं, उन्हें तुरंत ड्यूटी ज्वाइन करने का निर्देश दिया गया है। पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच पीएम मोदी ने आज एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (ह्स्र्) अजीत डोभाल और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (ष्ठष्ठस्र्) अनिल चौहान के साथ बैठक की। बैठक में तीनों सेना प्रमुख और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर मिसाइलों को लॉन्च करके तनाव बढ़ाने की कोशिश की। हालांकि, हर मिसाइल को बेअसर कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक मिसाइलों को नाकाम करने के लिए एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल सिस्टम, बराक-8 मिसाइल, आकाश मिसाइल और डीआरडीओ की ड्रोन रोधी तकनीकों का इस्तेमाल पाक के हमले को विफल किया गया। पाकिस्तानी हमले के लिए भारत की तीव्र, समन्वित प्रतिक्रिया से भारतीय वायु रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की ताकत का पता चलता है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, कल रात पाकिस्तान ने भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाई की। भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर हमले किए गए। भारतीय सशस्त्र बलों ने आनुपातिक तरीके से जिम्मेदारी भरा और माकूल जवाब दिया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के इन हमलों का पाकिस्तानी राज्य मशीनरी (सरकार) आधिकारिक और स्पष्ट रूप से खंडन कर रही है, जो हास्यास्पद है। इससे उनका कपट सामने आ गया है। विदेश सचिव ने पाकिस्तान के इस बर्ताव को फरेब का एक और उदाहरण बताया। बकौल कर्नल सोफिया, पाकिस्तानी हमले के जवाब में भारत ने चार हवाई रक्षा स्थलों पर सशस्त्र ड्रोन लॉन्च किए। इनमें एक ड्रोन एडी रडार को नष्ट करने में सफल रहा। कर्नल सोफिया ने बताया कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के तंगधार, उड़ी, पुंछ, मेंढर, राजौरी, अखनूर और उधमपुर में भारी कैलिबर आर्टिलरी गन और सशस्त्र ड्रोन का इस्तेमाल कर नियंत्रण रेखा के पार गोलाबारी की। भारतीय सेना के कुछ जवान हताहत हुए। जवाबी कार्रवाई में भारत ने भी बड़ा नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा, पाकिस्तान का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार फिर से सामने आया जब 7 मई की रात करीब साढ़े आठ बजे असफल और अकारण ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद पाकिस्तान ने अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया। वह ढाल की तरह इसका इस्तेमाल कर रहा है।

पाकिस्तान के तीन बंदरगाहों कराची, कासिम, ग्वादर में हाई अलर्ट

कराची। पड़ोसी भारत के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के कारण पाकिस्तान ने मुल्क के तीन प्रमुख बंदरगाहों कराची, कासिम और ग्वादर में हाई अलर्ट जारी किया है। साथ ही यहां मछली पकड़ने पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। द नेशन अखबार की खबर के अनुसार,

एहतियात के तौर पर समुद्र में मौजूद सभी मछली पकड़ने वाली नावों और ट्रॉलरों को वापस बुला लिया गया। हाई अलर्ट हटाए जाने तक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लागू रहेगा। अधिकारियों ने मछुआरों से समुद्र में जाने से परहेज करने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने कहा कि सभी प्रमुख बंदरगाहों पर सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है।

श्रीलंका वायु सेना के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में छह लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंकाई वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर के शुक्रवार सुबह देश के उत्तर मध्य प्रांत में मादुरू ओया जलाशय में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से छह सैन्यकर्मियों की मौत हो गई। यह जानकारी वायुसेना के एक प्रवक्ता ने दी। वायुसेना के प्रवक्ता एरंडा गीगनेज ने बताया कि दुर्घटना के समय हेलीकॉप्टर में दो पायलटों समेत 12 लोग सवार थे और उनमें से छह की मौत हो गई। घायलों को क्षेत्रीय

अस्पतालों में भेजा गया। उन्होंने बताया कि अन्य छह अभी भी अस्पताल में हैं।इससे पहले गीगनेज ने बताया था कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी 12 लोग सुरक्षित हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। यह घटना श्रीलंका वायुसेना के पासिंग-आउट समारोह के दौरान आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान हुई।

तरनतारन में पांच किलो हेरोइन, सात पिस्तौल सहित दो लोग गिरफ्तार

तरनतारन। पंजाब में तरनतारन पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय नार्को-आतंकवादी तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए भारी मात्रा में हथियारों और हेरोइन के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में पुलिस ने दो अपराधियों लवप्रीत सिंह और जगरूप सिंह को सात अत्याधुनिक पिस्तौल (.30 बोर) के साथ जिंदा कारतूस, पांच किलोग्राम हेरोइन,

7.20 लाख रुपए ड्रग मनी और एक करेंसी काउंटिंग मशीन के साथ गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों और विदेशी संचालकों के सीधे संपर्क में थे। इस संबंध में पुलिस थाना सिटी तरनतारन में प्राथमिकी दर्ज की गई।

गाजा में इजरायली हमलों में 21 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में कम से कम 21 फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। गाजा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि उत्तरी गाजा के बेत लाहिया शहर में एक आवासीय घर पर इजरायली लड़ाकू विमानों के हमले में बच्चों और महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि गाजा शहर के पश्चिम में अल-शती शरणार्थी शिविर के बाहरी इलाके में एक फिलिस्तीनी सभा पर इजरायली हवाई हमले में तीन युवक मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। प्रवक्ता ने बताया कि इसके अलावा दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर, डेर अल-बलाह शहर और मध्य गाजा के नुसेरात शरणार्थी शिविर तथा गाजा शहर के पूर्व में शुजाइया पड़ोस में घरों, एक स्कूल और विस्थापित व्यक्तियों के आवास वाले टेंटों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमलों और गोलाबारी में एक लड़की और एक महिला सहित नौ लोग मारे गए।इजरायली सेना ने इन घटनाओं पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। इजरायल ने हमास के साथ जनवरी में हुए युद्धविराम समझौते के पहले चरण की समाप्ति के बाद दो मार्च को गाजा में माल और आपूर्ति के प्रवेश को रोक दिया था एवं 18 मार्च को गाजा पर हमले फिर से शुरू किए। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 2,651 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 7,223 घायल हुए हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव पर नेपाल की संसद में विशेष चर्चा की मांग

एजेंसी
काठमांडू। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात और बढ़ते तनाव का असर नेपाल पर भी होने की बात कहते हुए कई दलों के सांसदों ने इस पर संसद में विशेष चर्चा कराने की मांग की है। प्रतिनिधि सभा में कई सांसदों ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के कारण नेपाल पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने की बात कहते हुए संसद में इस पर चर्चा की मांग की। सदन में विशेष समय लेकर बोलते हुए राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद शिशिर खनाल ने कहा कि जिस तरह भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बन रहे हैं, उसका असर नेपाल की आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ सकता है। इसके लिए सरकार को अपनी तरफ

से पूरी तैयारी करनी चाहिए। इस हालात में संसद में विशेष चर्चा कराने की आवश्यकता है। इसी तरह एकीकृत समाजवादी के सांसद शेरबहादुर कुंअर ने कहा कि भारत में युद्ध जैसे हालात होने पर ईंधन सहित खाद्य पदार्थों की आपूर्ति पर असर पड़ सकता है इसलिए सरकार को समय रहते इसके लिए खुद भी तैयार रहने और जातकों भी तैयार करने को आवश्यकता है। संसद कुंअर ने इसे लेकर सरकार की तरफ से की जा रही तैयारियों की जानकारी सदन में देने की मांग की है।

सत्तारूढ़ दल नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (यूएमएल) की सांसद सरस्वती सुब्बा ने कहा कि भारत के साथ खुली सीमा होने और तीन तरफ से भारत के साथ जुड़े होने के कारण भारत-पाकिस्तान युद्ध का सुरक्षा दृष्टिकोण से भी असर पड़ने के कारण इस तरफ हमारा भी ध्यान जाना चाहिए। सुब्बा ने ओली सरकार से संसद में वर्तमान हालात पर विशेष चर्चा की मांग की है।

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय कार्रवाई को नेपाली कांग्रेस ने जायज ठहराया

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने उम्मीद जताई है कि इजराइल-हमास युद्ध 24 घंटे में रुक सकता है। उसकी भारत-पाकिस्तान के मौजूदा तनाव पर भी नजर है। अमेरिका ने साफ किया है कि चीन पर टैरिफ वापस नहीं होगा। इस बीच ब्रिटेन से बड़ा व्यापार समझौता संभव है। न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवालों पर इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। ट्रंप ने कहा कि वह चीन पर टैरिफ वापस लेने के लिए तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इजराइल और हमास के लिए नए युद्धविराम और बंधक सौदे के प्रस्ताव की अच्छी खबर अगले 24 घंटों में आ सकती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच गोलीबारी के बाद होने वाले घटनाक्रमों पर उनकी बारीकी से नजर है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार सुबह ब्रिटने के साथ व्यापार समझौते की घोषणा कर सकते हैं। यह दर्जनों व्यापारिक

साझेदारों पर भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद पहला समझौता होगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि वह एक बड़े और अत्यधिक सम्मानित देश के प्रतिनिधियों के साथ एक प्रमुख व्यापार समझौते की घोषणा करेंगे।

भारतीय आक्रामकता के चलते टकराव अब तय, हालात बेहद गंभीर : पाक रक्षा मंत्री

एजेंसी
इस्लामाबाद। भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष अब तय प्रतीत हो रहा है। उन्होंने भारत पर लगातार आक्रामकता जारी रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब हालात नियंत्रण से बाहर निकलते जा रहे हैं।

आसिफ ने कहा, अब मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि टकराव निश्चित है, क्योंकि भारतीय पक्ष की आक्रामकता लगातार जारी है- चाहे वह जमीन पर हो या फिर आज पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में ड्रोन भेजने के रूप में।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भारत ने हाल ही में लगभग 78 विमानों से हमला किया था, जिनमें से पांच को पाकिस्तान की वायुसेना ने मार गिराया। उनका कहना था कि पिछले तीन-चार दिनों से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। रक्षा मंत्री अब इतनी गंभीर हो गई है कि हमें जवाब देना ही होगा। मैं अब भी यह

ने आशंका जताई कि मौजूदा स्थिति जल्द ही एक व्यापक टकराव का रूप ले सकती है। उन्होंने कहा कि स्थिति नहीं कहूंगा कि टकराव 100 फीसदी तय है, लेकिन इसकी संभावना अब बहुत स्पष्ट है।

पाकिस्तान खुद आतंकवाद में लिप्त, दुनिया उसे रोके : विनय क्वात्रा

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने कहा है कि पाकिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर में 'आतंकवाद के कारखानों' पर भारत की 'सीमित कार्रवाई' के बाद पाकिस्तान की प्रतिक्रिया का तरीका दर्शाता है कि वह न केवल आंतकवाद के साथ दे रहा है बल्कि खुद आतंकवाद में संलिप्त है तथा विश्व समुदाय को उसे सख्ती से रोकना चाहिए। श्री क्वात्रा ने अमेरिकी टीवी समाचार चैनल सीएनएन से भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सीमापार आतंकवादियों के बुनियादी ढांचों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गयी कार्रवाई को 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का एक नपातुला और सीमित जवाब बताया और कहा कि उसके बाद भारत जो भी कर रहा है वह पाकिस्तान की हरकतों का जवाब है। उन्होंने कहा कि पहलगाम जैसा जघन्य कृत्य करने वाले को दुनिया में कहीं भी माफ नहीं किया जा सकता।उन्होंने कहा कि दुनिया को भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण परमाणु युद्ध छिड़ने की चिंता करने की बजाय यह चिंता होनी चाहिए कि आतंकवाद और आतंकवादियों को पाकिस्तान का समर्थन जारी है। यही सबसे बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा, ÷दुनिया को पाकिस्तान से साफ तौर पर कहना चाहिए कि पाकिस्तान आतंकवाद का साथ देने का काम बंद करे। उन्होंने कहा, ÷हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहें हैं, आतंकवाद से पीड़ित लोगों को न्याय दिलाना चाहते हैं। हमारी कार्रवाई आतंकवाद की जवाबदेही तय करने के लिए है। यह पूछे जाने पर कि भारत इस कार्रवाई में कहां जा कर संतुष्ट होगा तो उन्होंने कहा, ÷आतंकवादी ठिकानों पर परसों संतुलित नपी तुली कार्रवाई कर हम सोच रहे थे कि हमने उन आतंकवादियों के खिलाफ अपना जो काम सोच रखा था उसे एक तरह से पूरा कर लिया है। हमारी सोच के हिसाब से आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई वहीं खत्म हो चुकी थी बशर्ते पाकिस्तान भी वही सोचता। पाकिस्तान ने बात बढ़ाने का रास्ता चुना तो, हमारी मजबूरी हो गयी कि हम भी उसका माकूल जवाब दें। उन्होंने पहलगाम में पाकिस्तान की शह पर काम करने वाले आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या को वर्तमान तनाव की जड़ और उकसावे की पहली कार्रवाई बताया और कहा कि उस हमले में पाकिस्तान समर्थित चार आतंकवादियों ने लोगों के धर्म पूछ कर उनकी पत्नियों और बच्चों के सामने ही बर्बरतापूर्वक सिर में गोली मार कर हत्या कर दी।

अमेरिका की पाकिस्तान को नसीहत, आतंकवादियों की मदद तत्काल बंद करे, रुबियो ने की शहबाज से बात

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आज कुछ देर पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर से बातचीत की है। उन्होंने दोनों देशों से तत्काल तनाव कम करने का आग्रह किया। रुबियो ने शरीफ से कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादी समूहों के लिए किसी भी तरह के समर्थन को समाप्त करने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए।

सीएनएन की खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेशमंत्री रुबियो ने आज भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ से अलग-अलग बात की और दोनों देशों के बीच बढ़ते संकट में तनाव कम करने की आवश्यकता पर जोर

दिया। दोनों कॉल्स के रीडआउट के अनुसार, रुबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत के लिए अमेरिकी समर्थन व्यक्त किया और संचार में सुधार के लिए निरंतर प्रयासों को प्रोत्साहित किया। रीडआउट में कहा गया है कि उन्होंने शरीफ से कहा कि पाकिस्तान आतंकवादी समूहों की मदद करना बंद करे। अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने आज कहा कि तनाव की शुरुआत पाकिस्तान ने की है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम हमले की मात्र प्रतिक्रिया है। सीएनएन के साथ साक्षात्कार में क्वात्रा ने कहा कि पहलगाम नरसंहार का बदला लेने के लिए भारत ने आतंकवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। वह इस तनाव को और बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है।

अमेरिका-यूके के बीच व्यापक व्यापार समझौते की ट्रंप ने की घोषणा, कहा- 'यह ऐतिहासिक दिन है'

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ एक पूर्ण और व्यापक व्यापार समझौते की घोषणा की है। उन्होंने इसे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करने वाला कदम बताया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में कहा, यूनाइटेड किंगडम के साथ हुआ यह समझौता पूरी तरह से व्यापक है और यह अमेरिका और यूके के रिश्ते को आने वाले वर्षों तक और अधिक मजबूत करेगा। हमारी ऐतिहासिक साझेदारी और विश्वास के कारण, यह हमारे लिए सम्मान की बात है कि यूके पहला देश है जिसके साथ यह घोषणा की गई है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि आने वाले समय में कई अन्य देशों के साथ भी इसी तरह के समझौते होने जा रहे हैं, जिन

Donald J. Trump
@realDonaldTrump
The agreement with the United Kingdom is a full and comprehensive one that will cement the relationship between the United States and the United Kingdom for many years to come. Because of our long time history and allegiance together, it is a great honor to have the United Kingdom as our FIRST announcement. Many other deals, which are in serious stages of negotiation, to follow!

पर गंभीर स्तर की बातचीत चल रही है। ट्रंप ने आगे कहा, यह अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम दोनों के लिए बेहद खास और उत्साहजनक दिन है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाएगी।

वेटिकन ने कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट को चुना नया पोप, इस पद पर पहुंचने वाले पहले अमेरिकी, ट्रंप ने कहा-यह देश के लिए बहुत बड़ा सम्मान

एजेंसी
वेटिकन सिटी। वेटिकन ने आज अपना नया पोप कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट को चुन लिया। कैथोलिक प्रमुख के सर्वोच्च पद पर पहुंचने वाले रॉबर्ट प्रीवोस्ट पहले अमेरिकी कार्डिनल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सबसे बड़ा सम्मान बताया है। दिवंगत पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के रूप में उनका चुनाव मतदान के जरिये किया गया। उन्हें पोप लियो के नाम से जाना जाएगा। सीएनएन की खबर के अनुसार, सेंट पीटर बेसिलिका की बालकनी से पोप के रूप में अपनी पहली टिप्पणी में उन्होंने शांति का आह्वान किया और दिवंगत पोप फ्रांसिस को जनसमूह के सामने श्रद्धांजलि अर्पित की। संयुक्त राज्य अमेरिका के कार्डिनल रॉबर्ट फ्रांसिस

प्रीवोस्ट को 267वां पोप चुना गया है। वह जल्द ही दुनिया के 1.4 अरब कैथोलिकों के नए नेता के रूप में सेंट पीटर बेसिलिका की बालकनी में आधिकारिक रूप से कदम रखेंगे। शिकागो के 69 वर्षीय प्रीवोस्ट वैश्विक अनुभव वाले नेता हैं। उन्होंने अपने करियर का अधिकांश समय दक्षिण अमेरिका में एक मिशनरी के रूप में बिताया और पेरू में बिशप के रूप में कार्य किया। उन्होंने हाल ही में बिशप नियुक्तियों के लिए एक शक्तिशाली वेटिकन कार्यालय का नेतृत्व किया। उनसे पोप फ्रांसिस के सुधारों को आगे बढ़ाने की उम्मीद है।133 वोटिंग कार्डिनल थे और उनमें से किसी एक को अगला पोप बनने के लिए दो-तिहाई वोट की आवश्यकता थी। आज दोपहर की शुरुआत में सिस्टिन चैपल के ऊपर सफेद धुआं निकला जो एक नए पोप के चयन का संकेत दे रहा था। वह मतदान में बाजी मार गए। रॉबर्ट प्रीवोस्ट का जन्म 1955 में शिकागो के इलिनोइस में हुआ था। प्रीवोस्ट ने पेंसिल्वेनिया के विलानोवा विश्वविद्यालय से गणित में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और शिकागो के कैथोलिक थियोलॉजिकल यूनियन से धर्मशास्त्र में डिप्लोमा प्राप्त किया। बाद में उन्हें पोंटिफिकल सेंट थॉमस एक्विनास विश्वविद्यालय में कैनन कानून का अध्ययन करने के लिए रोम भेजा गया और जून 1982 में एक पुजारी के रूप में नियुक्त किया गया। यह कहा जाता है कि अमेरिका के अत्यधिक वैश्विक राजनीतिक प्रभाव के कारण कार्डिनल निर्वाचक हमेशा अमेरिका से पोप चुनने से कतराते हैं। उन्होंने इसे गलत साबित कर दिया।

क्वेटा में पाकिस्तानी सेना पर सिलसिलेवार हमले, फ्रंटियर कोर मुख्यालय समेत कई ठिकाने निशाने पर

एजेंसी
क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में रात पाकिस्तानी सेना के खिलाफ संगठित और सिलसिलेवार हमले हुए। स्थानीय सूत्रों और प्रारंभिक मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन हमलों में कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जिसमें फ्रंटियर कोर का मुख्यालय, सुरक्षा चेक पोस्ट और हजारा टाउन की सेना पोस्ट शामिल हैं। हथियारबंद हमलावरों ने क्वेटा स्थित फ्रंटियर कोर मुख्यालय मुख्यालय को निशाना बनाया। हमले से पहले कई जोरदार विस्फोट हुए और उसके बाद भीषण गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। सेना ने इलाके को घेर लिया है और जवाबी कार्रवाई की जा रही है। जबकि क्वेटा के कंबरानी रोड स्थित सफर खान चेक पोस्ट पर भी कम से कम दो विस्फोट हुए। हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी संगठन

ने नहीं ली है, लेकिन यह क्षेत्र पहले भी आतंकी गतिविधियों के लिए संवेदनशील रहा है। वहीं किरानी रोड स्थित हजारा टाउन की सेना पोस्ट पर भी हथियारबंद हमलावरों ने हमला किया। धमाकों और गोलीबारी की आवाजें पूरे इलाके में गूंजती रहीं। स्थानीय निवासियों में दहशत का माहौल है। इन हमलों के बाद बलूचिस्तान सरकार ने क्वेटा में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। सेना और अर्धसैनिक बलों को हमलावरों की तलाश में कॉम्बिंग ऑपरेशन के निर्देश दिए गए हैं।

राजशाही की वापसी के लिए 29 मई से अनिश्चितकालीन आंदोलन की घोषणा

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में राजशाही की वापसी को लेकर सभी पक्षों ने संयुक्त जन आंदोलन समिति का गठन किया है। इसके तहत नेपाल में गणतंत्र दिवस को 29 मई से राजशाही की वापसी के लिए अनिश्चितकाल आंदोलन किया जाएगा। राजशाही की मांग को लेकर नेपाल में अलग-अलग संघर्ष करने वाले सभी राजनीतिक दल और सामाजिक संगठनों ने संयुक्त रूप से एक संघर्ष समिति की घोषणा की है।

बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के दावे से पाकिस्तान में खलबली

एजेंसी
क्वेटा। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बाईस अप्रैल को आतंकवादी हमला करवाकर पाकिस्तान बुरी तरह फंस गया है। इस हमले से दोनों के बीच के सैन्य टकराव पर सारी दुनिया की नजर है। इस बीच पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम में स्थित बलूचिस्तान प्रांत में स्वतंत्रता की गूंज उठने से दहशतगर्द मुल्क के हाथों से तोते उड़ते नजर आ रहे हैं। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा पाकिस्तान का नौवां सबसे बड़ा शहर है। लेखक मीर यार बलोच की आजादी की घोषणा से पाकिस्तान में खलबली मच गई है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान के प्रतिष्ठित लेखक मीर यार बलोच ने एक्स पोस्ट में बलूचिस्तान की आजादी का एलान किया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी पाकिस्तान के पतन के निकट होने के कारण जल्द ही संभावित घोषणा की जानी चाहिए। उन्होंने भारत से अनुरोध किया कि वह बलूचिस्तान के आधिकारिक कार्यालय और दिल्ली में दूतावास की अनुमति दे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से भी अनुरोध किया है कि वह बलूचिस्तान के लोकतांत्रिक गणराज्य की स्वतंत्रता को मान्यता दे और अपना समर्थन

देने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों की बैठक बुलाए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बलूचिस्तान में अपने शांति मिशन को तुरंत भेजना चाहिए, जिससे पाकिस्तान की कब्जे वाली सेना से बलूचिस्तान के क्षेत्रों, वायु क्षेत्र और समुद्र को खाली करने और सभी हथियार और संपत्ति बलूचिस्तान में छोड़ने के लिए कहे। मीर यार बलोच ने कहा कि अब सेना, फ्रंटियर कोर, पुलिस, सैन्य खुफिया, आईएसआई और नागरिक प्रशासन में सभी गैर-बलूच कर्मियों को तुरंत बलूचिस्तान छोड़ देना चाहिए। साथ ही बलूचिस्तान का नियंत्रण जल्द ही स्वतंत्र बलूचिस्तान राज्य की नई सरकार को सौंप दिया जाए। मीर यार ने कहा कि जल्द ही अंतरिम सरकार की घोषणा होगी।

मंत्रिमंडल में बलूच महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होगा। बलूचिस्तान की स्वतंत्र सरकार का राजकीय समारोह जल्द ही आयोजित किया जाएगा। मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्षों को राष्ट्रीय परेड देखने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। हम उनसे आशीर्वाद मांगेंगे। उन्होंने बलूचिस्तान में रहने वाले हिंदू समुदाय को आश्वस्त किया है कि वे निश्चिंत रहें। उन्हें और हिंगलाज माता मंदिर सहित उनके सभी धार्मिक स्थलों को पाकिस्तानी सेना के आतंकवाद और आक्रमण से बचाया जाएगा। बलूचिस्तान, पाकिस्तान की कायर सेना को ऐसा बड़ा सबक सिखाने में सक्षम है, जिसे उसके उसकी सात पीढ़ियां कभी नहीं भूलेंगी। बलूचिस्तान में अब कोई भी पाकिस्तानी किसी हिंदू से कलमा पढ़ने के लिए कहने और उसकी पत्नी और बच्चों के सामने उसकी हत्या करने की हिम्मत नहीं करेगा।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पहलगाम हमला ही था असल उकसावा, झूठ और भ्रामक दावे कर रहा पाकिस्तान : भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कहा कि पाकिस्तान लगातार पहलगाम हमले और उसके बाद के घटनाक्रम पर झूठ बोल रहा है। भारत स्पष्ट करना चाहता है कि पहलगाम ही पहले उकसावे की घटना थी। इसी के जवाब में भारत ने आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक और संयमित कार्रवाई की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंत्रालय में एक स्पेशल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने केवल आतंकी ढांचे को निशाना बनाया है। अगर पाकिस्तान आगे कोई हमला करता है तो जवाबी कार्रवाई के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहलगाम हमला एक सोची-समझी उकसावे की कार्रवाई थी, जिसमें लश्कर ए तैयबा आतंकी संगठन से जुड़े 'द रजिस्टेंस फ्रंट' की भूमिका सामने आई है। हालांकि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के पहलगाम हमले पर जारी होने वाले बयान से इस संगठन का नाम हटवाया, जबकि संगठन ने शुरुआत में अपनी भूमिका स्वीकार की थी।

विदेश सचिव मिस्री ने पाकिस्तान की ओर से पूरे घटनाक्रम पर फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम से जुड़े दावों को बेनकाब किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हमले के बाद से ही निष्पक्ष जांच कराए जाने की बात करता आ रहा है, लेकिन मुंबई और पठानकोट जैसे आतंकी हमलों पर ठोस सबूत देने के बावजूद भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पाकिस्तान के भारत के हमले में निर्दोष नागरिकों के मारे जाने के दावे का उन्होंने खंडन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी तस्वीरें सामने आ रही है जहां आतंकियों को 'शहीद' बताकर महिमामंडित किया जा रहा है। वहीं कल पाकिस्तान ने भारत के निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया। कल के सीमापार से किए गए हमले में 16 भारतीय नागरिकों की जान गई है जिसमें 5 महिलाएं और 3 बच्चे हैं। विदेश सचिव ने स्पष्ट किया कि भारत ने किसी धार्मिक स्थल पर नहीं, बल्कि आतंकवाद की पनाहगाह पर कार्रवाई की थी। पाकिस्तान द्वारा जिस मस्जिद को निशाना बनाने की बात कही जा रही है, वह एक आतंकी प्रशिक्षण केंद्र था। दूसरी ओर कल पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में गुरुद्वारे पर हमला किया। इससे उसकी नीयत पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने सिंधु जल संधि का भी उल्लेख किया और इसपर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे झूठ का खंडन किया। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि का मुद्दा हमले के बाद नहीं उपजा है। भारत ने बीते दो वर्षों से संधि के नियम और शर्तों के अनुरूप पुनःवार्ता (री-नेगोसिएशन) के लिए नोटिस दिया है। छह दशकों यहां तक कि युद्धकाल में भी भारत ने इस संधि का सम्मान किया। बावजूद इसके पाकिस्तान कानूनी प्रक्रिया में उलझाकर भारत के अधिकार की नदियों पर भी परियोजनाओं का विरोध करता रहा है। मिस्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जलवायु परिवर्तन, तकनीकी और जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण संधि में बदलाव समय के अनुसार जरूरी हो गया है, लेकिन पाकिस्तान इसमें भाग रहा है– जो कि सीधे तौर पर संधि के प्रस्तावना का उल्लंघन है।

भारत ने आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट्स को ब्लॉक करने का दिया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान में जंग जैसे हालात के बीच भारत सरकार ने देश को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक सूचना पर सख्त कदम उठाया है। बताया जा रहा है सरकार ने कई एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। प्रारम्भिक जानकारी के मुताबिक, भारत के बारे में भ्रामक सूचनाएं फैलाने वाले एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स के खिलाफ सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। भारत सरकार ने आठ हजार से ज्यादा एक्स अकाउंट्स को बंद करने का आदेश दिया है। अभी विस्तृत विवरण का इंतजार है और इसकी पुष्टि होना बाकी है।

अगले 5 दिनों तक कई राज्यों में बारिश और गरज के साथ बौछारें, एनसीआर में ओलावृष्टि और बिजली गिरने की चेतावनी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जानकारी दी है कि देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य हिस्सों में आने वाले पांच दिनों तक गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना बनी हुई है। इसके तहत कई राज्यों के लिए मौसम से जुड़ी चेतावनियां जारी की गई हैं, जिनमें दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। 9 मई को दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस दिन तेज गरज के साथ बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही बिजली गिरने का भी खतरा जताया गया था। 10 मई को मौसम आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने की संभावना है। 11 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और तापमान 37 डिग्री अधिकतम और 27 डिग्री न्यूनतम रहने की संभावना है। इसके बाद 12 से 15 मई तक मौसम साफ और आंशिक रूप से बादलों से युक्त रहेगा। तापमान इस दौरान अधिकतम 37-38 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री के आसपास रहेगा। मौसम विभाग ने 11 मई तक असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर जैसे पूर्वोत्तर राज्यों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में भारी बारिश, गरज और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। स्थानीय प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और जब तक आवश्यक न हो, घर से बाहर न निकलें।

राहुल गांधी ने अमेरिकी रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नए पोप चुने जाने पर दी बधाई

नई दिल्ली। अमेरिकी धर्मगुरु रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को गुरुवार को नया पोप चुन लिया गया है। वो अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल हैं। दो दिनों तक चली गहन चयन प्रक्रिया के बाद प्रीवोस्ट को पोप लियो XIV के रूप में चुना गया। नए पोप के चयन की घोषणा के साथ ही वेटिकन में सेंट पीटर्स स्क्वायर पर हजारों की भीड़ ने उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कई वैश्विक नेताओं ने भी प्रीवोस्ट के नेतृत्व में चर्च के प्रगतिशील भविष्य की उम्मीद जताई है। वहीं कांग्रेस नेता ने उन्हें बधाई दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट को पोप लियो XIV के रूप में चुने जाने पर हार्दिक बधाई। उनके नेतृत्व में शांति, करुणा और मानवता की सेवा को बढ़ावा मिलेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर वैश्विक कैथोलिक समुदाय को मेरी शुभकामनाएं। शिकागो में जन्मे 69 वर्षीय प्रीवोस्ट, ऑगस्टिनियन ऑर्डर के सदस्य थे और इन्होंने पेरू में बड़े पैमाने पर सेवा की थी। वह साल 2023 से बिशप के लिए डिकास्टरी के प्रीफेक्ट और लैटिन अमेरिका के लिए पोंटिफिकल कमीशन के अध्यक्ष थे। उन्हें पोप फ्रांसिस द्वारा इन पदों पर नियुक्त किया गया था, जिन्होंने उन्हें कार्डिनल के रूप में पदोन्नत किया था। वह लियो XIV का पोंटिफिकल नाम लेंगे।

पाकिस्तान नहीं संभला तो कांच की तरह टूट कर बिखर जाएगा : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली। पाकिस्तान की ओर से भारत पर हो रहे हमले पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास मौका है कि वह संभल जाए नहीं तो वह कांच के गिलास की तरह टूट कर बिखर जाएगा। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि पाकिस्तान इतने प्रहार सहने के बाद भी जिद्दी बना हुआ है, लेकिन मुझे लगता है कि यह उनका आखिरी प्रयास है। पाकिस्तान ने आतंकवाद को समर्थन देने के लिए लापरवाह कदम उठाया। पहलगाम में इसकी शुरुआत हुई। इसकी जवाबी कार्रवाई भारत की ओर से दी गई। लेकिन उसके बाद भी पाकिस्तान को लगा कि वे अपने लोगों को दिखाने के लिए कुछ बातें कर सकते हैं। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि हम उनकी हर कोशिश को बार-बार विफल कर देंगे। पाकिस्तान पर भारत की जवाबी कार्रवाई पर संदीप दीक्षित ने कहा कि एक बात मैं कहूंगा कि पाकिस्तान हमें बार-बार उकसाता है, लेकिन यह सराहनीय है कि हमारी प्रतिक्रिया हमेशा संतुलित और नियंत्रित होती है। हम केवल उनकी बातों का जवाब देते हैं, जैसा कि वे कहते हैं, नहले पे दहला। लेकिन सच्चाई यह है कि हम उन्हें दहले पे दहला दे रहे हैं, क्योंकि अगर हम अपनी सैन्य ताकत, अपनी आर्थिक ताकत, अपने राष्ट्र के निर्माण और अपनी एकता पर विचार करें।

ओटीटी प्लेटफार्म से सभी पाकिस्तानी कंटेंट हटाने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान पर डिजिटल स्ट्राइक करते हुए ओटीटी प्लेटफार्म पर चल रहे उनके वेबसीरीज, डिजिटल सामग्री को तुरंत बंद करने करने के निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रहित में ओटीटी प्लेटफार्म से सभी तरह के पाकिस्तानी कंटेंट हटा दिया जाए। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर किया गया है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी निर्देश में कहा कि भारत में हुए कई आतंकी हमलों में पाकिस्तान स्थित सरकारी और गैर-सरकारी तत्वों हाथ रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में भारत में संचालित सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म, मीडिया स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को सलाह दी जाती है कि वे पाकिस्तान से आने वाली वेब-सीरीज, फिल्में, गाने, पॉडकास्ट और अन्य स्ट्रीमिंग मीडिया सामग्री को तत्काल प्रभाव से बंद कर दें, चाहे वे सदस्यता आधारित मॉडल पर ही क्यों न उपलब्ध हों। मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के तहत आचार संहिता का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी सामग्री को प्रदर्शित करने से पहले विवेक और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। ऐसी सामग्री जो भारत की संप्रभुता और अखंडता को प्रभावित करती हो और जो राज्य की सुरक्षा को खतरे में डालती हो उसे सोशल मीडिया पर दिखाने से बचना चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने की भाजपा प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के साथ बातचीत की। भाजपा प्रतिनिधिमंडल में नड्डा के साथ केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, भाजपा केन्द्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक शामिल थे। यह बातचीत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों के साथ की जा रही बातचीत का एक हिस्सा है।

चुनाव आयोग ने इस मुलाकात की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि यह संवाद लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करते हैं, जिससे राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष अपने सुझाव और चिंताओं को सीधे आयोग के साथ साझा कर सकते हैं। यह पहल सभी हितधारकों के साथ मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत बनाने के आयोग के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की गई हैं, जिनमें

सीईओ द्वारा 40 बैठकें, डीईओ द्वारा 800 बैठकें और ईआरओ द्वारा 3879 बैठकें शामिल हैं। इन बैठकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

ईरान के विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्लामिक गणराज्य ईरान के विदेश मंत्री डॉ. अब्बास अराघची ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद एकजुटता और करुणा के संदेश के लिए ईरान को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार, राष्ट्रपति भवन में डॉ. अराघची का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के विशेष अवसर पर हो रही है। भारत और ईरान के बीच संबंध हजारों साल पुराने हैं। कला और संस्कृति के हर पहलू में, चाहे वह भाषा और साहित्य हो या संगीत और भोजन, हम एक-दूसरे की विरासत की झलक देख सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंध नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की मजबूत नींव पर बने हैं। इन 75 वर्षों में भारत और ईरान के बीच संबंध विविध क्षेत्रों में बढ़े हैं चाहे वह सांस्कृतिक सहयोग हो, व्यापार और ऊर्जा साझेदारी हो या क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर रणनीतिक समन्वय हो। दोनों देशों ने न केवल दीर्घकालिक मित्रता बनाए रखी है, बल्कि क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के लिए मिलकर काम भी किया है। उन्होंने चाबहार बंदरगाह की पूरी क्षमता का उपयोग करने में दोनों पक्षों

के बीच चल रहे सहयोग का स्वागत किया। राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकवादी हमलों के बाद एकजुटता और करुणा के संदेश के लिए ईरान को धन्यवाद भी दिया। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि इस यात्रा से भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा कड़ी, सभी यात्रियों की बोर्डिंग से पहले होगी अतिरिक्त जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारत के सभी हवाई अड्डों और एयरलाइनों को सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश जारी किए हैं। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, अब हर यात्री को उड़ान में सवार होने से पहले सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेक (एसएलपीसी) से गुजरना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया बोर्डिंग गेट पर अंतिम जांच सुनिश्चित करती है ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके। साथ ही, हवाई अड्डों के टर्मिनल भवनों में विजिटर्स के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयर मार्शलों की तैनाती भी की जाएगी ताकि किसी भी अप्रत्याशित गतिविधि पर

तुरंत कार्रवाई की जा सके। इस आदेश के बाद देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पूर्व अतिरिक्त समय लेकर एयरपोर्ट पहुंचे और आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। वहीं, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के निर्देश के तहत एयर इंडिया, आकासा एयर समेत कई एयरलाइंसों ने यात्रियों के लिए नई यात्रा सलाह (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी की है। एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्वीट में कहा, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपायों को सख्त करने के आदेश के मद्देनज़र, सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी निर्धारित उड़ान के कम से कम 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें, ताकि चेक-इन और बोर्डिंग की प्रक्रिया सुगम बनी रहे। उड़ान से 75 मिनट पहले चेक-इन काउंटर बंद कर दिया जाएगा। वहीं, आकासा एयर ने भी एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, बढ़ी हुई सुरक्षा जांच को ध्यान में रखते हुए, कृपया उड़ान से 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें। प्रवेश के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त फोटो पहचान पत्र अपने साथ रखें। चेक-इन बैगेज के अलावा, केवल एक हैंडबैग (अधिकतम 7 किलोग्राम) की अनुमति होगी। सभी यात्रियों को बोर्डिंग से पहले द्वितीय सुरक्षा जांच से गुजरना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, इंडिगो और स्पाइसजेट ने भी यात्रा संबंधी सलाह जारी करते हुए कहा है इस असाधारण समय में यात्रियों से अनुरोध है

स्वास्थ्य केन्द्रों में अग्नि सुरक्षा पर द्वितीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बोले जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 'स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तैयारी एवं प्रतिक्रिया' तथा 'स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि

सुरक्षा' पर दूसरी राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा नोडल अधिकारियों के समन्वय से 'अग्नि सुरक्षा सप्ताह' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाना चाहिए। ताकि लापरवाही के लिए कोई स्थान ही न बचे। उन्होंने कहा कि यह दूसरी कार्यशाला स्वास्थ्य मंत्रालय की स्वास्थ्य सुविधाओं में आपदा और अग्नि तैयारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को आपदाओं और अग्नि घटनाओं के प्रति अधिक लचीला और प्रतिरोधी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नड्डा ने कहा कि हमें आपदाओं को घटित न होने देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि निर्वाध, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर उच्च-भार वाले उपकरणों, ऑक्सीजन और रसायनों जैसे अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थों के साथ काम करते हैं जो न केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि ज्वलनशील भी होते हैं और खतरा पैदा कर सकते हैं। इसलिए, उनके प्रति अधिक संवेदनशीलता की आवश्यकता है। सभी हितधारकों से इस कर्तव्य में योगदान देने का आग्रह करते हुए नड्डा ने कहा कि यह जिम्मेदारी केवल शीर्ष स्तर के अधिकारियों की ही नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और पैरामेडिक्स की भी है। आपदा-प्रतिक्रिया के संबंध में स्वास्थ्य कर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ाने की आवश्यकता है।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Vinod Kumar Dutta S/o Late Mr. Krishan Pal Dutt is the owner of Freehold Residential Flat No. O-14, First Floor, area measuring 32 Sq. Yds, Situated at Chander Shekhar Azad Colony, Kishan Ganj, Delhi 110007 by virtue of Relinquishment Deed Dated 02.07.2024 Vide Doc No.2024/19//7113, Book No.1, Volume No.10900, on Page Nos.125-132, in S.R-I, Kashmere Gate, (Central)., in the Chain Documents Below mentioned Document not available i.e. Death Certificate Mrs. Shanti Devi Died on 07.03.2003 & SMC of Late Mr. Krishan Pal Dutt, now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and the said property which is to be sold to Mr. Bharat Singh and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd Branch: Peeragarhi, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Vijay Bhasker** is purchasing the Property bearing no. B-28 with its roof rights admeasuring 50 Sq. yrds. out of Khasra no. 390, 391 situated in the area of village Bindapur Delhi colony known as Q Extn. Uttam Vihar, Uttam Nagar New delhi from Mr. Ravi Khera who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 13.03.2023 and intend to get the financial assistance from **Aditya Birla Housing Finance Company Limited.** If any person(s) /Institution has/have any objection(s)/or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

his is to inform the general public that I, Mrs. Samundri, W/o Satveer Singh, R/o House No. 124, Village Anauna, Post-Utarawali, Tehsil-Shikarpur, Bulandshahr, Uttar Pradesh, is confirming that my real name is Samundri but it has been wrongly updated as Mrs. Guddi in adhar card. I hereby declare that my real and correct name is Samundari for all purposes. Guddi is associated with my name. Any person having any objections to the above change of name may contact me at the above-mentioned address within [30] days from the date of this notice.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE

I, DEEPIKA S Wife of No. 14853225F Rank-SEP Name-M SUJITH Presently residing at 3221, 1st MAIN ROAD, 7th CROSS, NAGAMMA LAYOUT KAVAL BYRASANDR, BANGALORE NORTH, R T NAGAR, KARNATAKA-560032, have changed my name from DEEPIKA S to DEEPIKA for all future purposes vide Affidavit dated 09/05/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

I, JATINDRA NATH PAUL Father of PRASANTA PAL residing at Saradapally, Madhyamgram, North 24 Parganas, West Bengal-700155 declare that My name and Date of birth wrongly written as JITENDRA NATH PAL & D.O.B 03/05/1942 in my Son's Army Service records but My correct name and Date of birth is JATINDRA NATH PAUL & D.O.B is 01/01/1949 as per Affidavit dated 30.04.2025 executed before Notary Public, Delhi

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Gulab Devi** is owner of Shop admeasuring 31 Sq. yards, Khewat/Khata no. 735/769,Khasra no. 1139/2(0-4-0) waka moja Wazirabad, Tehsil Wazirabad, Distt. Gurugrm, Haryana vide Transfer Deed of Blood Relation dated 16.01.2025 Registered as Doc no. 19778 and intend to get the financial assistance from **SMFG India Home Finance Company Limited.** If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

I, SEFALI PAUL Mother of PRASANTA PAL residing at Saradapally, Madhyamgram, North 24 Parganas, West Bengal-700155 declare that My name and Date of birth wrongly written as SAFALI PAL & D.O.B 10/08/1949 in my Son's Army Service records but My correct name and Date of birth is SEFALI PAUL & D.O.B is 10/03/1949 as per Affidavit dated 30.04.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHIV KUMAR S/o YADU NANDAN RAY R/o 1660, GROUND FLOOR, J J COLONY PHASE-3, NEAR BY RAM LEELA PARK, MADANPUR KHADAR, SARITA VIHAR, DELHI-110076, declare that name of mine has been wrongly written as SHIV KUMAR RAY in my minor son namely RISHIKESH, aged 12 years, in his school record. The actual name of mine is SHIV KUMAR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NAVAL KISHORE S/O BRAHMA NAND residing at HOUSE NO-39, UPPER GROUND FLOOR, KH NO 64/13, BLOCK-P, BUDH VIHAR PHASE-1, DELHI-110086 have changed my name to NAWAL KISHOR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Bhagirathi D/O Mohan Singh Gajay Singh Bora W/O Hira Singh Khadhak Singh Rautela R/O H no 84, Gali no 1, Sainik Enclave Sector 2 Uttam Nagar Mohan Garden West Delhi 110059 Have changed my name to Bhagirathi Hira Singh Rautela for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Hira Singh S/O Khadhak Singh Bishan Singh Rautela R/O H no 84, Gali no 1, Sainik Enclave Sector 2 Uttam Nagar Mohan Garden West Delhi 110059 Have changed my name to Hira Singh Khadhak Singh Rautela for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Mr. Shiv Kumar Singh Sengar Owner of the Residential Flat bearing no. 502, on 5th Floor, situated in Group Housing Scheme " Gaurav Adhikari Sahkari Awas Samiti Ltd."at plot no C-58/6, Sector -62 ,Noida , Mr. Shiv Kumar Singh Sengar have lost Original Allotment letter dated 25.02.2003 issued by Gaurav Adhikari Sahkari Awas Samiti Ltd. In favour of Mr. Shiv Kumar Singh Sengar, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced Allotment letter aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off.: 438, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **इरशाद उर्फ कट्टा, पुत्रः शौकत, पताः म. नं. 10, नई बस्ती, जगतपुरा, रशीद गेट, लोनी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 7292/2019, U/s 379/34 IPC, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **इरशाद उर्फ कट्टा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **इरशाद उर्फ कट्टा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 7292/2019, U/s 379/34 IPC, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अभियुक्त **इरशाद उर्फ कट्टा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.06.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाली राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
शाहदरा, कमरा नं. 19
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/5876/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) मुनीश पुत्र** मुकुट सिंह **निवासीः** ग्राम–सिमरी, थाना–गुन्नौर, जिला–भीम नगर (उ.प्र.), **(2) श्योराज पुत्र** लखमी चंद **निवासीः** ग्राम उमरा थाना–गुन्नौर, जिला–भीम नगर (उ.प्र.) और **(3) चरण सिंह पुत्र** कल्याण सिंह **निवासीः** ग्राम बेगरा, थाना–गुन्नौर, जिला–भीम नगर (उ.प्र.), ने **FIR No. 22451/2016, U/S 379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन नंद नगरी, उत्तर–पूर्व जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) मुनीश (2) श्योराज (3) चरण सिंह** मिल नहीं रहे है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) मुनीश (2) श्योराज (3) चरण सिंह** फरार हो गये है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 22451/2016, U/S 379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन नंद नगरी, उत्तर–पूर्व जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **(1) मुनीश (2) श्योराज (3) चरण सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.06.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाली राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03,
कमरा नं०–19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/5874/NE/2025
(Court Matter)

तावडू में रसायन कबाडे में फिर से लगी आग

तावडू। उपमंडल के गांव खोरी कला के वन क्षेत्र और पंचायती भूमि पर अवैध रूप से जलाए जाने वाले रसायन कबाड़ में गुरूवार को फिर से आग लग गई। जिसे फायर ब्रिगेड की गाडी ने मौके पर पहुंच काबू किया। इस वन क्षेत्र में इस तरह से कई बार आग लग चुकी है। जिसको लेकर गत दिनों जिला उपायुक्त कार्यालय से पत्र जारी कर पांच सदस्य कमेटी का गठन किया गया था। मंगलवार को टीम ने वन क्षेत्र का निरीक्षण किया। वहीं टीम ने रसायन कबाड हटाने का निर्णय लिया था। लेकिन यह कबाड़ किसी कारणवश नहीं हट पाया और इसमें फिर से आग लग गई। उल्लेखनीय है कि टीम में एसडीएम तावडू, जिला वन अधिकारी, डीएसपी तावडू और क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पांच सदस्यीय टीम गठित की गई थी। वर्षों से इस क्षेत्र में औद्योगिक नगरी भिवाड़ी, खुशखेड़ा, मानेसर और धारूहेड़ा से रसायन युक्त कबाड़ जलाकर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा था। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा था बल्कि वन्य जीव भी लुप्त होते जा रहे थे। कबाड़ जलाने के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा था। बहुत से लोगों में दमे और त्वचा संबंधित बीमारियां भी बढ़ने लगी थी।

यातायात जागरूकता पाठशाला आयोजित करके ऑटो/टैक्सी चालकों को किया जागरूक

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात डा. राजेश मोहन के निर्देशन में कार्य करते हुए सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/हाईवे सत्यपाल यादव की देखरेख में यातायात निरीक्षक नीरज कुमार, यातायात निरीक्षक करण सिंह, यातायात पुलिस कर्मचारीयो और रवि शर्मा हीरो मोटोकॉर्प द्वारा सडक़ सुरक्षा जीवन रक्षा के तहत क्राउन प्लाजा स्थित हीरो पार्क में यातायात नियमों की जागरूकता पाठशाला को दोनों दिन लगातार जागरूकता पाठशाला लगाई गई। इस ट्रैफिक पार्क में यातायात नियमों, यातायात चिन्हों के बारे जागरूकता लाने के लिए अलग-अलग स्कूलों के छात्र,ऑटो /ई रिक्शा/टैक्सी चालक लाए जाते हैं और उनको यातायात नियमों बारे निरन्तर जागरूक किया जा रहा है। 7 मई को इस ट्रैफिक पार्क में 22 ऑटो/टैक्सी चालकों और वीरवार को 25 ऑटो/ टैक्सी चालकों को यातायात नियमों और यातायात चिन्हों बारे जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान मौजूद कुल 47 ऑटो/टैक्सी चालकों को यातायात नियमों जैसे दुपहिया वाहन चालक हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें ,वाहन चलाते समय किसी भी प्रकार का नशा ना करें, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें, रॉन्ग साइड ड्राइविंग ना करें, लेन ड्राइविंग करें आदि यातायात नियमों बारे जानकारी दी गई। टैक्सी चालकों को सवारियों के साथ मधुर व सभ्यता के साथ व्यवहार करने बारे प्रेरित किया गया, ताकि सफर के दौरान यात्री और अधिक सुरक्षित महसूस करें।

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से दिया जा रहा ऋण

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ओर से अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को, जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, बीपीएल परिवार को अपना स्वयं रोजगार स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। डीसी अजय कुमार ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योजना का लाभ उन पात्र परिवारों को मिलेगा जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 1 लाख 80 हजार रुपये (परिवार पहचान पत्र अनुसार) से अधिक न हो, को बैंकों के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपये तक का ऋण पशु पालन, किरयाना दुकान, मनियारी दुकान, ब्यूटी पार्लर, ई-रिक्शा, सूअर पालन या अन्य कोई लाभप्रद योजना इत्यादि के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। डीसी ने बताया कि निगम द्वारा कुल लागत का 50 प्रतिशत (अधिकतम 10 हजार रुपये तक का अनुदान व 10 प्रतिशत मार्जिन मनी 4 प्रतिशत वार्षिक व्याज दर पर उपलब्ध करवाया जाता है तथा बकाया ऋण बैंकों द्वारा दिया जाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कल होगा लंबित मामलों का होगा समाधान : रमेश चंद्र

गुरुग्राम। अदालतों में सालों से लंबित पड़े मामलों को जल्दी और आपसी सहमति से निपटाने की दिशा में एक और पहल करते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 10 मई को गुरुग्राम में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। गुरुग्राम के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर के साथ ही पटोदी और सोहना के उपमंडल न्यायिक परिसरों में भी विशेष बेंच के माध्यम से 10 मई को मामलों का निपटारा किया जाएगा। इस अवसर पर वादकारी अपने मुकदमों को बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के, समझौते के ज़रिए सुलझा सकते हैं। वे खुद या अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से अदालत में पेश होकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव रमेश चंद्र ने बताया कि इस लोक अदालत का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों को आपसी समझदारी और सौहार्दपूर्ण माहौल में निपटाना है। उन्होंने बताया कि ऐसे मामले जिनमें दोनों पक्ष किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं, लोक अदालत उनके लिए एक बेहतरीन मंच है।

नूंह जिले में एक साल में बाल विवाह की मिली 32 शिकायत : मधु जैन

जिलावासियों को बाल विवाह के प्रति समय-समय पर किया जा रहा है जागरूक

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले में बाल विवाह रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार और प्रशासन द्वारा लगातार अपनी हर कोशिश की जा रही, जिससे मेवात जिले में बाल विवाह रुक सके। लेकिन नूंह जिले की बात करे तो अप्रैल 2024 से अप्रैल 2025 तक एक साल के अंदर 32 बाल विवाह की शिकायते विभाग को मिली है। जिन पर कार्रवाई करते हुए बाल विवाह को रुकवाने के साथ साथ कुछ शिकायतों पर मुकदमा भी दर्ज किए गए हैं। नूंह जिले की महिला एवं बाल संरक्षण अधिकारी मधु जैन ने बताया कि उन्हें जो भी शिकायत मिली है उन लगातार कार्रवाई की गई है और समय-समय पर लोगों को जागरूक करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह पर काम कर रही एम डीडी ऑफ इंडिया शक्ति वाहिनी टीम जैसी अन्य

संस्थाएं काफी समय से नूंह जिले में काम कर रही है। अगर पहले साल 2022 व 2023 में बाल विवाह की सख्या ज्यादा थी। लेकिन अभी भी नूंह जिले में बाल विवाह कराया जा रहा है। नूंह जिले में अभी भी बाल विवाह को लेकर जागरूकता चलाया जा रहा है। मेवात के लोगों को इसके प्रति जागरुक होने की जरूरत है, अगर ऐसा नहीं हुआ तो बाल विवाह मुक्त मेवात नहीं हो सकता है। आपको बता दें कि नूंह जिले के खंड तावडू, फिरोजपुर झिरका, पुनहाना, नगीना, जैसे ब्लॉक में अभी भी बाल विवाह हो रहे हैं। कुछ हद तक बाल विवाह रुके है और पहले गांव के लोग बाल विवाह की शिकायत नहीं करते थे। लेकिन अब गांव के लोग बाल विवाह होने की जानकारी देते हैं। मेवात से बाल विवाह खत्म करने के लिए अभी कुछ समय ओर मेहनत करनी की जरूरत है। तभी जाकर बाल विवाह मुक्त भारत होगा। मेवात जैसे जिले में एम डीडी ऑफ इंडिया शक्ति वाहिनी जैसी संस्था को नूंह जिले में बाल विवाह पर अभी ओर मेहनत करने की जरूरत है। आपको बता दें कि मेवात जिला में 12 साल से लेकर 17 साल तक के बच्चो की शादी करा दी जाती है। मेवात में अभी भी लोगों में जागरूकता की कमी है। जिसमें एम डीडी ऑफ इंडिया शक्ति वाहिनी को अभी भी नूंह जिले में ओर काम करने की जरूरत है जिससे बाल विवाह मुक्त भारत हो सके।

निगमायुक्त ने नरसिंहपुर क्षेत्र का दौरा कर मानसून तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने वीरवार को नरसिंहपुर क्षेत्र का दौरा कर आगामी मानसून सत्र को देखते हुए जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को रोकने के लिए पूर्व तैयारियों में कोई कोताही न बरती जाए। दहिया ने कहा कि बरसात के पानी की त्वरित निकासी के लिए अतिरिक्त वाटर लाइन और पंप की व्यवस्था पर कार्य किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाए और सभी जरूरी उपाय समय से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं। निरीक्षण के दौरान नगर निगम गुरुग्राम के चीफ इंजीनियर विजय ढ़ाका, जीएमडीए के अधीक्षण अभियंता सुधीर, कार्यकारी अभियंता संजीव कुमार एवं सहायक अभियंता प्रेमसिंह उपस्थित रहे। निगमायुक्त ने यह भी कहा कि नगर निगम की फील्ड टीमें मानसून से पहले सक्रिय रूप से कार्य प्रारंभ करें और किसी भी आपात स्थिति के लिए आवश्यक संसाधन व उपकरण तैयार रखें।

अवैध कॉलोनियों में ना करें कोई निर्माण, विभाग द्वारा की जाएगी कार्रवाई : डीटीपी

इंद्री में 2 अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

एजेंसी

करनाल। जिला नगर योजनाकार सतीश कुमार ने बताया कि गत दिवस इंद्री में 2 अवैध कॉलोनियों के विरूद्ध तोडफोड की कार्रवाई की गई।

उन्होंने बताया कि पहली अवैध कॉलोनी मुरादगढ रोड पर इंद्रगढ गांव पर स्थित जिसमें सभी कच्ची सड़कों एवं 2 डी.पी.सी. के के विरूद्ध तोडफोड की जो कि लगभग 4 एकड़ में स्थित। इसी प्रकार से दूसरी अवैध कॉलोनी जो कि मुरादगढ रोड पर मटक माजरी गांव में जोकि 4 एकड़ में स्थित है। जिसमें सभी कच्ची सडक़ों के विरूद्ध तोडफोड की कार्यवाही की गई। जिला नगर योजनाकार ने लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोडफोड की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा

कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माणों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोडफोड की कार्यवाही जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करवाये जायेंगे।

मंत्री अनिल विज की अनुशंसा पर एसडीओ/ओपी अवनीत भारद्वाज, सब डिवीजन,डीएचबीवीएनएल,फरुखनगर को तुरंत प्रभाव से किया गया निलंबित

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक द्वारा जारी हुए आदेश

निलंबन के दौरान अवनीत भारद्वाज का मुख्यालय हिसार होगा, प्रत्येक कार्य दिवस पर लगानी होगी हाजिरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज की अनुशंसा पर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने अवनीत भारद्वाज, एसडीओ/ओपी सब डिवीजन, डीएचबीवीएनएल, फरुखनगर, गुरुग्राम को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं।

इन आदेशों के तहत बताया गया है कि अवनीत भारद्वाज को एसडीओ/ओपी सब डिवीजन, डीएचबीवीएनएल, फरुखनगर के रूप में उनके गैर-प्रदर्शन और नियंत्रण की कमी के कारण डीएचबीवीएनएल कर्मचारी (दंड और अपील) विनियम-2019 के

विनियमन -7 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही के मद्देनजर तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलम्बन के दौरान इस अधिकारी का मुख्यालय एसई/ओपी सर्कल, डीएचबीवीएनएल, हिसार के कार्यालय में निर्धारित किया गया है, जहां वे प्रत्येक कार्य दिवस पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इसके अलावा, निलम्बन अवधि के दौरान, अवनीत भारद्वाज को हरियाणा सिविल सेवाएं (सामान्य) नियम-2016 के नियम-83 के अन्तर्गत देय निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गत दिनों ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने एक रिपोर्ट के आधार पर अवनीत भारद्वाज के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए तुरंत प्रभाव से निलंबित करने की अनुशंसा की थी, जिस पर यह कार्रवाई की गई है।

डिजिटल युग में सुरक्षा के प्रति सचेत रहना बहुत जरूरी : इंदु सपरा

एजेंसी

रोहतक। लाखनमाजरा स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में साइबर क्राइम विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइबर विशेषज्ञ प्रवीण कुमार ने छात्रों को साइबर अपराधों के जैसे कि फिशिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर बुलीइंग, डाटा हैकिंग आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज

के डिजिटल युग में सुरक्षा के प्रति सचेत रहना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर प्राचार्य इंदु सपरा ने कहा कि ऐसी शैक्षणिक गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सजग करना और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की जानकारी देना था। व्याख्यान के पश्चात प्रश्न-उत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़ी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। इस अवसर पर डॉ. मनीषा, पूजा, जोगेंद्र ने भी अपने विचार सांझा किये ।

विजिलेंस ब्यूरो ने रिश्वत मामले में फरार मीटर रीडर को किया गिरफ्तार

एजेंसी

फिरोजपुर। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान बुधवार को रिश्वतखोरी के मामले में फरार चल रहे पावरकॉम के मीटर रीडर प्रितपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। वह पटियाला जिले के गांव खेड़ी मन्निया का निवासी है। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए राज्य चौकसी ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपियों के विरुद्ध दिनांक 19.09.2024 को ब्यूरो के पटियाला रेंज पुलिस स्टेशन में एफआईआर नंबर 42 के अंतर्गत भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आगे बताया कि पटियाला शहर के एक शिकायतकर्ता ने पीएसपीसीएल कार्यालय, पटियाला में तैनात उक्त आरोपी प्रितपाल सिंह के खिलाफ मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार निरोधक कार्रवाई लाइन पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उक्त मीटर रीडर ने शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसके घर में निजी बिजली मीटर लगा हुआ था, लेकिन सौदा 25,000 रुपये में तय हुआ था। प्रवक्ता ने बताया कि यह बिजली कर्मचारी आठ महीने से गिरफ्तारी से बच रहा था ।

समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनी जनसमस्याएं, कई मामलों का मौके पर हुआ समाधान

एजेंसी

महेंद्रगढ़। पायुक्त डा. विवेक भारती के मार्गदर्शन में वीरवार को लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम अनिल कुमार यादव ने आम नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। एसडीएम ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शिविर में उपमंडल के विभिन्न गांवों से आए नागरिकों ने परिवार पहचान पत्र (पीपीपी आईडी), वृद्धावस्था पेंशन, आवास योजना, पीने के पानी की समस्या व राजस्व विभाग से संबंधित अनेक समस्याएं रखीं। शिविर में कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से अधिकतर का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति हेतु समय-सीमा तय की गई। एसडीएम ने कहा कि जन शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी समाधान हेतु ऐसे शिविर बेहद प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं।

प्रशासन का प्रयास है कि हर नागरिक को सुनवाई और समाधान का अवसर मिले ताकि जनता का भरोसा बना रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए तथा प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी समय पर

दी जाए। उन्होंने यह भी बताया कि उपमंडल में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों को इन शिविरों का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें अपनी समस्याएं सीधे उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है। इससे संवाद की प्रक्रिया सशक्त हो रही है और शिकायतों का समाधान भी तेजी से हो रहा है।

समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना: नगराधीश

एजेंसी

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार सोमवार व वीरवार को जिला व उप मंडल स्तर पर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में आज लघु सचिवालय में नगराधीश मंजीत कुमार ने आमजन की शिकायतें

सुनी। समाधान शिविर में कुल 45 शिकायतें आई। नगराधीश मंजीत कुमार ने कहा कि इन समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में जो भी शिकायतें आती हैं उनका मौके पर ही समाधान करें। इस मौके डीएसपी हरदीप के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिले में गाड़ियों के शीशों पर ब्लैक फिल्म या जाली लगाई तो होगी कार्रवाई : राजेश कुमार

एजेंसी

नूंह। नूंह पुलिस कप्तान राजेश कुमार ने वाहन चालकों को संदेश देते हुए कहा है कि गाड़ियों के काले शीशे करवाना या उस पर किसी तरह की जाली लगाना यातायात के नियमों का उल्लंघन है और साथ ही गैरकानूनी भी है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों के अनुसार कार के शीशों पर जीरो विजिबिलिटी वाली ब्लैक फिल्म लगाने पर 10 हजार रुपए के चालान करने का प्रावधान है। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति अपनी गाड़ी के शीशों में काली फिल्म नहीं लगा सकता । काला शीशा लगे वाहन के अंदर कौन है, इसका पता न तो पुलिस को चल पाता है और न ही जनता को, काले शीशा लगे वाहनों का उपयोग अक्सर आपराधिक गतिविधियों के लिए होता आया है और इस प्रकार की गाड़ियों से हत्या, अपहरण जैसी अन्य वारदातों को भी अंजाम दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोग अपनी पहचान छिपाने के लिए ऐसे वाहनों का उपयोग करते हैं। इसलिये ब्लैक फिल्म या जाली वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। जिला नूंह में ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ संबंधित थाना पुलिस भी ऐसे वाहनों पर कार्रवाई करेगी। एसपी राजेश कुमार ने बताया कि जिला ट्रैफिक पुलिस को ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं जो इस तरह की काली फिल्म लगाकर कानून का पालन नही करते हैं। उन्होंने बताया कि अगर किसी भी वाहन पर प्रतिबंधित फिल्म पाई गई तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

आपात स्थिति में तैयारियों को लेकर सीएमओ ने की सभी निजी व सरकारी अस्पतालों संग बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए डीसी अजय कुमार के दिशा निर्देशन में जिला स्वास्थ्य विभाग ने आपात स्थिति को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी संदर्भ में सिविल सर्जन डॉ अल्का सिंह ने वीरवार को जिला के सभी सरकारी व निजी अस्पताल के पदाधिकारियों संग बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। डॉ अल्का सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को त्वरित और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जाए, इसके लिए सभी संसाधनों को तैयार अवस्था में रखा जाए। उन्होंने सभी अस्पतालों को निर्देशित किया कि दवाइयों, रक्त की उपलब्धता, एम्बुलेंस, ऑक्सीजन सप्लाई, और चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आपातकालीन स्थिति के दौरान स्वास्थ्य विभाग का कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी जिला मुख्यालय नहीं छोड़ेगा और आवश्यकता पडऩे पर 24×7 सेवाएं देने के लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की ओर से सभी चीफ मेडिकल आफिसर को पत्र जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि आपके अधीन आने वाले अधिकारी व कर्मचारी बिना मंजूरी के जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकते हैं और न ही अवकाश पर जा सकते हैं। किसी भी प्रकार का आदेश आगामी आदेशों तक मंजूर नहीं किया जाएगा। अगर किसी को इमरजेंसी में अवकाश लेना है तो महानिदेशक की मंजूरी के बिना नहीं दिया जाएगा। उन्होंने निजी अस्पतालों से भी आह्वान किया कि वे इन निर्देशों की अपने संस्थान में पालना सुनिश्चित करें। सीएमओ ने बैठक में सभी अस्पतालों से किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए 20 फीसदी बेड रिजर्व रखने के निर्देश दिए हैं।

भूटान और अडानी समूह के बीच 5000 मेगावाट जलविद्युत विकास के लिए समझौता

थिम्पू/नई दिल्ली। भूटान सरकार और अडानी समूह ने देश की जलविद्युत क्षमता को प्रोत्साहन देने और क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से 5000 मेगावाट की जलविद्युत और पंप स्टोरेज परियोजनाओं के संयुक्त विकास के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी भूटान के वर्ष 2040 नवीकरणीय ऊर्जा रोडमैप के अनुरूप है और भारत-भूटान ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ करती है। इस समझौते पर ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन और अडानी ग्रीन हाइड्रो लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी (पीएसपी और हाइड्रो) नरेश तेलगु ने थिम्पू में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे, ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री ल्योनपो जेम शेरिंग और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह साझेदारी पहले से प्रगति पर चल रही 570/900 मेगावाट वांगचू जलविद्युत परियोजना पर आधारित है, जिसमें डीजीपीसी की 51 प्रतिशत और अडानी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा अब 5000 मेगावाट की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई साइटों की पहचान, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी और चरणबद्ध कार्यान्वयन किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर ट्रेड मार्क की अर्जी भूल से थी, वापस ले ली गयी : रिलायंस

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को समूह की किसी इकाई के ट्रेड मार्क के रूप में दर्ज करने का उसका कोई इरादा नहीं है और इस संबंध में भूल से लगायी गयी अर्जी वापस ले ली गयी है। रिलायंस की ओर से जारी एक बयान में आज कहा गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की जनभावनना से जुड़ गया है और यह देश की बहादूरी का प्रतीक बन गया है।कंपनी ने कहा कि समूह की कंपनी जियो स्टूडियोज के एक कनिष्ट कर्मचारी ने बिना अनुमति के ट्रेड मार्क के लिए आवेदन कर दिया था, जिसे वापस ले लिया गया है। बयान में कहा गया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इसके सभी हितधारकों को पहलगाम में पर्यटकों पर पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों के हमले के जवाब में भारतीय सैन्य बलों के अभियान (ऑपरेशन सिंदूर) पर असीम गर्व है। यह अभियान हमारे सशस्त्र बलों की गौरवपूर्ण उपलब्धि है और आतंकवाद के प्रति भारत के अडिग संघर्ष का प्रतीक है।

जिंदल स्टेनलेस का अंतिम तिमाही में शुद्ध लाभ 94.32 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 925 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 476 करोड़ रुपये की तुलना में 94.32 प्रतिशत अधिक है।कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक के बाद उसके प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा कि मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 10786 करोड़ रुपये रहा है जो मार्च 2024 में समाप्त तिमाही के 9521 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 13.28 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि मार्च 2025 में समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी का एकल शुद्ध लाभ 2711 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 2531 करोड़ रुपये की तुलना में 7.12 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में समाप्त वित्त वर्ष में कुल राजस्व 40182 करोड़ रुपये रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 38356 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 4.76 प्रतिशत अधिक है। श्री जिंदल ने कहा ÷पिछला वित्तीय वर्ष हमारे लिए एक अहम साल रहा, जिसने हमारे घरेलू बाज़ार में मज़बूत स्थिति बनाने और हमारी आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने के लक्ष्य को पूरा किया। इंडोनेशिया में हमारी एनपीआई सुविधा का जल्दी चालू होना, क्रोमेनी स्टील्स का पूरी तरह अधिग्रहण करना और एम1एक्सचेंज में हमारा निवेश, इन सभी ने हमारे व्यापार को मज़बूत किया है। एम1 एक्सचेंज में हिस्सेदारी ने कच्चे माल की सुरक्षा, उत्पादों में विविधता और डिजिटल नेतृत्व में एक बड़ा कदम उठाने में मदद की। जैसे-जैसे हम ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल बढ़ाते हैं।

7.85 करोड़ की जीएसटी आईटीसी धोखाधड़ी का भंडाफोड़ ; चार्टर्ड अकाउंटेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) धोखाधड़ी पर एक बड़ी कार्रवाई में सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय ने दक्षिण दिल्ली में लगभग 7.85 करोड़ रुपये की राशि के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों से जुड़ी धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुये एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने यहां जारी बयान में कहा कि इस मामले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 69(1) के तहत गिरफ्तार किया गया और 07 मई 2025 को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उसे 21 मई 2025 तक 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जांच में 80 से अधिक जीएसटीआईएन (वस्तु एवं सेवा कर पहचान संख्या) का दुरुपयोग पाया गया, जो मुख्य रूप से पालम/द्वारका क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट के ईमेल आईडी और संपर्क नंबरों से जुड़े थे। सर्कुलर ट्रेडिंग में लगे 31 जीएसटीआईएन के एक मुख्य समूह की पहचान की गई, जिसमें वस्तुओं या सेवाओं की कोई वास्तविक आपूर्ति नहीं थी।

जीएसटी घोटाले में 800 करोड़ की हेराफेरी

पश्चिम बंगाल और झारखंड में ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल और झारखंड में जीएसटी इनवॉइस घोटाले की जांच के तहत एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की। रांची, जमशेदपुर और कोलकाता में कुल नौ जगहों पर हुई इस कार्रवाई में फर्जी बिलों के जरिए 800 करोड़ रुपये से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ है।ईडी को शक है कि आरोपित शिवकुमार देवड़ा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता ने मिलकर करीब 14 हजार 325 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस जारी किए और उसका फायदा उठाकर सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया। सुमित और अमित गुप्ता के दफ्तर कोलकाता में मौजूद हैं, जहां तलाशी अभियान चलाया गया है।इस घोटाले से संबंधित जमशेदपुर के जुगसलाई निवासी व्यवसायी विक्की भालोटिया के घर पर भी ईडी की दबिश पड़ी। इससे पहले इसी प्रकरण में बबलू

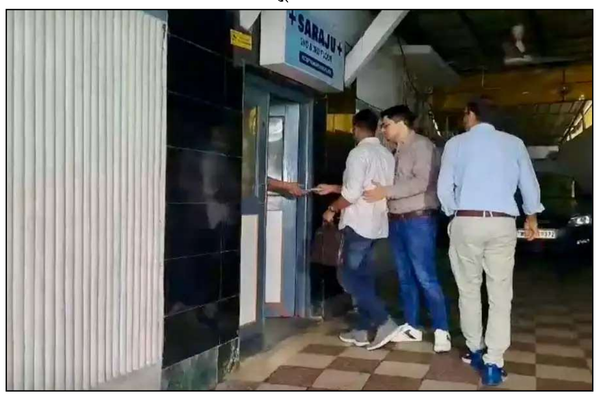

जायसवाल का नाम भी सामने आ चुका है, जो पहले से ईडी के निशाने पर हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी एक संगठित रैकेट का हिस्सा थे जो सैकड़ों फर्जी कंपनियों के नाम पर कागजी लेन-देन कर रहे थे।

पैसे को रियल एस्टेट और शैल कंपनियों में लगाया गयाईडी के एक शीर्ष अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घोटाले से कमाई गई भारी रकम को रियल एस्टेट, नकद लेनदेन, शैल कंपनियों और विदेशी खातों में लगाया गया है। कई संपत्तियां भी चिन्हित की गई हैं जिन्हें मामूली मूल्य पर दिखाया गया है, जबकि उनकी वास्तविक कीमत करोड़ों में है। ईडी अब इन संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया में है। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के तहत व्यापारी अपने खरीदे गए सामान या सेवाओं पर चुकाए टैक्स को आगे बिक्री पर चुकाए टैक्स से समायोजित कर सकते हैं। लेकिन इस मामले में आरोपितों ने ऐसा दिखाया जैसे उन्होंने भारी मात्रा में सामान खरीदा और टैक्स चुकाया, जबकि कोई वास्तविक लेनदेन हुआ ही नहीं। इस तरह फर्जी बिलों के जरिए टैक्स रिफंड का दावा किया गया। ईडी ने छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में दस्तावेज, डिजिटल डेटा और बैंक विवरण जब्त किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस घोटाले में कई अन्य कारोबारी और बिचौलियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

स्टार्टअप इकाइयों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के तहत गारंटी की सीमा दोगुनी की गयी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने स्टार्टअप इकाइयों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसएस) में गारंटी की सीमा का विस्तार कर दोगुना करने की अधिसूचना जारी कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने योजना के तहत प्रति उधारकर्ता गारंटी कवर की सीमा को दस करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया है ऋण चूक की दशा में 10 करोड़ रुपये तक की ऋण राशि के लिए गारंटी कवर की सीमा भी बढ़ाकर चूक की राशि के 85 प्रतिशत तक तथा 10 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण राशि के लिए 75 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा 27 चैंपियन क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के लिए वार्षिक गारंटी शुल्क (एजीएफ) को दो प्रतिशत से घटा कर एक प्रतिशत कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि

विनिर्माण और सेवा क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत इन चैंपियन क्षेत्रों की पहचान की गई है। सरकार का मानना है कि चैंपियन क्षेत्रों के लिए एजीएफ में कटौती से पहचाने गए क्षेत्रों के लिए वित्तपोषण अधिक आकर्षक हो जाएगा तथा घरेलू विनिर्माण और आत्मनिर्भरता में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

मप्र सरकार का बड़ा फैसला, कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर हुआ 55 प्रतिशत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 प्रतिशत कर दिया है। इसी माह से राज्य के सभी कर्मचारियों को इसी मई के माह से ही केन्द्र के कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता मिलेगा। इस संबंध में गुरुवार देर शाम राज्य शासन ने आदेश जारी किया है। इसका फायदा कर्मचारियों के साथ ही पेंशनर्स को भी मिलेगा। इसके अलावा छठवां वेतनमान पा रहे कर्मचारियों के भी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के आदेश जारी किए गए हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसी महीने महंगाई भत्ता बढ़ाकर 55 फीसदी करने की घोषणा की थी। पिछली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी गई थी। कैबिनेट के फैसले के बाद वित्त विभाग ने शासकीय सेवकों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि का आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार, सातवें वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों को वर्तमान 50 फीसदी महंगाई भत्ते के स्थान पर दो चरणों में बढ़ा हुआ भत्ता मिलेगा। एक जुलाई 2024 से महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़कर 53 फीसदी किया गया है, जिसका

भुगतान अगस्त 2024 के वेतन में होगा। इसी तरह एक जनवरी 2025 से इसमें और दो प्रतिशत की वृद्धि कर इसे कुल 55 फीसदी कर दिया जाएगा, जिसका भुगतान फरवरी 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

मई 2025 से मिलेगा लाभ, एरियर पांच किश्तों में

राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस वृद्धि का वास्तविक लाभ 1 मई 2025 से दिया जाएगा और 1 जुलाई 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून से अक्टूबर 2025 के बीच पांच किश्तों में किया जाएगा।

सेवानिवृत्त व दिवंगत कर्मियों को एकमुश्त भुगतान

1 जुलाई 2024 से 31 मई 2025 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके शासकीय कर्मचारियों को एरियर की पूरी राशि का एकमुश्त भुगतान किया जायेगा। इसी तरह एक जुलाई 2024 से 31 मई 2025 की अवधि में मृत कर्मचारियों के परिजनों को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी। वहीं, एक अन्य निर्देश में कहा गया है कि 50 पैसे या उससे अधिक की राशि को अगले पूर्णांक रुपये में पूर्णांकित किया जाएगा। महंगाई भत्ते का कोई भी भाग वेतन के रूप में नहीं माना जाएगा। इस भुगतान का व्यय संबंधित विभाग के चालू वित्तीय वर्ष के स्वीकृत बजट प्रावधान से अधिक नहीं होना चाहिए।

भारत और चिली ने सीईपीए पर वार्ता के लिए संदर्भ शर्तों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और चिली ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए आधिकारिक तौर पर संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए हैं। ये आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम है। इस ऐतिहासिक कदम को इन दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर भारत में चिली के राजदूत जुआन अंगुलो और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव और भारतीय पक्ष की ओर से भारत-चिली सीईपीए के मुख्य वार्ताकार विमल आनंद ने विधिवत हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को दोहराया और 26 से 30 मई, 2025 को नई दिल्ली में होने वाली पहली वार्ता के दौरान सार्थक चर्चा के प्रति आशा व्यक्त की। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल सेवाओं, निवेश साझा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चस्तरीय यात्राओं के आदान-प्रदान से द्विपक्षीय संबंध निरंतर रूप से मजबूत हुए हैं। जनवरी, 2005 में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग

प्रोत्साहन एवं सहयोग, एमएसएमई, महत्वपूर्ण खनिजों आदि सहित कई क्षेत्रों को शामिल करना है, जिससे आर्थिक एकीकरण और सहयोग बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और चिली रणनीतिक साझेदार और करीबी सहयोगी हैं। दोनों देश उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध पर एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, उसके बाद मार्च, 2006 में अधिमान्य व्यापार समझौते (पीटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। तब से भारत और चिली के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध मजबूत बने हुए हैं और निरंतर प्रगति की दिशा में अग्रसर हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में बिहार का देश में तीसरा स्थान

एजेंसी

पटना। बिहार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना (पीएमईजीपी) के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस योजना के क्रियान्वयन में देश में बिहार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। पहले स्थान पर जम्मू-कश्मीर और दूसरे स्थान पर तमिलनाडु है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेशभर से 35 हजार 406 लोन लेने के लिए आवेदन आए। इन आवेदनों को उद्योग विभाग की तरफ से बैंक को भेजे गए, जिनमें 8 हजार 77 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत किए गए इन आवेदनों के अंतर्गत 14 हजार 899 लाख रुपये की राशि स्वीकृति प्रदान की गई है।

बिहार को पीएमईजीपी आवेदनों की जांच स्वीकृति प्रदान करने में देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि आवेदन स्वीकृति के मामले में राज्य तीसरे स्थान पर रहा। सबसे खास बात यह रही कि बिहार ने 115 प्रतिशत की सैंक्शन दर हासिल की है, जो योजना के सफल क्रियान्वयन

को दर्शाता है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत उन्हें स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए 20 लाख से 50 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना में आवेदन करने के लिए व्यक्ति की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। आवेदनकर्ता की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास होनी चाहिए। वैसे युवा इस योजना के पात्र नहीं होंगे, जिन्होंने पूर्व में किसी सरकारी ऋण सब्सिडी का लाभ प्राप्त किया हो। इस योजना का लाभ नए प्रोजेक्ट के तहत ही खासतौर से लिया जाता है। पहले से चल रही परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत सामान्य कोटि के लाभार्थियों को शहरी क्षेत्र में 15 प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र में 25 प्रतिशत के अनुदान लाभ मिलता है। आरक्षित वर्ग जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, महिला, अल्पसंख्यक एवं दिव्यांगजनों को शहरी क्षेत्र में 25 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र में 35 प्रतिशत तक का लाभ दिया जाता है।

इस बाबत प्रदेश के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि पीएमईजीपी योजना के क्रियान्वयन में बिहार का देश में तीसरा स्थान आना गर्व की बात है। साथ ही यह इस बात का भी परिचायक है कि राज्य के युवा बड़ी संख्या में इससे लाभ प्राप्त करके स्वरोजगार को अपना रहे हैं। युवाओं को स्वालंबी बनाते हुए रोजगार मुहैया कराने में यह बेहद कारगर साबित हो रहा है।

एलएंडटी का तिमाही मुनाफा 22.6 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। बुनियादी ढांचा समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 5003.54 करोड़ रुपये के मुकाबले 22.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 6133.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 6133.44 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही के 5003.54 करोड़ रुपये से 22.6 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 68120.42 करोड़ रुपये से 10.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 75527.33 करोड़ रुपये हो गई। इस दौरान उसके कुल व्यय में भी 10.2 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 61792.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 67988.09 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में उसे 17687.39 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 15569.72 करोड़ रुपये के मुकाबले 13.6 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 225270.94 करोड़ रुपये से 15.4 प्रतिशत बढ़कर 259859.27 करोड़ रुपये हो गई। इसी तरह इस अवधि में उसका कुल व्यय भी 204847.44 करोड़ रुपये से 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 236755.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलएंडटी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) एस. एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा, वर्ष का समापन शानदार तरीके से हुआ, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन की एक और अवधि को दर्शाता है।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत को लेकर अफवाहें निराधार, इंडियन ऑयल ने कहा-देशभर में ईंधन की कोई कमी नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते देशभर में सुरक्षा को लेकर चिंता गहराती जा रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर पेट्रोल, डीजल और गैस की संभावित कमी को लेकर अफवाहों ने लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया। कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गईं। ऐसे में देश की अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने सामने आकर स्थिति स्पष्ट की है। कंपनी ने लोगों से अपील की है कि घबराएं नहीं, क्योंकि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और सप्लाई पूरी तरह सामान्य है।

इंडियन ऑयल का भरोसा: 'पूरे देश में भरपूर स्टॉक मौजूद'

इंडियन ऑयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म -(पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से एक संदेश जारी कर

कहा कि, 'हमारे पास देशभर में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का स्टॉक उपलब्ध है। सप्लाई चैन पूरी तरह से सक्रिय है और सभी आउटलेट्स सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं।'कंपनी ने जनता से अपील की कि घबराकर ईंधन की खरीद न करें, क्योंकि इससे अनावश्यक भीड़ और आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव बनता है। यदि लोग संयम बरतें और जरूरत अनुसार ही ईंधन लें, तो हम सभी को बिना रुकावट सेवाएं दे सकते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं लंबी कतारें

बीते 24 घंटों में सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाहों में दावा किया जा रहा था कि जल्द ही पेट्रोल और गैस की सप्लाई बाधित हो सकती है। कुछ वीडियो में लोगों को पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों में खड़े देखा गया। यह स्थिति उस वक्त उत्पन्न हुई जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। हालांकि इंडियन ऑयल की ओर से आए इस स्पष्टीकरण के बाद स्थिति काफी हद तक साफ हो गई है और अब पैनिक बाइंग की कोई वजह नहीं बचती। इंडियन ऑयल न सिर्फ एक तेल कंपनी है, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ है। इसकी क्षमता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसे भारत सरकार द्वारा 'महारत्न' का दर्जा प्राप्त है। देश में कुल 19 रिफाइनरियों में से 10 IOC के पास हैं, और इसका पेट्रोलियम मार्केट में हिस्सा करीब 47फीसदी है, जबकि तेल रिफाइनिंग में 40फीसदी। इस विशाल नेटवर्क के बल पर कंपनी पूरे देश में निर्बाध रूप से ईंधन और एलपीजी की आपूर्ति कर रही है।

देश वर्तमान में एक संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, लेकिन ऐसे में अफवाहों से डरकर नहीं, बल्कि तथ्य पर भरोसा कर, एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की आवश्यकता है। इंडियन ऑयल जैसी संस्थाएं पूरी क्षमता से काम कर रही हैं ताकि देश को ऊर्जा संकट से दूर रखा जा सके। ऐसे में जनता का संयम ही सबसे बड़ा सहयोग है।

भारत में एआई की वृद्धि के लिए 2030 तक 45 टीडब्ल्यूएच बिजली की जरूरत : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ने के साथ किफायती लागत , नवीकरणलीय ऊर्जा पर जोर और डेटा सेंटर के विकास के लिए एक रणनीतिक स्थान बनने के साथ ही वर्ष 2030 तक एआई की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 4 से 5 करोड़ वर्ग फुट रियल एस्टेट और 40 से 45 टेरावॉट बिजली की जरूरत होगी। डेलॉयट इंडिया द्वारा आज जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। इसमें कहा गया है कि भारत को वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने के लिए विशेष नीतिगत फैसले अहम होंगे। रिपोर्ट में विश्व में अग्रणी एआई रेडी ईकोसिस्टम के निर्माण के लिए भारत के लिए छह प्रमुख स्तंभो की पहचान की है। ये स्तंभ हैं रियल एस्टेट, बिजली, यूटिलिटीज इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, टैलेंट और पॉलिसी फ्रेमवर्क।

डेलॉयट इंडिया के पार्टनर एस अंजनी कुमार ने कहा, अगर भारत अपनी एआई क्षमताओं को बढ़ाना और इससे जुडी अपनी क्षमताओं को जानना चाहता है, तो इस क्षेत्र को समर्थन देने के लिए बेहतर नीतियों की जरूरत होगी। डेटा एनालिटिक्स और प्रोसेसिंग की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत को अपना एआई-रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना चाहिए।

रुपया 68 पैसे लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 68 पैसे लुढ़ककर 85.45 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 84.77 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 16 पैसे की मजबूती के साथ 84.61 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली की बदौलत 84.54 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली बढ़ने से यह 85.80 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 84.77 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 68 पैसे की गिरावट के साथ 85.45 रुपये प्रति डॉलर रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, भारत-पाकिस्तान सीमा पर हालिया तनाव के कारण रुपया विदेशी मुद्रा बाजार में भारी दबाव में आ गया है, जिससे इसमें भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने चेताया है कि यदि स्थिति और बिगड़ती है तो रुपया 86.00 रुपये प्रति डॉलर से 86.50 रुपये प्रति डॉलर के बीच के रिकॉर्ड निचले स्तरों की ओर गिर सकता है। पिछले 24 घंटों में सीमा पर ड्रोन हमलों और उनके जवाब में की गई सैन्य कार्रवाइयों की रिपोर्टों ने भू-राजनीतिक अनिश्चितता को गंभीर रूप से बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की भावना पर पड़ा है।

वर्ष 2024 में खाद्यान्न उत्पादन में 6.81 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में कुल खाद्यान्न क्षेत्र में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें चावल और मक्का में प्रमुख वृद्धि देखी गयी है। समान रूप से खरीफ 2024 में कुल खाद्यान्न उत्पादन में वर्ष 2023 के खरीफ उत्पादन की तुलना में 6.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें चावल, मक्का और ज्वार आदि फसलों में उच्च उत्पादन देखा गया है। नई दिल्ली के पूसा कैंपस स्थित अग्नि हॉल में पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-खरीफ 2025 अभियान में हुई चर्चा के साथ-साथ खरीफ की बुआई से पहले कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की तैयारियों व रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर सहित विभिन्न राज्यों से आए कृषि मंत्री भी उपस्थित रहे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि राज्यों के बेहतर प्रदर्शन, किसानों की मेहनत के कारण खरीफ के रकबे में

वृद्धि हुई है, वहीं खरीफ 2023-24 के दौरान चावल का क्षेत्रफल 40.73 मिलियन हेक्टेयर था, जो खरीफ 2024-25 में 43.42 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। चावल का उत्पादन खरीफ 2023-24 में 113.26 मिलियन टन था, जो खरीफ 2024-25 में 120.68 मिलियन टन हो गया है। इसी तरह खरीफ में 2023-24 के दौरान मक्का का क्षेत्रफल 8.33 मिलियन हेक्टेयर था, जो खरीफ 2024-25 में 8.44 मिलियन हेक्टेयर हो गया और मक्के का उत्पादन खरीफ 2023-24 में 22.25 मिलियन टन था, जो खरीफ 2024-25 में 24.81 मिलियन टन हो गया है। चौहान ने कहा कि लैब टू लैंड की नीति के तहत वैज्ञानिक और किसान साथ मिलकर काम करे, इसकी बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गेहूं, चावल हमारे यहां पर्याप्त मात्रा में होता है लेकिन दलहन और तिलहन का हमें आयात करना पड़ता है। भारत सरकार ने जो दलहन मिशन शुरू किया है उसे इम्प्लीमेंट करने की बात सम्मेलन में हुई है।

उत्पादन कैसे बढ़े, इस पर भी चर्चा और ऑइल सीड के उत्पादन को बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 33 राज्यों का वार्षिक एक्शन प्लान आ गया है। 7.78 लाख हेक्टेयर में 15,560 क्लस्टर बनाए जाएंगे और 10 हजार बायो रिसोर्स सेंटर बनाए जाएंगे। 16 प्राकृतिक खेती के केंद्रों की पहचान की गई है और 3,100 वैज्ञानिकों को किसान को मास्टर ट्रेनिंग के रूप में ट्रेन किया गया है। कम से कम 18 लाख किसान प्राकृतिक खेती की शुरुआत करें।

खीरे से सलाद ही नहीं बनाएं ये टेस्टी और हेल्दी रेसिपीज , सेहत संग मिलेगा स्वाद

गर्मियों के सुपरफूड खीरा सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है. ये शरीर को हाइड्रेट रखने, वजन कम करने और त्वचा को स्वस्थ्य रखने में मदद करता है. खीरे में फाइबर, विटामिन सी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, विटामिन के जैसे पोषक तत्व होते हैं. आपने खीरे को सलाद की तरह या दही के साथ खाया होगा पर क्या आपने कभी सोचा है कि खीरे से काफी टेस्टी और हेल्दी रेसीपीज भी बनाई जा सकती है.

गर्मियों के सुपरफूड खीरे में पर्याप्त मात्रा में पानी होता है जो शरीर को हाइड्रेट रखने में हेल्प करता है. इतना ही नहीं ये वजन कम करने में भी मदद करता है और इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आपकी त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाते हैं. खीरा फाइबर से भरपूर होता है जो पाचन में सुधार करता है. ये ब्लड प्रेशर को बैलेंस करने में मदद करता है.खीरा खाने के कई फायदे हैं जैसे कि इसे खाने से हार्ट हेल्थ दुरुस्त रहती है. इसमें विटामिन सी मिलते हैं जो त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं. स्मूद स्किन के लिए खीरे को सलाद की तरह या दही के साथ खाने से कई फायदे होते हैं. पर आप सलाद और रायते के अलावा इससे नई-नई तरह की रेसीपीज भी बना सकते हैं.

खीरे से झटपट बनाएं ये 5 रेसीपीज

खीरे केपकौड़े

खीरे की पकौड़ी बनाने के लिए ताजे खीरा ले उसे छीलकर कद्दूकस कर लें फिर कच्ची केरी को कद्दूकस कर लें. अब इसमें कुट्टू का आटा डालें फिर जीरा, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें. आप कढ़ाई में तेल चढ़ाएं तेल गर्म होने पर उसकी छोटी-छोटी पकौड़ी बनाकर फ्राई कर लें. फिर इसे पुदीना की चटनी के साथ सर्व करें.

खीरा कटलेट है स्वाद में लाजवाब

खीरा कटलेट बनाने के लिए खीरे को छान ले फिर उसको अच्छे से धो लें फिर इसको कद्दूकस कर लें फिर इसे ठंडा करदे फिर छीलकर घिस लें अब कुट्टू का आटा मिला दें. उसके बाद उसमें लाल मिर्च, नमक, हरी मिर्च सभी सामग्री मिलाएं उसके बाद फिर हरा धनिया काट लें फिर डो बनकर तैयार हो जाएगा. अब इसके एक लोई के बराबर मिश्रण लें इस मिश्रण को हाथ में ले और उसकी टिक्की बनाकर कढ़ाई में तेल चढ़ाएं तेल गर्म होने दें. फिर टिक्की को बनाकर तैयार कर लें और कढ़ाई में डालकर डीप फ्राई कर लें.

खीरा-आलू कटलट है स्वाद में जबरदस्त

खीरे को छीलकर कद्दूकस कर लें. फिर उबले आलू को मैश कर लेंगे फिर उसमें हरी मिर्च, अदरक और हरी धनिया को भी बारीक काट लेंगे. अब कद्दूकस करें खीरे को निचोड़ कर उसका पानी निकाल लें. अब अरारोट, जीरा, नींबू का रस और सेंधा नमक मिलाकर डो बना लें उसे गोल-गोल काट कर शेप बना लें. फिर कढ़ाई में कटलेट को डालकर डीप फ्राई कर लें. आप इसे प्लेट पर सर्व कर लें.

खीरे और नारियल की मसाला सब्जी

खीरे को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें, टमाटर और प्याज को काट लें, नारियल, जीरा, हरी मिर्च और लहसुन को छीलकर बारीक काट लें. एक कटोरी में नारियल के पेस्ट को निकाल लें. तेल गर्म करके और उसमें राई चटकाए फिर सफेद उड़द दाल, लाल मिर्च को तोड़ कर डालें, कढ़ी पत्ते भी मिलाएं. आपकी गरमा गरम खीरे और नारियल की सब्जी तैयार है.

भारत पहले सिंधु नदी के जल पर देश के वास्तविक नियंत्रण की तैयारी करे

पानी में आसानी से आग लग सकती है। जब सिंधु नदी के जल की बात आती है, तो हम देख रहे हैं कि यह कितना ज्वलनशील हो सकता है - कम से कम अभी के लिए, मौखिक रूप से ही सही, विशेषकर भारत द्वारा सिंधु जलसंधि को निलंबित करने के बाद

ऐसी कोई भी सुविचारित योजना बहुत बड़ा अंतर ला सकती थी। सिर्फ पाकिस्तान को दंडित करने के लिए नहीं, क्योंकि यह इस रणनीतिक सोच का केवल एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। ये पानी उत्तरी भागों में कृषि और खेती की गतिविधियों के साथ-साथ घरों में अच्छे पेयजल की आपूर्ति के लिए भी बहुत बड़ा अंतर ला सकते थे।पानी में आसानी से आग लग सकती है। जब सिंधु नदी के जल की बात आती है, तो हम देख रहे हैं कि यह कितना ज्वलनशील हो सकता है - कम से कम अभी के लिए, मौखिक रूप से ही सही, विशेषकर भारत द्वारा सिंधु जलसंधि को निलंबित करने के बाद।यह एक व्यापक सशस्त्र संघर्ष का केंद्र भी बन सकता है। लेकिन इसके साथ ही कुछ गंभीर विचार भी हैं। एक व्यापक या लंबे समय तक चलने वाले युद्ध से बचना भारत के हित में है, क्योंकि इससे भारत की आर्थिक वृद्धि पटरी से उतर सकती है। युद्ध से उच्च राजकोषीय घाटा, या आर्थिक नीति की बाध्यताओं से ध्यान भटकाना, विकास प्रक्रिया को बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।भारत के लिए पाकिस्तान को दंडित करने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि वह देश को आर्थिक रूप से भूखा रखे और उसके अंतिम आर्थिक दिवालियापन की ओर बढ़ाये, ताकि नागरिक जीवन पर सेना की पकड़ ढीली हो जाये। सिंधु जल संधि की बात करें तो जल संधि को स्थगित रखना अच्छी बात थी, लेकिन वास्तव में इसे लागू करना मुश्किल हो सकता है। और यहीं कहानी की असली कहानी है।अब ऐसी खबरें हैं कि भारत बगलिहार बांध का उपयोग करके चिनाब नदी के प्रवाह को रोकने का प्रस्ताव रखता है। चिनाब एक पश्चिमी नदी है और संधि के तहत भारत केवल कुछ सीमित तरीकों से इसका उपयोग कर सकता है। यह एक रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना है, जिसका अर्थ है कि केवल सीमित उपयोग। बगलिहार में 900 मेगावाट क्षमता का पनबिजली स्टेशन है। लेकिन इसकी भंडारण क्षमता सीमित है। ट्रे को अलग रखना और इसके पानी को मोड़ना वास्तव में पाकिस्तान की नस को काटना हो सकता है। देश अपने अस्तित्व के लिए इन पानी के उपयोग पर पूरी तरह से निर्भर है। लेकिन यह निर्णय आतंकवादी राज्य को तभी नुकसान पहुंचा सकता है जब पाकिस्तान में पानी का प्रवाह वास्तव में रुक जाये। इसका मतलब है कि भारत के पास इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वास्तविक बुनियादी ढांचा और साधन होने चाहिए।सिंधु जल प्रणाली की पश्चिमी नदियां, साथ ही भारत से होकर बहने वाली पूर्वी नदियां, गर्मियों के महीनों में भारी मात्रा में पानी प्राप्त करती हैं, जब ग्लेशियर और हिमालय के ऊपरी हिस्से पर अधिक तापमान होने लगता है। हिमालय की पिघलती बर्फ नदियों में लाखों क्यूसेक पानी छोड़ती है।भौगोलिक रूप से हिमालय को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा शीतल जल भंडार माना जाता है, अन्य दो हैं दोनों ध्रुवीय क्षेत्र, उत्तरी ध्रुव और अंटार्कटिका। सर्दियों के महीनों में गिरने वाली और जमने वाली बर्फ, उपमहाद्वीप में इन गर्म महीनों में पिघलने लगती है।सिंधु जल प्रणाली में छह नदियां हैं, पूर्वी नदियां, ब्यास, सतलुज और रावी ये भारत की ओर जाती हैं। सिंधु, झेलम और चिनाब पाकिस्तान के हिस्से में आती हैं। पश्चिमी नदियों को पिघलते हिमालय से भारी मात्रा में पानी मिलता है।लेकिन इन नदियों के ऊपरी इलाकों में पूरे मौसम में बढ़ते पानी को संग्रहित करने के लिए बहुत कम बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। उन्हें रोके रखने से विनाशकारी बाढ़ आ सकती है और झरने के प्रवाह के विभिन्न स्तरों पर दबाव पड़ सकता है। इसके लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के निर्माण की आवश्यकता होगी, जिसके लिए हाइड्रोलॉजिकल क्षमता और इंजीनियरिंग कौशल की आवश्यकता होगी।जहां तक आम जानकारी है,

वर्तमान में समग्र प्रवाह के किसी भी महत्वपूर्ण हिस्से को संग्रहित करने के लिए ऐसा बहुत कम बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। 1960 के बाद से, हमने उच्च जल प्रवाह के मौसम में प्रवाह के कुछ हिस्सों को संग्रहित करने के लिए ऐसी कार्य योजना पर ज्यादा विचार नहीं किया है।ऐसी कोई भी सुविचारित योजना बहुत बड़ा अंतर ला सकती थी। सिर्फ पाकिस्तान को दंडित करने के लिए नहीं, क्योंकि यह इस रणनीतिक सोच का केवल एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। ये पानी उत्तरी भागों में कृषि और खेती की गतिविधियों के साथ-साथ घरों में अच्छे पेयजल की आपूर्ति के लिए भी बहुत बड़ा अंतर ला सकते थे।अब, जब हम देख रहे हैं कि ये पानी क्या रणनीतिक हथियार हो सकते हैं, तो ऐसे कार्यक्रम के लिए एक एकीकृत योजना के बारे में सोचने का समय आ गया है। इसके लिए न केवल तकनीकी क्षमताओं और इंजीनियरिंग कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि बहुत अधिक धन की भी आवश्यकता होगी।हमारे ज्ञान के लिए, हम पहले से ही देख रहे हैं कि चीन किस तरह से बहु-देशीय एशियाई नदियों के ऊपर सुविधाओं का निर्माण कर रहा है ताकि हिमालय की ऊपरी पहुंच में उपलब्ध विशाल जल संसाधनों का दोहन और उपयोग किया जा सके।हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात है कि चीन पहले से ही हिमालयी ऊपरी पहुंच में ब्रह्मपुत्र नदी को मोड़ने का काम कर रहा है, जहां यह भारत में प्रवेश करने से पहले पूर्वी हिमालय में एक तीव्र मोड़ लेती है। हमारी आपत्तियों के बावजूद चीन अपने मैदानों और कृषि भूमि को पानी देने के लिए त्सांग पो - ब्रह्मपुत्र का चीनी नाम - को मोड़ने की अपनी योजना पर आगे बढ़ रहा है।एक बार जब यह परियोजना पूरी हो जाती है, तोभारत के उत्तर पूर्व के बड़े हिस्से, साथ ही बांग्लादेश भी शुष्क रेगिस्तान में बदल जायेंगे। हालांकि, चीन अन्य देशों के किसी भी विरोध पर ध्यान नहीं देता है।हमें चीन से सीख लेनी चाहिए और सिंधु जल प्रणाली के लिए अपनी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए ताकि इन प्रवाहों से अधिकतम लाभ उठाया जा सके।सिंधु जल प्रणाली के लिए प्रतिस्पर्धा अभी शुरू हुई है। अब जबकि हमने लंबे समय तक प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध कर लिया है, तो योजना और उसके क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। भारत का खून बहने के बजाय,जैसा कि पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने धमकी दी है, नदी पर वास्तविक नियंत्रण हमारे देश भारत के हाथ में होना चाहिए।

संपादकीय

पाकिस्तान को माकूल जवाब

मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने बेहद पेशेवराना अंदाज़ में पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकियों के 9 ठिकानों को उड़ाकर रख दिया। बड़ी संख्या में दहशतगर्दों को मौत की नींद सुलाने वाले %ऑपरेशन सिंदूर% के जरिये उन निर्दोषों को न्याय दिया गया जो कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा की गयी अंधाधुंध फायरिंग में मारे गये थे। उस कायराना और अमानवीय आतंकी कार्रवाई में कई सुहाग उजड़े थे। सम्भवतः इसीलिये इस ऑपरेशन को %सिंदूर% नाम दिया गया। सेना ने यह कार्रवाई बुधवार तड़के में और बुधवार शाम को ही युद्धाभ्यास के रूप में भारत 244 जिलों में अपने नागरिकों को बचाने के लिये सामूहिक मॉक ड्रिल करने जा रहा था। बुधवार की शाम को यह सफलतापूर्वक किया भी गया।भारतीय सैन्य अधिकारियों ने इस पूरे ऑपरेशन का विवरण देते हुए सुबह दिल्ली में बुलाई एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पड़ोसी मुल्क के किसी भी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया और तब तक किसी भी नागरिक के मारे जाने की खबर नहीं थी। हालांकि आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 10 लोगों के मारे जाने की खबर खुद मसूद अजहर के हवाले से ही आई है। वहां से कुछ आम नागरिकों के घायल होने की अपुष्ट खबरें भी हैं जो वायरल वीडियो के जरिये पहुंची हैं। इस जवाबी हमले के बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा सीमा से सटे पूंछ इलाके में फायरिंग किये जाने के समाचार मिले हैं जिनमें 10 भारतीयों के मारे जाने तथा कुछ लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है।भारतीय सेना के तीनों अंगों की यह संयुक्त कार्रवाई इसलिये काबिले-तारीफ है कि इससे विश्व बिरादरी को कहीं भी शिकायत या आपत्ति दर्ज करने का मौका नहीं मिला है। पाकिस्तान के पास भी इसलिये कहने को कुछ भी नहीं रह जाता क्योंकि जिन ठिकानों को हमलों के जरिये नेस्तनाबूद किया गया वे सटीक जानकारी के आधार पर उड़ाये गये हैं और यह पहले से साबित हो चुका था कि उन ठिकानों से चरमपंथी भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते रहे हैं। पहलगाम घटना का सबक भारतीय सेना ने आतंकियों को अच्छी तरह से सिखा दिया। पाकिस्तान के पास भी विरोध के नाम पर कुछ कहने को रह नहीं जाता इसलिये अब वहां से सुलह और शांति की बातें सेना की ओर से आ रही हैं।

पाकिस्तानी सेना के अफसर जानते हैं कि पहलगाम घटना के बाद विश्व सहानुभूति भारत के साथ है। दूसरे, इस वक्त उसकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह इस घटना को बड़ी लड़ाई में तब्दील करने का दुस्साहस करे। यदि वह ऐसा करता है तो यह उसकी वैसी ही भूल होगी जो वह 1999 में कारगिल तथा उसके पहले तीन बार पूर्ण युद्ध छेड़कर कर चुका है। हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी।बेशक, हर बार की ही तरह इस वक्त भी भारत का ही पलड़ा भारी है लेकिन उसे भी युद्ध से बचना होगा। इस कार्रवाई से देश के अंदर आतंकियों के खिलाफ़ जो असंतोष व नाराज़गी बनी थी, उसे मिटाने में सरकार को काफी हद तक सफलता मिल गयी है। जो चीन लड़ाई की स्थिति में पाकिस्तान के साथ खड़ा होने की बात कर रहा था, उसके पास भी कोई कारण और अवसर नहीं रह जाता कि वह पाक को समर प्रांगण में ढकेले। पाकि से भी इसी आशय के संकेत मिल रहे हैं कि चीन साथ मिलने के बावजूद पाकिस्तान युद्ध से बचेगा। द अगर वह लड़ाई छेड़ता है तो माना जायेगा कि आतंकवादियों का इस हद तक समर्थन करता है उसके लिये लड़ाई तक छेड़ सकता है। पहले भी उस दहशतगर्दों को पनाह देने और अपनी धरती का इस्ते करने देने के आरोप लगते रहे हैं। उसे इस मामल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी आलोचना झेलनी पड़ी है, प पाकिस्तान अक्सर यह कहकर खुद को बचा लेता है वह स्वयं आतंकवाद से पीड़ित है। हालांकि उसकी में आंशिक सच्चाई तो है कि पाकिस्तान में भी आतंकवादी कार्रवाइयां करने से बाज नहीं आते, जि उसके अपने नागरिक अक्सर मारे जाते हैं। फिर भी आतंकवाद को प्रश्रय और सहायता देने के आरोपों से तरह मुक्त नहीं किया जा सकता क्योंकि आतंकियों सफाये के लिये वह उस संजीदगी व सघनता से नहीं करता, जैसा कि अपेक्षित है।

मंगलसूत्र के बाद सिंदूर, नाम में बहुत कुछ रखा है

भारतीय संदर्भ में नाम कई तरह से प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हो ही जाता है, इसलिए शेक्सपियर कम से कम यहां नहीं लिख पाते कि गुलाब को गुलाब न कहो, तब भी वह खुशबू देगा। ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई बिना इस नाम के भी उतनी ही असरकार होती, लेकिन अभी उससे जो भावनात्मक मजबूती महसूस की जा रही है, यह शायद नाम का ही असर है।शेक्सपियर साहब भारत में होते तो शायद कभी न लिख पाते कि नाम में क्या रखा है, क्योंकि यहां तो बड़े सियासी खेल नाम के बूते ही खेले जाते हैं। दुश्मनों को जवाब देने में भी कौन से नाम का क्या असर पड़ेगा, इसकी रणनीति भी तैयार होती है। तो कम से कम भारत के संदर्भ में देखें तो नाम में बहुत कुछ रखा है।मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान में बने 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया तो उसके लिए नाम चुना गया ऑपरेशन सिंदूर। भारतीयों के लिए सिंदूर महज एक रासायनिक पदार्थ वर्मिलियन नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक, धार्मिक और भावनात्मक महत्व है। हिंदू धर्म में बिना सिंदूर के विवाह संपन्न नहीं होता और विवाहिताएं तब तक सिंदूर लगाती हैं, जब तक उनका सुहाग बना रहता है, यानी जब तक पति जीवित है, विवाहिता मांग में सिंदूर भरती है। लेकिन पति की मौत के बाद सिंदूर नहीं लगाया जाता, इसलिए विधवा होने के लिए मांग उजड़ना जैसे मुहावरों का इस्तेमाल होता है। पौराणिक कथाओं में देवियों के श्रृंगार में सिंदूर शामिल था ही, लेकिन ऐतिहासिक तौर पर देखें तो गुप्त काल (लगभग 320-550 ई.) तक सिंदूर विवाह अनुष्ठानों से पूरी तरह जुड़ गया।

हमारी फिल्मों में कई भावुक दृश्यों में सिंदूर के जरिए नारी शक्ति या सुहाग की ताकत को दिखाया गया। फिल्म ओम शांति ओम का तो संवाद ही बेहद चर्चित हो गया था, जिसमें दीपिका पादुकोण कहती हैं- एक चुटकी सिंदूर की कीमत तुम क्या जानो रमेश बाबू, ईश्वर का आशीर्वाद होता है एक चुटकी सिंदूर, सुहागन के सिर का ताज होता है एक चुटकी सिंदूर, हर औरत का ख्वाब होता है एक चुटकी सिंदूर। इस फिल्म के लिए मयूर पुरी ने जब ये संवाद लिखा होगा तो उन्हें अनुमान भी नहीं रहा होगा कि यह न केवल कई मौकों पर अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जाएगा, बल्कि लगभग 2 दशक बाद इसे आतंकवाद का जवाब देने पर भी दोहराया जाएगा। इसी फिल्म में मयूर पुरी ने एक और संवाद लिखा था कि पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त। और बुधवार को यह संवाद भी लोगों को याद आ गया जब पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज नरवणे ने ट्वीट किया कि पिक्चर अभी बाकी है। दरअसल जनरल मनोज नरवणे ने संकेत दिए कि पाकिस्तान को अभी पहला सबक ही सिखाया है, अभी इसके आगे आतंकवाद के कई और अड्डे भी तबाह होंगे। आगे और किस तरह के नामों के तहत सैन्य कार्रवाई होगी, ये देखना होगा। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर का नाम रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बता दिया कि राजनैतिक चतुराई और रणनीतिक कौशल उनमें कूट-कूट कर भरा है।याद कीजिए, लोकसभा चुनावों के वक्त प्रचार रैलियों का, जिनमें नरेन्द्र मोदी ने मंगलसूत्र छीनने का आरोप विपक्ष पर लगाया था और महिला मतदाताओं को यही कहकर अपनी तरफ करने की कोशिश की थी कि भाजपा ही है जो उनके मंगलसूत्र की रक्षा कर सकती है। श्री मोदी के ऐसे बयानों की पय़ार्प्त आलोचना हुई और सवाल उठे कि वे किस तरह मंगलसूत्र को चुनावी मुद्दा बना सकते हैं। अब मंगलसूत्र के बाद नरेन्द्र मोदी ने सिंदूर का प्रतीक अपनी रणनीति में शामिल किया है और कमाल देखिए कि इस बार विपक्ष सवाल नहीं उठा रहा, बल्कि सरकार के साथ खड़े होने का दावा कर रहा है। ऐसा होना भी था, क्योंकि विपक्ष आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ है। इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर न रखकर अ ब स कुछ भी रखा जाता, तब भी विपक्ष का रवैया यही रहता। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने सिंदूर नाम के ऑपरेशन से दूरगामी बाजी जीतने का दांव चल दिया है। पहलगाम हमले में आतंकियों ने पुरुषों को खास तौर पर निशाना बनाया था और खबरें थीं कि उनसे धर्म भी पूछा गया था। इस लिहाज से व्याख्या करें तो हिंदू स्त्रियों की मांग से सिंदूर उजाड़ने का काम आतंकियों ने किया और इसका जवाब देते हुए ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने आतंकियों के ठिकानों को उजाड़ दिया।दो हफ्तों से देश इंतजार कर रहा था कि कब सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी। इस इंतजार में देश के अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का बहाना विघ्नसंतोषियों को मिला और कई कश्मीरी नागरिकों व मुस्लिमों को जबरन प्रताड़ित किया गया। इस पर शहीद नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी नरवाल ने अपील भी की थी कि आतंकियों से बदला लें, लेकिन किसी को धर्म के नाम पर न सताएं। गौरतलब है कि हिमांशी नरवाल पहलगाम हमले में विधवा हुई थीं, 16 अप्रैल को उनका विवाह हुआ था और 22 अप्रैल को उनके पति को आतंकियों ने मार दिया। उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई, जिसमें वे स्तब्ध अपने पति के शव के पास बैठी हैं। लेकिन इस घटना के बाद भी हिमांशी नरवाल ने हिम्मत का परिचय दिया और

अपना दर्द बर्दाश्त करते हुए यही अपील की कि किसी निर्दोष को दर्द न मिले। कायदे से इस बात पर उनकी जी खोलकर सराहना होनी चाहिए थी लेकिन कुंठित सोच और नफरती कुनबे में बदल रहे समाज की तरफ से उन पर ऐसे-ऐसे लांछन लगाए गए जिनकी निंदा करने के लिए शब्द नहीं हैं।विनय नरवाल की श्रद्धांजलि सभा में जब हिमांशी नरवाल लोगों से मिल रही थीं तो उनके चेहरे पर जूम कर वीडियो बनाए गए कि उनकी आंखों में दर्द नहीं है। किसी ने लिखा कि ये इतनी आराम से कैसे खड़ी है, जबकि इसका सुहाग उजड़े 20 दिन भी नहीं हुए। एक ट्रोलर ने तो हिमांशी पर आतंकियों से मिले होने तक का बेहूदा इल्जाम लगा दिया कि अपने पति को मरवाने में उसने साथ दिया और अब सरकार से मुआवजा लेकर वह अपने किसी कश्मीरी दोस्त से शादी कर लेगी। यानी जिसकी जैसी मर्जी हुई उसने हिमांशी नरवाल पर कीचड़ उछाला। हालांकि ऐसा करने वालों से ये नहीं देखा कि उन्होंने कितनी हिम्मत से अपने दर्द को समेटा है और समाज को एकजुट रखने की अपील की है। यह देखकर काफी अफसोस हुआ कि हरियाणा या केंद्र की भाजपा सरकार के किसी व्यक्ति ने ऐसे ट्रोलर्स को गलत नहीं कहा या खुलकर हिमांशी नरवाल के साथ वे खड़े हुए। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी ट्वीट कर टोलर्स की बात को गलत तो कहा, लेकिन सरकार से ऐसी कोई अपील नहीं की कि हिमांशी नरवाल पर कीचड़ उछालने वालों के सोशल मीडिया एकाउंट पर प्रतिबंध लगे। क्या ऐसे लोगों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा नहीं था, यह सवाल अब भी सरकार के सामने है।

बहरहाल मंगलवार को हिमांशी नरवाल से मिलने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उनके करनाल स्थित घर पहुंचे। और मंगलवार की आधी रात को ही जब ऑपरेशन सिंदूर किया गया तो इसे हिमांशी समेत उन तमाम महिलाओं की उजड़ी मांग का बदला माना गया, जिनके पति पहलगाम हमले में मारे गए। इस लिहाज से ऑपरेशन सिंदूर इस कार्रवाई के लिए एक सटीक नाम माना जा रहा है और यहां श्री मोदी ने अपने रणनीतिक अंक बढ़वा लिए हैं। इस ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देश और दुनिया को जब बुधवार सुबह औपचारिक तौर पर दी गई तो इसमें भी विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विस्तृत जानकारी दी कि किस तरह पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को चिन्हित किया गया, किस ठिकाने पर कौन से आतंकी संगठन का अड्डा था और पूरे ऑपरेशन में कितना वक्त लगा आदि।सेना और सरकार की तरफ से यह भी एक माकूल कदम था कि दो महिला सैन्य अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी गई। हालांकि सेना में धर्म की पहचान गौण हो जाती है और कर्तव्यपरायणता ही सर्वोपरि रहती है, लेकिन फिर भी कर्नल सोफिया कुरैशी का सामने होना पाकिस्तान को कड़ा संदेश था और साथ ही देश के भीतर बैठे उन अराजक तत्वों को भी नसीहत थी कि धर्म के आधार पर विभाजन करने की कोशिश न की जाए, क्योंकि जब दुश्मनों को जवाब देने की बारी आती है तो भारतीय सेना में शामिल सारे धर्मों के लोग एक साथ मिलकर जवाब देते हैं।

सोफिया का मतलब होता है बुद्धि और व्योमिका मतलब है आकाश की बेटी या आकाश में रहने वाली और दिलचस्प संयोग रहा कि भारतीय सेना ने बुद्धि और साहस दोनों के मेल से आकाश के जरिए ही आतंकियों को सबक सिखा दिया है।भारतीय संदर्भ में नाम कई तरह से प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हो ही जाता है, इसलिए शेक्सपियर कम से कम यहां नहीं लिख पाते कि गुलाब को गुलाब न कहो, तब भी वह खुशबू देगा। ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई बिना इस नाम के भी उतनी ही असरकार होती, लेकिन अभी उससे जो भावनात्मक मजबूती महसूस की जा रही है, यह शायद नाम का ही असर है।

उड़ान आपकी है

संतोष-भरा जीवन जीने के लिए अपने व्यक्तित्व की डोर थामना बिल्कुल वैसे ही ज़रूरी है.. जैसे खुश होने के लिए खुद मुस्कुराना..

बालिका को जीवन के प्रथम चरण से ही हर बात के लिए रोका टोका जाता रहा है। ऐसे उठो बैठो, अकेले बाहर मत जाओ, यह न करो.. कहीं न कहीं ये बातें महिलाओं के मन में कमजोर होने का भाव जगाती हैं। और अरमानों का वह आज़ाद परिंदा, क़ैद में रहकर, हौसला खोकर उड़ान भरना भूल जाता है। नतीजतन, स्त्री धीरे धीरे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर होने लगती है। आत्मविश्वास की कमी के कारण भी हर कार्य करने से पहले उसे सहमति की आवश्यकता होती है। फिर धीरे धीरे वह दूसरों के निर्णय को ही अपना निर्णय बना लेती है। गुजरते समय के साथ आत्मसम्मान में कमी आ जाती है और मन में अनजाना-सा दुख पनपने लगता है।

हम सब आईने की तरह होते हैं। जैसे खुद को देखेंगे, स्वयं के बारे में जैसा सोचेंगे, वही हमारे कार्यों में दिखेगा, फिर वैसा ही लोग हमारे बारे में सोचेंगे। इसलिए आज से ही अपनी नींव मजबूत करना शुरू करें। खुद को जानें, खुद पर यक़ीन करें और फिर मजबूती से क़दम बढ़ाएं।

सामान्य भूलें जो हमें जीवन की कमान समंभालने से रोकती हैं -

-खुद से, खुद की मर्ज़ी से अनजान।

-राय और मश्विरे लिए बिना कुछ भी न कर पाना।

-छोटी-से छोटी भूल के लिए कई दिनों तक शर्मिंदा महसूस करना।

-ज़िंदगी तो दूर, दिन तक की योजना न बना पाना।

-शब्दों का बेजा प्रयोग करना।

क्या आप भी अक्सर ऐसा कहती या सोचती हैं -

-डिग्री सही सब्जेक्ट में ली होती, तो आज नौकरी ढूंढना आसान होता।

-जब इतना पैसा होगा, ज़िंदगी में मज़ा तो तब आएगा।

-अगर स्कूटी की जगह कार होती, तो काम बढ़ाया भी जा सकता था।

इसे आप कुछ इस तरह भी कह सकती हैं -

-मैंने जीवन में कुछ करने के दूसरे विकल्पों के बारे में नहीं सोचा।

-पैसों का प्रबंधन कभी ठीक से नहीं हुआ मुझसे।

-मुझे सुविधाएं ज़रा ज्यादा चाहिए।

अब अगर यह तय करना है कि ज़िंदगी की कमान संभालनी है, तो सबसे पहली बात, शिक़ायतें करना छोड़ दें। आपकी ज़िंदगी की कमियों या समस्याओं के लिए अगर खुद उपाय नहीं किया, तो किसी पर दोष मढ़ने का हक़ नहीं।

हर दिन, हर परिस्थिति में ये चार मंत्र हमेशा याद रखिए -

1-चाहे हालात कैसे भी हों, किसी के सिर दोष मढ़ने के बजाय केवल निदान पर ध्यान दूंगी।

2-मेरी अपनी कोई भी दिक्क़त हो, पहले उसका हल खुद ही ढूंढूंगी।

3-अपने बारे में ईमानदार रहना होगा, चाहे कितनी भी बड़ी समस्या में फंस जाऊं।

4. अपने सपनों, अपनी इच्छाओं की अनदेखी नहीं करूंगी। न ही कभी यह सोचूंगी कि मैं फलां कार्य के लिए योग्य नहीं हूं।

पता करें कि आपके लिए क्या महत्वपूर्ण है-

-एक काग़ज पर कार्यों की प्राथमिकता अनुसार सूची बनाएं।

-पता करें कि कौन-सी बाधाएं आपको अंदर से परेशान कर रही हैं?

स्वयं पर विश्वास करें

-विश्वास करें कि आप अपने लक्ष्य को वास्तविक बनाने में सक्षम हैं। यदि आप अपनी शक्ति व क्षमताओं पर विश्वास करेंगी, तभी लोग व घटनाएं भी आपका समर्थन करेंगी।

-आपके विचार ही अनुभव बनाते हैं, इसलिए भय या संदेह को खुद पर हावी न होने दें।

-मुस्कुराती रहें और स्वयं से हथ्यार करें।

कार्यान्वित करें- योजना बनाएं कि आप स्वयं को किस रूप में देखना चाहती हैं। उसी तस्वीर की प्रतिकृति मन में बना लें।

स्वयं के फ़ैसले लें- आपके लिए जो कार्य वाक़ई आवश्यक है, उसकी तरफ़ ठोस क़दम बढ़ाएं। दूसरों के विचारों को अहमियत देना जरूरी है, पर अंतिम फ़ैसला स्वविवेक व अपनी आवश्यकता के आधार पर करें।

आत्मनिर्भर बनें- हर विषय में जानकारी लें। गैजेट्स, शहर के रास्ते आदि के बारे में जानें, ताकि समय आने पर आपको किसी पर निर्भर न रहना पड़े। स्वयं के कार्य करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। फिर कोई भी कार्य करने से पहले आप राय नहीं लेंगी, बल्कि दूसरों को परामर्श देने में भी सक्षम होंगी।

स्वयं के लिए समय निकालें- जो कुछ करना आपको अच्छा लगता है, उस कार्य को करने में कुछ समय व्यतीत करें। आध्यात्मिक उन्नति करें।

एक मिनट कीजिए सोलह श्रृंगार!

अगर आपको ऐसा जादुई आईना मिल जाए, जिसमें आप एक मिनट में दर्जनों बार श्रृंगार कर सकें और एक बटन दबाते ही सभी रूप ओझल हो जाएं तो कैसा रहे? चौंकिए नहीं। यूरोप के ब्यूटी काउंटरों पर एक ऐसे आईने की नुमाइश की जा रही है, जिसमें महिलाएं विभिन्न रूपों को आजमा कर सबसे अच्छे रूप का चयन कर रही हैं। जापानी ब्यूटी ब्रांड शिसीडो द्वारा तैयार किया गया यह आईना उपयोगकर्ता को आंखों, होठों और गालों का वास्तविक मेक-अप करने का भी विकल्प उपलब्ध कराता है। कंपनी के यूरोपीय स्टोर्स में यह आईना महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है। आईने में एक कैमरा लगा है, जो महिला के रूप को अपनी मैमोरी में कैद कर लेता है। इसके बाद आईने के संवेदनशील टच स्क्रीन को छूकर 50 से अधिक आंखों और होठों के रंगों का चयन किया जा सकता हैं। 12 प्रकार के लालिमा से युक्त गालों के रंग का भी चुनाव इस आईने को देख कर किया जा सकता है। इस आईने में दिखाई देने वाला रूप ठीक उसी प्रकार का होता है, जो वास्तविक आईने में दिखता है। यदि मेकअप करने के चलते आंखों का रंग साफ नहीं दिखाई देता है, तो उसे स्क्रीन पर देखा जा सकता है। महिला अपने पसंदीदा रूप का चयन करने के बाद अपना फोटो भी ले सकती हैं। आईने में लगी मशीन उनके विभिन्न रूपों में से कुछ का संचय कर लेती है, जो बाद में पसंदीदा रूप के चयन में सहायता करती है।

उपनाम दर्शाए परिवार प्रेम

अगर बात विवाह जैसे पवित्र बंधन की हो तो हमारे देश में इसे बखूबी निभाया जाता है। शादी के बाद पत्नी की पहचान पति से ही होती है। खासकर उसके नाम और उपनाम से। मगर अमेरिका में तो लोग अपनी पत्नी का उपनाम तक लगाने लगे हैं। हालांकि विकसित देशों में भी पत्नी का उपनाम लेने पर पहले कोर्ट में अर्जी देनी पड़ती है और फिर पैसे भी भरने पड़ते हैं। ऐसा नहीं है कि वहां इसका विरोध नहीं किया जाता, लेकिन फिर भी 350 डॉलर देकर वहां पत्नी का उपनाम इस्तेमाल किया जा सकता है।

पति काटे कोर्ट के चक्कर: आजकल कई पति शादी के बाद अपनी पत्नी का सरनेम रखना पसंद कर रहे हैं। लेकिन उन्हें कुछ कानूनी दांवपेंच से गुजरना पड़ता है। जबकि औरतों के साथ यह बात लागू नहीं होती। उन्हें आसानी से अपने पति का सरनेम मिल जाता है। भारत में पति को पत्नी से ऊपर का दर्जा मिलता है, इसीलिए जब लड़की शादी कर अपने घर जाती है तो वह अपने पति के सरनेम से जानी जाती है। हमारे देश में कम लेकिन बाहर के देशों में कई लोग ऐसे हैं, जो पत्नी का सरनेम खुशी से अपने नाम के साथ जोड़ना चाहते हैं।

महिलाएं भी दाखिल करती हैं अर्जी: कई देश ऐसे हैं जहां पति का सरनेम रखने के लिए भी कोर्ट की इजाजत लेनी पड़ती है। इराक, यमन, जार्डन, सीरिया में तो औरतें अपने पिता का उपनाम रखती हैं। शादी के बाद भी उनका नाम पिता के उपनाम के साथ ही जाना जाता है। अगर कोई महिला अपने पति का सरनेम रखने की इच्छा जताती है तो उसे कोर्ट में अर्जी दाखिल करनी होती है और बिना अदालती आदेश के वह अपने पति का सरनेम नही रख सकती।

पति के साथ खुद का सरनेम: भारत परम्पराओं का देश है। यहां परम्पराएं निभाई जाती हैं। शादी के बाद एक लड़की को अपने पति का नाम मिलता है। महिलाएं भी यहां पति का सरनेम रखना पसंद करती हैं। प्रियंका गांधी शादी के बाद अपने आप को प्रियंका वडेरा कहलाना अधिक पसंद करती हैं। कई मामले में महिलाएं पति के सरनेम के साथ-साथ अपना सरनेम भी रखती हैं। ऐश्वर्या राय ने शादी के बाद अपने पति का सरनेम लगाया और ऐश्वर्या राय बच्चन हो गईं। अभिनेत्री मानसी जोशी ने रोहित राय से शादी करने के बाद अपना नाम मानसी जोशी राय रखा है। लोग उन्हें इस नाम से जानते हैं, इसलिए शायद उन्होंने ऐसा किया।

शिखर की चाह

कामकाजी इंसान की ख्वाहिश लीडरशिप के शिखर पर पहुंचने की होती है। महिलाओं को यह राह निष्कंटक नहीं लगती। लेकिन इस राह को आसान वे खुद ही बना सकती हैं...

यह आपका कार्यक्षेत्र है। यहां आपका काम आपको पहचान और समान दिलाता है। आपको आत्मनिर्भर बनाता है। बेशक, यहां कई चुनौतियां हैं, पर यह न भूलें कि यहां अवसर भी हैं। आगे बढ़ने और लीडर बनने के अवसर। सो, पहले समझें कि लीडरशिप के लिए किन गुणों की दरकार होती है-

जिम्मेदारी- लीडर अधिकार से पहले जवाबदेही लेते हैं, क्योंकि जवाबदेही के साथ अधिकार तो मिल ही जाते हैं। वे लक्ष्य तय करते हैं। लीडर अतिरिक्त जिम्मेदारियों को कभी 'न' नहीं कहते।

संवाद- औरों को अपनी राय रखने और फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हर तरह के फीडबैक का सम्मान करते हैं। दुराव छिपाव नहीं रखते।

आत्म अवलोकन- लीडर अपनी ग़लतियां मानते हैं और उन्हें दूसरों पर नहीं थोपते। न ही वे बहाने बनाते।

प्रोत्साहन- सहकर्मियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। मदद और मार्गदर्शन के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। औरों की तरक्क़ी में सहायक बनते हैं।

आइडिया- लीडर नए आइडिया और हथलान देते हैं, जिन पर उनके साथ अनुयायी चलते हैं।

तैयारी- अपनी योग्यताएं बढ़ाते रहते हैं। लीड करने के लिए तैयार रहते हैं। चाहे चुनौती कुछ भी हो, स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। दतर में कई चुनौतियां महिलाओं के सामने खड़ी होती हैं, जिनमें एक जो सबसे महत्वपूर्ण है, उसका ताल्लुक़ केवल और केवल छवि से है।

इस बारे में हिलैरी क्लिंटन के एक प्रेस सहयोगी के कथन से जाना जा सकता है- 'महिला लीडर क्या कह रही है या वो क्या कहेगी, से कहीं ज्यादा लोग इस बारे में बात करते हैं कि वो कहते वक़्त कैसी दिख रही थी।' आप कैसी दिखती हैं, दफ़्तर में कैसे रहती हैं से लेकर किससे, क्या बात करती हैं, ये सब माइक्रोस्कोप के नीचे रखकर देखा जाता है।

इसलिए, ध्यान रखें

-सबसे पहला प्रयास तो उन लोगों से जो केवल रूप या ड्रेस की बातें करते हैं, ध्यान हटाकर काम पर लगाना है। कुछ दिनों बाद ये लोग भी आपके फोकस के क़ायल हो जाएंगे।

-योग्यता में लगातार सुधार व निखार लाती रहें।

-फ़ैसले लेने के मामले में कमज़ोर साबित हुईं, तो दफ़्तर में सहायक भूमिकाओं तक सीमित रह जाएंगी।

-बहुत सारे लोग मदद के लिए तैयार होंगे और चाहेंगे कि बदले में आप उनका एहसान मानें। अपनी समस्याओं से जहां तक संभव हो, खुद निपटें।

-दफ़्तर में निजी बातें करना या अनावश्यक घरेलू बातें करना दूसरों को ग़लत अर्थ लगाकर, आपका ध्यान भटकाने का मौक़ा दे सकता है।

ये भी आजमाएं- नवीनतम गैजेट्स रखें। ये बताते हैं कि आप जमाने के साथ चलने वाली हैं। इनसे यह भी संदेश मिलता है कि सूचनाओं और संदेशों का आदान-प्रदान आपके लिए जरूरी है, यानी आपकी पोजीशन और काम महत्वपूर्ण हैं।

हमेशा याद रखें- स्त्री होने के कारण अतिरिक्त सुविधाओं और छूट की उम्मीद न रखें। ये मिल तो जाएंगी, पर आपको सिर्फ़ कमजोर महिला समझकर ख़ारिज कर दिए जाने का ख़तरा भी रहेगा, जो आपकी लीडरशिप की राह में सबसे बड़ी बाधा है। लोगों से सहयोग तो लें, लेकिन उन पर आश्रित न हो जाएं।

आलोचकों से न उलझें- आलोचकों पर अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। मशहूर अमेरिकी गायिका बियोंसे नोल्स कहती हैं, 'मैं यह उम्मीद नहीं कर सकती कि मैं जो भी करूं, वह हर किसी को पसंद आए ही।'

गृहक्षेत्र में सद्भाव- अमेरिकी शेयर मार्केट में बड़ी कमाई करने वाली सेली क्रॉचेक की सलाह है- स्त्री सुनिश्चित करे कि पति उसके काम व जिम्मेदारियों को समझ रहा है।

तैयारी करें जहां- पहुंचना चाहती हैं, उसके लिए आवश्यक तैयारी करें। यह हर सफल महिला का मंत्र है। बिना तैयारी के अवसर भी बेकार चले जाते हैं।

रसोई में हैं कैंसर को मात देने वाली औषधियां

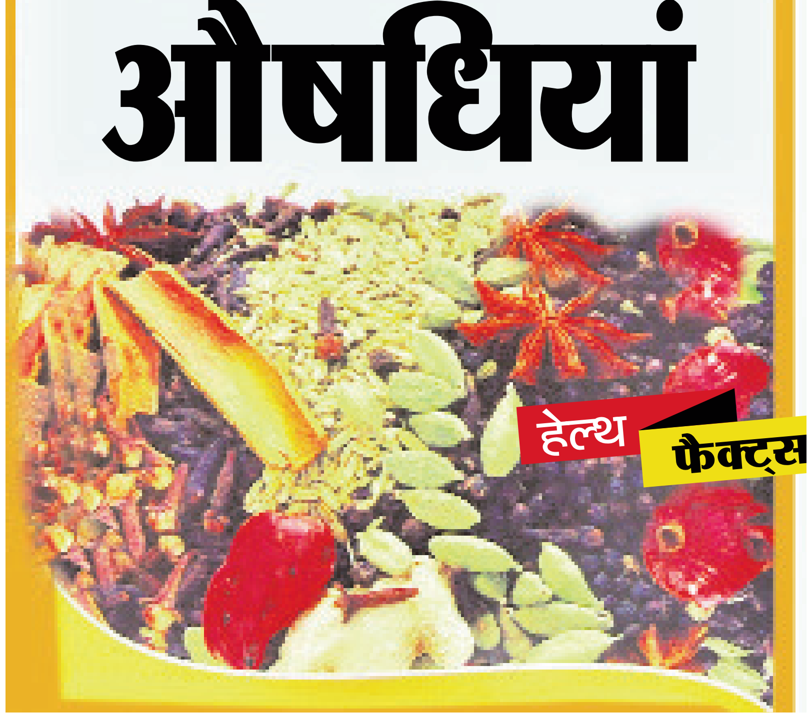

भारतीय रसोई में पाए जाने वाले मसालों में वह ताकत है जो कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी को भी मात दे दे। किसी भी ऐसी जानलेवा बीमारी से लड़ने की ताकत रखने के लिए, हम कुछ ऐसे मसालों पर ध्यान दे सकते हैं जो कैंसर पैदा करने वाले सेल को शरीर में बनने से रोकते हैं। हर्बल हल्दी का लेप छोटी खरोच को सही कर देता है और त्वचा पर पड़ी घमोरियों को ठीक करता है। केसर और हल्दी जैसे मसालों में ऐसे औषधीय गुण हैं जो अगर खान-पान में शुरु आत से इस्तेमाल में लाए जाएं तो हमारे शरीर को टोक्सिन, बैक्टीरिया और वायरस के हमले से बचाते हैं।

हल्दी: जब कैंसर रोग से लड़ने की बात आती है तो यह मसालों का राजा माना जाता है। अनुसंधान से पता चला है कि हल्दी में ताकतवर पोलीफेनोल कर्कुमिन होता है जो कैंसर सेल को बढ़ने से रोकता है जिससे

प्रोस्ट्रेट कैंसर, मेलेनोमा, स्तन कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, अग्न्याशय का कैं सर और ल्यूके मिया रुकता है। कर्कुमिन 'अपोप्टोसिस' को बढ़ावा देता है जो कैंसर को बढ़ावा देने वाले सेल को हटाता है और यह ध्यान रखता है कि इस कर्म में दूसरे हेल्दी सेल बनने से न रु कें। रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी के समय कैंसर सेल के साथ-साथ उसके आस-पास के हेल्दी सेल भी चपेटे में आ जाते हैं। इसलिए इसके दुष्प्रभाव दिख जाते हैं।

सौंफ : फायटो पो षक तत्व और एंटीओ क्सिडेंट हो ने के कारण, कैंसर सेल को सौंफ के सामने हार का सामना करना पड़ता है। फेंनेल का मुख्य तत्व 'अनेथोल', कैंसरो कोंजकौ तेजीी फैलने वाली प्रकृति को रोकता है। यह कैंसर सेल को बढ़ाने वाले एंजाइम से नियंत्रित होने वाली गतिविधियों को रोकता है। अदरक के साथ टमाटर और सौंफ का सूप या सौं फ के साथ ताजे सलाद को मुख्य खाने से पहले खाना काफी फायदेमंद होता है। भुनी हुई सौंफ को पार्मीजैन के साथ लेना भी सही रहता है।

जीरा: यह खाने को पचाने में मदद करता है शायद इसलिए हम खाने के बाद जीरा चबाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसके हेल्थ बेनिफिट्स और भी ज्यादा हैं। यह एक ऐसा

हर्ब है जिसमें एंटी ऑक्सीडेंट लक्षण होते हैं, जीरा के दाने में 'थाय्मोकुईनॉन' होता है जो प्रोस्ट्रेट कैंसर पैदा करनोो के कोोकतौ। इसलिए स्नैक में कैलोरी और आइल की बजाए आप ब्रेड में फ्राइड बीन्स या सॉस की सीसनिंग कर अपनी डिश को स्वादिष्ट और पौष्टिक बना सकती हैं। आप तड़का दाल और चावल में जीरा डाल कर इसका मजा ले सकते हैं।

केसर: केसर में 'क्रोसेटिन' नाम का प्राकृतिक कैरोटेनोइड डीकार्बोक्सीलिक एसिड होता है जो कैंसर से लड़ने वाला मुख्य तत्व होता है। यह न सिर्फ बीमारी को बढ़ने से रोकता है पर ट्यूमर के आकार को आधे से ज्यादा कम कर देता है जिससे कैंसर से निजात मिल सकती है। हालांकि, यह विश्व का सबसे महंगा मसाला है क्योंकि यह 2,50,000 फूलों के स्टिग्मा से बनता है जो सिर्फ आधा किलो केसर देते हैं।

दालचीनी: हर दिन आधा चम्मच दालचीनी पॉउडर लेने से आप कैंसर के खतरे से बच सकते हैं। खाने को सुरक्षित रखने वाली दालचीनी में आयरन और कैल्शियम होता है। ट्यूमर को बढ़ने से रोकने में कारगर, यह शरीर में कैंसर संबंधी सेल को पैदा होने से रोकता है।

लाल शिमला मिर्च: यह एक ऐसा मसाला है जिसमें कैंसर से लड़ने की क्षमता है। हालांकि, ज्यादा तेज लाल शिमला मिर्च खाने से बचना चाहिए। लाल शिमला मिर्च से अपोप्टोसिस की प्रक्रिया शुरू होती है जो कैंसर सेल को बर्बाद करता है और ल्यूकेमिया ट्यूमर सेल के आकार को घटाता है। ऐसा

माना जा सकता है कि हमारे मुंह को जलाने के अलावा लाल शिमला मिर्च में कैंसर सेल को बढ़ने से रोकने की भी क्षमता है।

अदरक: इसमें आयुर्वेदिक गुण है जिससे कोलेस्ट्रोल नियंतण्रमें रहता है, शरीर में रस प्रक्रिया बढ़ाता है और कैंसर सेल को मारता है। सब्जी में व सलाद में इस्तेमाल किया जाने वाला अदरक खाने में स्वाद लाता है। दूसरे मसाले लौंग, सौंफ, तुलसी, लहसुन, काला जीरा, मे थी, सरसों, पुदीना पत्ता, रोजमेरी, ताजा नींबू, ओलिव, विनेगर और अवोकेडो कुछ ऐसे तत्व हैं जो कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं।

सेहत के प्रति लापरवाही यानी कई बीमारियों को दावत

बीमारियां आते-जाते मौसम के साथ लगी ही रहती हैं। जिसके पीछे कमजोर इम्युनिटी और पदूषण जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इन्हें मौसमी या छोटा समझकर अनदेखा करना बहुत भारी पड़ सकता है। किसी बड़ी बीमारी के होने के पीछे यही लापरवाही होती है। ऐसी ही कुछ बीमारियों से संबंधित कुछ जानकारियां यहां दी जा रही हैं।

वजन कम होना, हो सकता है थायराइड

एका एक वजन कम होने पर भले किसी को अच्छा लगे कि बिना किसी मेहनत के वजन घटा लिया। लेकिन ये इशारा करता है कि शरीर के साथ जरूर कुछ गलत हो रहा है। इसका कारण बहुत ज्यादा काम, खाने की बदलती आदतें हो सकती हैं जो लंबे समय में कई बीमारियों जैसे थॉयरॉइड आदि की वजह बनती हैं।

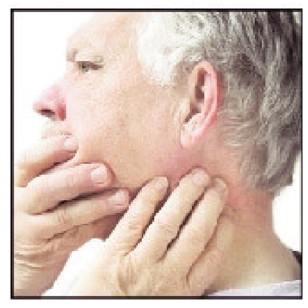

गले में या जबड़े में दर्द को गंभीरता से लें

वैसे तो ये समस्या दांतों या टॉन्सिल के कारण हो सकती है। लेकिन इनडाइजेशन के कारण कई बार ऐसे एसिड्स पैदा होते हैं जो गले वाले भाग में दर्द पैदा करते हैं। इसके अलावा हार्ट में ऑक्सीजन की कमी के कारण भी छाती, गले और जबड़ों में दर्द होता है, जिसे अनदेखा करना बड़ी बीमारियों को बुलावा देना हो सकता है। इसलिए मुंह में दर्द को लेकर हो रहे बदलाव को गंभीरता से लें।

थोड़े काम से थकान मतलब कई तरह की समस्याएं

थोड़े काम के बाद ही थकान महसूस हो तो ये इशारा है कि शरीर में न्यूट्रिशन की कमी हो रही है। वहीं एनीमिया, विटामिन डी की कमी, थॉयरॉइड के कारण भी थकान जल्द महसूस होने लगती है। हार्ट व फेफड़ों की समस्या के कारण जब मांसपेशियों को ऑक्सीजन पूर्ण रूप से नहै मिलता तो भी इसकी शिकायत होती है।

नाखूनों में बदलाव

नाखून भी आंखों जैसे होते हैं जो हमारी सेहत के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। इनसे एनीमिया या किसी भी तरह की बीमारी का आसानी से पता चल सकता है। नाखूनों में खून के छोटे- छोटे क्लॉट ब्लड इन्फेक्शन की ओर इशारा करते हैं। इसी तरह काले या भूरे रंग के धब्बे स्किन कैंसर का भी कारण हो सकते हैं। इसलिए नाखूनों को सिर्फ मैल से पटे हैं, सोचकर अनदेखा न करें। यह हेल्थ के बारे में काफी कुछ सच कहते हैं।

झुनझुनी होना

ये बहुत ही सामान्य सी बात है और रूमेटॉयड आर्थराइटिस में ये आम समस्या होती है। इसमें अंगुलियों के पोरों या कई बार गर्दन व उससे नीचे के हिस्से में झुनझुनाहट महसूस होती है। इसके अलावा ये डायबिटीज, विटामिन बी 12 की कमी, थॉयरॉइड, कार्पल टन सिंड्रोम जैसी बीमारियों का संकेत होती है। कभी-कभी यह झुनझुनाहट बढ़कर शरीर को सुन्न भी कर देती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से) - तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से) - दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से - अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

काकुरो पहेली - 4049

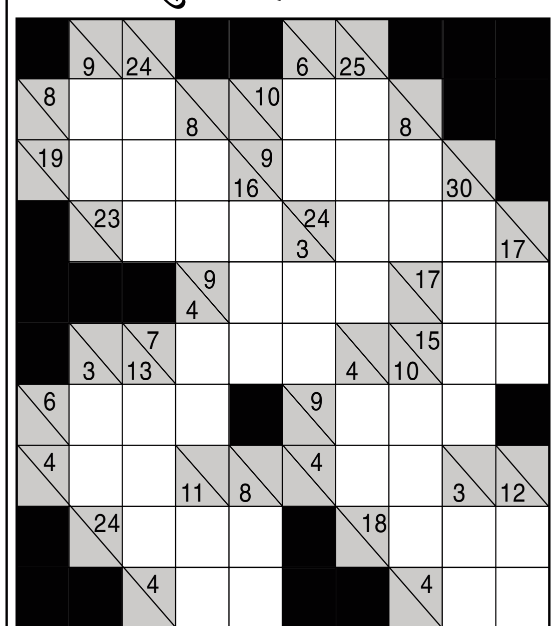

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

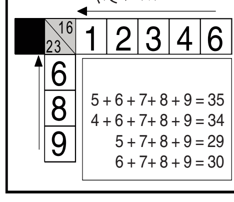

काकुरो -4048 का हल

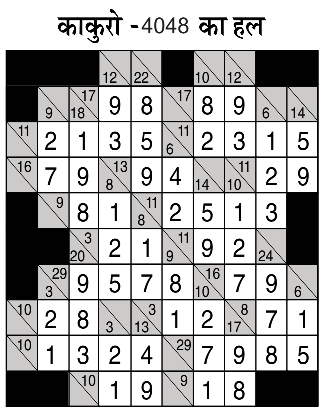

फिल्म वर्ग पहेली - 4049

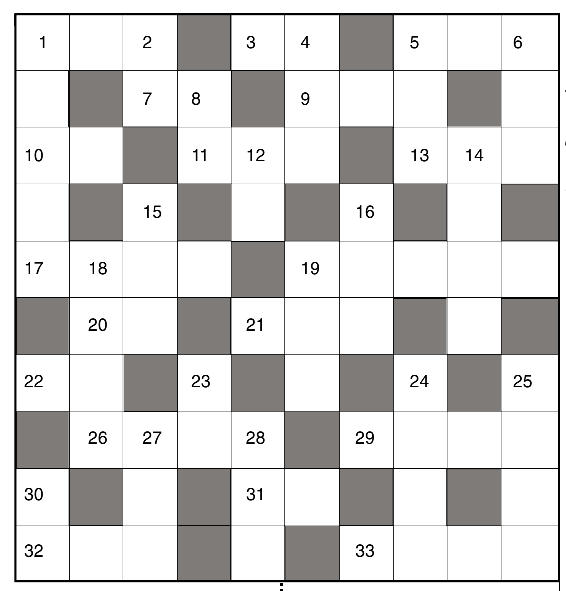

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली -4048

फा		द	ह	क		रा	जू	चा	चा
गु	ला	म		री	ना		ही		ल
न		न	सी	ब		दा		जे	बा
	रॉ		मा		जु	ग	नू		ज
फ	की	रा		क	र्मा		त	ब्बू	
र्ज		ज	ख्मी		ना	दा	न		ती
	बा	पू		शू		दा		द	स
म		त	ह	ल	का		द		रा
क	र्ज		म		जो	शी	ला		कौ
ड़ी		मा	ला	मा	ल		ल	गा	न

4049

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4048

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 4049

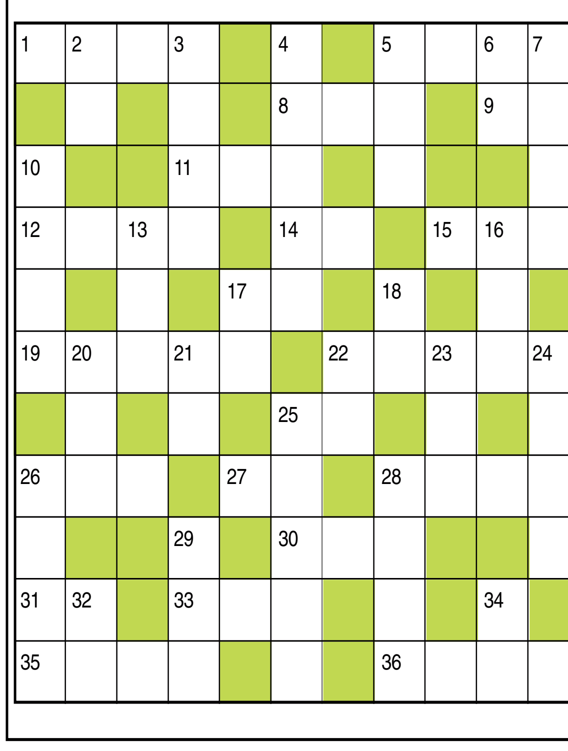

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -4048 का हल

	सो	नि	या	गां	धी		म	हा	न	ता
खा	ना		प		र	क्ष	क		म	ल
ना		म	न	सि	ज		र	ग		मे
ब	ला	त			वा	दा		म	ह	ल
दो		दा		क	ला		आ		व	
श	य	न	क	क्ष		दि	शा	ही	न	ता
	म		प		ह	ल		न		क
का	ज	ल		शा	म			त	ह	त
म		त	य		व	फा	दा	र		व
चो	र		की	म	त		म		का	र
र	म	जा	न		न	य	न	ज	ल	

सीमा से लेकर एयरपोर्ट तक हाई अलर्ट, गृहमंत्री अमित शाह ने अर्द्धसैनिक बलों के डीजी से की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अर्धसैनिक बलों के सभी महानिदेशकों (डीजी) के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें भारत की सीमाओं और प्रमुख प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विशेष रूप से पाकिस्तान की ओर से बढ़ती गतिविधियों, घुसपैठ की आशंकाओं और सीमावर्ती इलाकों में उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा हुई। गृहमंत्री ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक को निर्देश दिए कि सीमाओं पर हाई अलर्ट घोषित किया जाए और निगरानी व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त किया जाए। गृहमंत्री ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक से बात कर देश के सभी प्रमुख हवाईअड्डों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक में गृहमंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी खतरे या दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को एक समन्वित रणनीति के तहत काम करने को कहा है, ताकि आतंकी गतिविधियों या किसी संभावित हमले को समय रहते विफल किया जा सके।

पाकिस्तान का फिदायीन हमला भी नाकाम, जवाबी कार्रवाई में भारत ने सियालकोट-लाहौर पर दागी मिसाइलें

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच जंग जैसे हालात हो गए हैं। पाकिस्तान की ओर से लगातार हमला किया जा रहा है, जिसे भारतीय सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया है। पाकिस्तान ने गुजरात पर ड्रोन हमले की कोशिश की लेकिन वो भी विफल रहा। वहीं, पाकिस्तान ने हमले के तौर पर आतंकियों के स्लीपर सेल एक्टिवेट किए। इनके द्वारा राजौरी में फ़िदायीन हमला किया गया लेकिन वो फिर नाकाम रहा। इस बीच भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। भारत की ओर से सियालकोट पर मिसाइल से हमला किया गया। लाहौर में भी ड्रोन से हमला किया गया है।

छत्तीसगढ़ और तेलंगाना रेल मार्ग से जुड़ेंगे, नए रेल मार्ग के सर्वे को सुकमा पहुंची रेलवे की टीम

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना को रेल मार्ग से जोड़ने के लिए रेलवे ने कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए प्रदेश के सुकमा जिले के रास्ते दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल तक नयी रेल लाइन बनायी जाएगी। इसे तेलंगाना के कोत्तागुडेम तक जोड़ा जाएगा। इसका सर्वे करने को रेलवे की टीम सुकमा पहुंची है। इस रेल लाइन के बनने के बाद छत्तीसगढ़ जल्द तेलंगाना से रेल मार्ग के माध्यम से जुड़ जायेगा। किरंदुल से लेकर सुकमा और तेलंगाना के कोत्तागुडेम तक रेल लाइन बिछाने के लिए यहां की भौगोलिक स्थिति और ट्रैक बिछाने के लिए सर्वे करने को रेलवे की टीम आज यहां पहुंची है। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना का कोत्तागुडेम जिला छत्तीसगढ़ के सुकमा से लगा हुआ है। ऐसे में यहीं से ट्रेन को चलाने की योजना तैयार की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी अनुसार कोत्तागुडेम से रेल लाइन को किस्टाराम, डब्बामरका, टोंडामरका, धर्मपेंटा होते हुए जगरगुंडा से किरंदुल को जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है। हालांकि अभी रेलवे टीम ने सर्वे की शुरुआत की है। इस संबंध में सुकमा कलेक्टर देवेश ध्रुव का कहना है कि सर्वे टीम पहुंची हुई है। अभी यह देखा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के किरंदुल-सुकमा को तेलंगाना के कोत्तागुडेम से जोड़ने के लिए कौन सा रुट उपयुक्त होगा। इस सर्वे को पूरा करने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा। रेलवे के डीआरएम ललित बोहरा भी बस्तर पहुंचे हुए हैं। उन्होंने किरंदुल-कोत्तावालसा रेल लाइन पर बचेली-किरंदुल सेक्शन का निरीक्षण किया। एनएमडीसी की रेलवे साइडिंग का मुआयना किया।

भारतीय नौसेना को मिला पहला एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट, जीआरएसई ने सौंपा आईएनएस अर्नाला

कोलकाता। सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने चेन्नई में भारतीय नौसेना को पहला एंटी-सबमरीन वारफेयर (एएसडब्ल्यू) शैलो वॉटर क्राफ्ट सौंपा। यह पोत 'आईएनएस अर्नाला' नामक आठ जहाज़ों की श्रृंखला में पहला है, जो जीआरएसई को नौसेना के लिए तैयार करने हैं। यह अत्याधुनिक पोत भारतीय तटवर्ती जलक्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों की निगरानी, खोज और हमला करने में सक्षम है। जीआरएसई के अनुसार, 77.6 मीटर लंबे और 10.5 मीटर चौड़े इस शैलो वॉटर क्राफ्ट में तटीय क्षेत्रों की पूरी तरह से सब-सर्फेस निगरानी की क्षमता है। यह पोत विमान के साथ मिलकर संयुक्त पनडुब्बी रोधी अभियान भी संचालित कर सकता है।

इस पोत का निर्माण जीआरएसई और निजी क्षेत्र की शिपयार्ड कंपनी एलएंडटी कट्टुपल्ली (तमिलनाडु) के बीच पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के कई शहरों में पाकिस्तान ने किया मिसाइल हमला

भारतीय सुरक्षाबलों ने दिया मुहतोड़ जवाब

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कई शहरों में पाकिस्तान के मिसाइलों के साथ किए गए हमले का भारतीय सुरक्षाबलों ने मुहतोड़ जवाब दिया है। इस बीच नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। पाकिस्तान ने सारी रात परेड, कच्ची छावनी, जम्मू विश्वविद्यालय, सतवारी, सुबाष नगर, कालुचक, छन्नी हिम्मत, रिहाडी, उधमपुर, कठुधा, सांबा को निशाना बनाने की कोशिश की। इससे दहशत का महौल रहा। इन स्थानों पर इस बीच ब्लैक आउट किया गया। माना जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर के अलावा भारत के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।पहलगाम हमले के बाद से ही पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर लगातार

गोलाबारी कर रहा था। इस गोलीबारी में 15 नागरिक मारे गए हैं जबकि करीब 50-60 नागरिक घायल हुए हैं। पाकिस्तान ने बुधवार-गुरुवार रात भारत के लगभग 19 स्थानों पर हमला किया। इनमें से अधिकतर हमलों को नाकाम कर दिया गया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान ने सतवारी, सांबा, आरएस पुरा और अरनिया पर आठ मिसाइलें दागीं और सभी को वायु रक्षा इकाइयों ने रोकते हुए ब्लॉक कर दिया। उल्लेखनीय है कि जम्मू के आसमान के दृश्य बिल्कुल हमास शैली के इजराइल पर हमले की याद दिलाते हैं। इससे यह साफ है कि पाकिस्तान की सेना आतंकवादी संगठन हमास की तरह काम कर रही है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में भारतीय वायु रक्षा प्रणाली के पाकिस्तान के ड्रोन को रोके जाने पर विस्फोटों की आवाज सुनी गई। जैसलमेर में भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के ड्रोन हमले को विफल कर दिया। इस दौरान भी विस्फोटों की आवाज सुनी गई। राजस्थान के बीकानेर और पंजाब के जालंधर में पूरी तरह से ब्लैकआउट घोषित किया गया है। इसके अलावा किश्तवाड़, अखनूर, सांबा, जम्मू , पुंछ, राजौरी, अवंतीपोरा, उरी और अमृतसर, जालंधर में भी ब्लैकआउट लागू किया गया।

सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक बड़ी घुसपैठ की कोशिश नाकाम

एजेंसी

सांबा। सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को बीएसएफ ने नाकाम कर दिया है। सीमा सुरक्षा बल ने एक्स के माध्यम से कहा कि 8 मई देर रात बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि गोलीबारी में कोई आतंकवादी मारा गया था या नही ं। अधिकारियों ने कहा कि सुबह इलाके में गहन तलाशी के बाद चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। घुसपैठ की यह कोशिश उस दिन हुई जब भारत ने जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिश को नाकाम कर दिया क्योंकि व्यापक सैन्य संघर्ष की आशंकाओं के बीच दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

मप्र-महाराष्ट्र के बीच 10 मई को होगा ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना का एमओयू

भोपाल। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए एमओयू होने जा रहा है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस की मौजूदगी में 10 मई को भोपाल में ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना का एमओयू होगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडियो को जारी अपने संदेश में दी। उन्होंने बताया कि केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के बाद अब मध्य प्रदेश में तीसरी महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय नदी परियोजना ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना पर कार्य होगा। इस अंतर्राज्यीय संयुक्त परियोजना के सभी अवरोध अब दूर हो गये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड रिचार्ज परियोजना है। इसके जरिए महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में कुल 31.13 टी.एम.सी. जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टी.एम.सी मध्य प्रदेश को और 19.36 टी.एम.सी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा। इस परियोजना में प्रस्तावित बांध एवं नहरों से मध्य प्रदेश कुल 3 हजार 362 हैक्टेयर भूमि उपयोग में लायी जाएगी। परियोजना में कोई गांव प्रभावित नहीं होगा अतः इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम प्रदेश की एक-एक नदी के एक-एक बूंद जल का समुचित उपयोग राष्ट्र और राज्य के हित में करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिस तरह पिछले दिनों हमने पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना का राजस्थान के साथ कार्य प्रारंभ किया है, उसी प्रकार उत्तर प्रदेश के साथ केन-बेतवा नदी जोड़ो की बड़ी राष्ट्रीय परियोजना पर काम किया जा रहा है।

सी अनुक्रम में अब हमने इस तीसरी राष्ट्रीय नदी जल परियोजना के जरिए महाराष्ट्र राज्य के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। इस परियोजना से महाराष्ट्र के उत्तर क्षेत्र एवं मध्य प्रदेश के दक्षिण क्षेत्र के हिस्से को पर्याप्त जल उपलब्ध कराएंगे। साथ ही नागपुर जैसे बड़े शहर में पीने के पानी की समस्या और छिंदवाड़ा जिले में भी सिंचाई जल की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

बीबीएमबी ने पंजाब के खिलाफ हाई कोर्ट में दायर की अवमानना याचिका

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा बीबीएमबी चेयरमैन को बंधक बनाए जाने के बाद बीबीएमबी एक फिर से हाई कोर्ट पहुंच गया है। बीबीएमबी ने पंजाब में हाई कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए अवमानना याचिका दायर की है। हाई कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई करेगा। नंगल में भाखड़ा डैम पर आम आदमी पार्टी के वर्करों ने हंगामा किया। यहां पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस भी पहुंचे और धरना शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीबीएमबी के एक अधिकारी ने जबरन पानी छोड़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने अधिकारी को हिरासत में ले लिया। बीबीएमबी चेयरमैन मनोज त्रिपाठी भाखड़ा डैम पहुंचे, लेकिन उन्हें डैम में नहीं जाने दिया गया। इसके बाद वह सतलुज भवन में पहुंचे। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस अपने समर्थकों के साथ

पहुंचे और भवन के मेन गेट में ताला लगा दिया। दोपहर में डीआईजी हरचरण भुल्लर पहुंचे और उन्होंने चेयरमैन को किसी तरह वहां से निकलवाया। बीबीएमबी चेयरमैन ने चंडीगढ़ लौटने के बाद अधिकारियों के साथ बातचीत की और कुछ समय बाद पंजाब के विरूद्ध याचिका दायर कर दी गई। बीबीएमबी ने याचिका में दावा किया कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी पंजाब पुलिस ने भाखड़ा से पानी नहीं छोड़ने दिया। याचिका में पंजाब के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस पर बीबीएमबी के अधिकारियों को बंधक बनाने में शामिल होने का आरोप लगाया। अब हाई कोर्ट द्वारा इस मामले की सुनवाई की जाएगी।

घुसपैठ रोकने के लिए मेघालय के बांग्लादेश सीमावर्ती इलाकों में रात का कर्फ्यू लगाया गया

एजेंसी

शिलांग। भारत-पाकिस्तान युद्ध की आशंका के बीच घुसपैठ को रोकने के लिए मेघालय के भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती इलाकों में रात का कर्फ्यू लगा दिया गया है। मेघालय सरकार के गृह विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने आज सुबह बताया कि बिना बाड़ वाले 40 किलोमीटर के खुले क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया है। यह घुसपैठ और तस्करी के लिए संवेदनशील क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि यह निर्णय इस सूचना के बाद लिया गया कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए घुसपैठ की प्रबल संभावना है। उन्होंने कहा कि राज्य के सीमावर्ती जिलों के उपायुक्तों को घुसपैठ और तस्करी रोकने के लिए प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अधिकारी ने

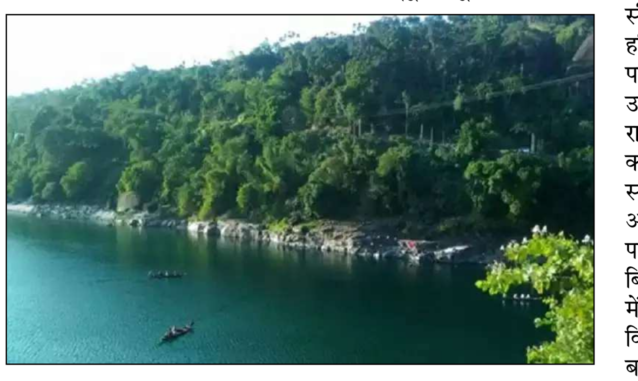

बताया कि सरकारी निर्देश के अनुसार, पश्चिमी जयंतिया हिल्स जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 'शून्य रेखा' से 200 मीटर दूर के इलाकों में रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार, भारत-बांग्लादेश सीमा और उसके आसपास के क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही, अनधिकृत जुलूस, पांच या अधिक लोगों का अवैध रूप से एकत्र होने और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने के उद्देश्य से हथियार या अन्य उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा, सुरक्षा एजेंसियों ने राज्य के गृह मंत्री प्रेस्टन टिनसोंग को सूचित किया है कि आतंकवादी समूह के सदस्यों, तस्करों और अन्य अवैध गतिविधियों के रात में सीमा पार करने की संभावना है, खासकर बिना बाड़ वाले क्षेत्र से सटे इलाकों में।एक सवाल के जवाब में गृह विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि भौगोलिक कारणों से मेघालय की बांग्लादेश सीमा के कुल 444 किलोमीटर में से 40 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में कंटीले तार की बाड़ नहीं लगाई जा सकी है।

पाकिस्तान को जवाब देने के बाद राजस्थान के सरहदी इलाकों में तनाव

एजेंसी

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आंतकी हमले के जवाब में भारत द्वारा की गई एयर स्ट्राइक (ऑपरेशन सिंदूर) के बाद पाकिस्तान ने एक बार फिर राजस्थान के सरहदी इलाकों को निशाना बनाने की कोशिश की। सात और आठ मई की रात पाकिस्तान ने राजस्थान के नाल (बीकानेर), फलोदी और उत्तरलाई (बाड़मेर) स्थित तीन प्रमुख एयरबेस सहित कुल पांच सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किए।हालांकि, भारतीय सेना ने पहले से ही एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर रखा था, जिससे सभी मिसाइलें और ड्रोन हवा में ही नष्ट कर दिए गए। पाकिस्तान ने जैसलमेर और पोकरण में भी ड्रोन (स्वार्म अटैक) से हमला किया, जिसे सेना ने सतर्कता से विफल कर दिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह हमला भारतीय वायु क्षेत्र में गंभीर उल्लंघन था, लेकिन सेना ने तत्परता दिखाते हुए खतरे को टाल दिया। हालात को देखते हुए जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर और पाली में रातभर ब्लैकआउट रहा। इनमें जैसलमेर में रात नौ बजे से सुबह छह बजे तक ब्लैकआउट किया गया। जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर और किशनगढ़ एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। बाड़मेर और जैसलमेर में कई ट्रेन सेवाएं रद्द या आंशिक रूप से रद्द की गई हैं। सरकार ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और श्रीगंगानगर के स्कूल-कॉलेज और कोचिंग संस्थानों को आगामी आदेश तक बंद कर दिया है। बीकानेर, श्रीगंगानगर और कोटा में ड्रोन उड़ाने और आतिशबाजी पर रोक लगा दी गई है।

राजस्थान के सभी सरकारी कर्मचारियों के अवकाश निरस्त

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीमा पर उत्पन्न हुई तनावपूर्ण परिस्थितियों के मद्देनजर मुख्यमंत्री निवास पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने प्रदेशभर, विशेषकर सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी राजकीय कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के संबंध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित हमारा राज्य सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसे में राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाएं। आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएं। उन्होंने कहा कि ब्लैकआउट

ड्रिल की सख्ती से अनुपालना हो और किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाए। मुख्यमंत्री ने एसडीआरफ की यूनिट्स को सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर के लिए 5 करोड़ रूपए और फलौदी, जोधपुर एवं हनुमानगढ़ के लिए 2 करोड़ 50 लाख रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता जारी करने के निर्देश दिए। जिससे ये जिले आपातकालीन स्थिति में आवश्यक उपकरण एवं सेवाएं नियोजित कर सकेंगे। वहीं उन्होंने सीमावर्ती जिलों में खाद्यान्न, चिकित्सा, पानी, बिजली, पुलिस एवं प्रशासनिक आदि सेवाओं से संबंधित रिक्त पदों को तुरंत भरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सीमावर्ती जिलों में आरएसी और होमगार्ड की अतिरिक्त कंपनियां उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करें और ब्लड बैंकों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहें। मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रत्येक सीमावर्ती जिले के कलक्टर, पुलिस अधीक्षक और रेंज आईजी के साथ चर्चा कर वहां उत्पन्न परिस्थितियों के बारे में विस्तृत फीडबैक लिया। शर्मा ने उन्हें भारतीय सेना और केन्द्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित कर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। सीमा पर उत्पन्न परिस्थितियों के संबंध में मुख्यमंत्री नियमित रूप से प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, महानिदेशक इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था विशाल बंसल उपस्थित रहे।

आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा भारत : सिंधिया

एजेंसी

ग्वालियर। केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जिन आतंकवादियों ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने का कार्य किया था। मां के चिरागों को बुझाने का काम किया था, बहनों के भाइयों को मिटाने का कार्य किया था, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी तीनों सेनाओं आर्मी, नेवी और एयरफोर्स उन आतंकवादियों के ठिकानों को सदैव के लिए मिटाने का कार्य किया है। भारत ने पूरे विश्व को संदेश दिया है कि आतंकवादियों के विरूद्ध लड़ाई में नेतृत्व करने में भारत कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। पूरे विश्व के साथ मिलकर आतंकवाद का अंत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया गुरुवार देर शाम अल्प प्रवास पर ग्वालियर पहुंचे थे। यहां उन्होंने

मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आज ऑपरेशन सिंदूर के आधार पर भारत ने आतंकवादियों के विरुद्ध मुंहतोड़ जवाब दिया है। जिस प्रशिक्षण और बारीकी से हमारे एयरफोर्स हमारे ड्रोन मिसाइल, हैमर मिसाइल ने एक-एक स्थान को चुनकर ध्वस्त किया है, यह एक प्रमाण भी है कि आज भारत का रक्षा तंत्र पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व स्तर पर उभर कर आ रहा है। सिंधिया ने कहा कि यह युद्ध आतंकवादियों के विरुद्ध है। यह युद्ध आतंकवादियों को समाप्त करने का युद्ध है। इसमें विश्व का हर देश जो आतंकवाद के खिलाफ है, वह प्रधानमंत्री जी के साथ और भारत के 140 करोड़ लोगों के साथ खड़ा है। इसके बाद सिंधिया शिवपुरी के लिए रवाना हो गए। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अरुणाचल प्रदेश में शहीद हुए आईटीबीपी जवान गौरव सेंगर के शिवपुरी स्थित निवास पर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और शहीद को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिस प्रकार हमारे वीर सैनिकों ने हाल ही में आतंक के गढ़ में घुसकर जवाब दिया है, उसने हर भारतीय के दिल में गर्व और आत्मविश्वास भर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायी होगा : प्रतापराव जाधव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस न सिर्फ सफल होगा बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणादायी होगा। आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 की चल रही तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए प्रतापराव जाधव ने कहा कि योग दिवस का कार्यक्रम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' की भावना को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि योग के माध्यम से समग्र कल्याण के संदेश को देश के हर कोने और दुनिया के हर हिस्से तक पहुंचाएं। बैठक में आयुष मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक में योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें

योग संगम- स्कूलों, अस्पतालों और कॉरपोरेट्स जैसी संस्थाओं के साथ योग का एकीकरण,

हरित योग- योग से जुड़े वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से पर्यावरण-चेतना को बढ़ावा देना,

योग कनेक्ट- योग समारोहों में वैश्विक और प्रवासी समुदायों को शामिल करना,

योग बंधन - सामूहिक भागीदारी के माध्यम से सामाजिक एकता और साझा कल्याण को बढ़ावा देना शामिल है।

महाराष्ट्र की वित्तीय अनुशासन और आर्थिक विकास में भूमिका सराहनीयः डॉ. अरविंद पनगड़िया

एजेंसी

मुंबई। सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगड़िया ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य की वित्तीय अनुशासन और देश की आर्थिक प्रगति में उसके महत्वपूर्ण योगदान सराहनीय है। डॉ. अरविंद आज मुंबई के सह्याद्री अतिथिगृह में आयोजित वित्त आयोग की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री तथा वित्त, नियोजन और उत्पादन शुल्क मंत्री अजीत पवार और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, आयोग के सदस्य डॉ. सौम्यकांती घोष और डॉ. मनोज पांडा उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य सरकार की ओर से आयोग के समक्ष ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसमें आयोग की कार्यसूची के अनुसार राज्य की विभिन्न मांगों और सुझावों को रखा गया। महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र और राज्यों के बीच कर वितरण का हिस्सा 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग की है। साथ ही उपकर और अधिभार को प्रमुख करों में शामिल करने तथा केंद्र सरकार के गैर-कर राजस्व को भी कर विभाजन में शामिल करने की मांग की गई है। राज्य सरकार ने क्षैतिज कर वितरण के लिए

नए मानदंड सुझाए हैं, जिनमें 'सतत विकास और हरित ऊर्जा' तथा भारत के सकल घरेलू उत्पाद में राज्य का योगदान शामिल हैं। इसके अलावा, 'आय अंतर मानदंड' को 45 प्रतिशत से घटाकर 37.5 प्रतिशत करने की भी माँग की गई है। राज्य सरकार ने विशेष अनुदान के अंतर्गत मुंबई महानगर क्षेत्र के आर्थिक मास्टर प्लान के क्रियान्वयन, नदी जोड़ परियोजना, नया उच्च न्यायालय परिसर, जेल बुनियादी ढांचा, चिकित्सा विद्यार्थियों के लिए छात्रावास और इको-टूरिज्म जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए कुल 1,28,231 करोड़ रुपये की माँग की है। इसके साथ ही राज्य के लिए राजस्व घाटा अनुदान की भी सिफारिश आयोग से की गई है। स्थानीय स्वराज संस्थाओं के लिए अनुदान को 4.23 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत करने और इसे ग्रामीण व शहरी आबादी के अनुपात में वितरित करने का सुझाव दिया गया है। नगर निकायों और महानगरपालिकाओं के लिए सार्वजनिक बस परिवहन और अग्निशमन सेवाओं हेतु अलग से अनुदान देने की भी मांग की गई है। इस बैठक के दौरान आयोग ने व्यापार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, स्थानीय स्वराज संस्थाओं और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया। उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पड़ीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओ को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाई? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दी।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वही डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

निशानेबाजी : महाराष्ट्र ने जीता स्वर्ण, बिहार को मिला कांस्य पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में महाराष्ट्र ने 10 मी. एयर राइफल मिक्सड टीम यूथ कैटेगरी में कर्नाटक को 16-12 से हराकर स्वर्ण पदक तथा बिहार की दिव्या-रुद्र की जोड़ी ने कांटे की टक्कर वाले मुकाबले में यूपी की टीम को 16-14 अंक से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। आज डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में महाराष्ट्र ने 10 मी. एयर राइफल मिक्सड टीम यूथ कैटेगरी में कर्नाटक को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र की शंभवी श्रवण क्षीरसागर और पार्थ राकेश माने की जोड़ी ने कर्नाटक की हृदया श्री कोंडूर और नारायण प्रणव वनीथा सुरेश की टीम को 16-12 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों टीमों के बीच मुकाबला रोमांचक रहा लेकिन महाराष्ट्र की जोड़ी ने बेहतर संयम और सटीकता का परिचय देते हुए मुकाबला जीता। कर्नाटक को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।वहीं बिहार की दिव्या श्री और रुद्र प्रताप सिंह की निशानेबाज जोड़ी ने 10 मी. एयर राइफल मिक्सड टीम यूथ कैटेगरी के कांस्य पदक मुकाबले में उत्तर प्रदेश की अनन्या और अंश डबास की जोडी को 16-14 के बेहद रोमांचक मुकाबले में हराकर पदक अपने नाम किया। यह जीत न केवल बिहार के खेल इतिहास में एक सुनहरा पन्ना जोड़ती है, बल्कि राज्य के युवा खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई उड़ान भी देती है।

ट्रैक साइक्लिंग में झारखंड और राजस्थान ने जीते स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की ट्रैक साइक्लिंग स्पर्धाओं झारखंड की लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान चैंपियन बना। बिहार की लड़कियों ने भी कड़ी टक्कर दी और तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों की श्रेणी में झारखंड ने दो स्वर्ण और एक कांस्य मेडल के साथ कुल 16 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। इस जीत में सबसे अहम योगदान टीम स्प्रिंट स्पर्धा में आए एक स्वर्ण पदक का रहा, जिससे टीम को सीधे 10 अंक प्राप्त हुए। राजस्थान ने तीन स्वर्ण पदक हासिल कर 15 अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं बिहार ने दो रजत और एक कांस्य के जरिए 10 अंक जुटाकर तीसरी पायदान पर जगह बनाई। तीसरा स्थान प्राप्त करने में अहम योगदान टीम स्प्रिंट में आए एक रजत पदक का रहा। जिससे बिहार टीम को छह अंक प्राप्त हुए थे। वहीं लड़कों के वर्ग में राजस्थान ने अपना दबदबा कायम रखते हुए तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ कुल 19 अंक अर्जित कर पहला स्थान प्राप्त किया। झारखंड ने एक स्वर्ण और दो रजत के साथ 14 अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया। झारखंड की टीम स्प्रिंट में आई जीत निर्णायक रही। जिस वजह से वह महाराष्ट्र को पछाड़ने में सफल रहा। महाराष्ट्र ने दो स्वर्ण और एक रजत के दम पर 13 अंक के साथ तीसरा स्थान पाया।

एआईएफएफ ने पूर्व भारतीय मिडफील्डर डीएमके अफजल के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पूर्व भारतीय मिडफील्डर डीएमके अफजल के निधन पर शोक व्यक्त किया डीएमके अफजल को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी हैं। अपने समय के बेहतरीन मिडफील्डर अफजल इंडोनेशिया के जकार्ता में 1962 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्होंने ने भारत की ओर से दो बार मैच खेले हैं। उन्होंने 1962 एशियाड के ग्रुप चरण में कोरिया गणराज्य के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था। अफजल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, डी.एम.के. अफजल अपने समय के बेहतरीन मिडफील्ड थे। मैं इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ।

राडुकानू और नोरी ने इटालियन ओपन के दूसरे दौर में बनाई जगह

रोम। ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू और पुरुष वर्ग में हमवतन कैमरन नोरी ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर इटालियन ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं केटी बौल्टर को हार का सामना करना पड़ा। तीन साल के बाद पहली बार टूर्नामेंट में भाग लेने वाली राडुकानू ने बुधवार को खेले गये मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट के खिलाफ 7-5 6-7 (1-7) 6-3 से जीत दर्ज की। इस बीच ब्रिटेन की 28 वर्षीय केटी बौल्टर रूस की अनास्तासिया पावलुचेनकोवा से 3-6, 3-6 से हार गई। वहीं पुरुष वर्ग में नोरी ने क्रिस्टोफर ओ'कॉनेल को सीधे सेटों में 6-3 6-2 हराकर दूसरा दौर में अपना स्थान पक्का किया। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने 76 मिनट के मैच में ओ'कोनेल के खिलाफ सिर्फ पांच गेम गंवाए।

एलए ओलंपिक 2028: उद्घाटन और समापन समारोह दो ऐतिहासिक स्टेडियमों में होंगे आयोजित

एजेंसी

लॉस एंजेलिस। लॉस एंजेलिस मेमोरियल कोलिज़ियम और इंगलवुड स्थित सोफी स्टेडियम 2028 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के उद्घाटन और समापन समारोहों की मेजबानी करेंगे। एलए28 आयोजकों ने उक्त घोषणा की।

दो स्टेडियमों में होगा ओलंपिक का उद्घाटन समारोह

14 जुलाई 2028 को होने वाला ओलंपिक उद्घाटन समारोह पहली बार दो स्थानों - ऐतिहासिक कोलिज़ियम और आधुनिक सोफी स्टेडियम - में साझा रूप से आयोजित होगा। कोलिज़ियम ओलंपिक इतिहास में तीन बार खेलों की मेजबानी करने वाला पहला स्थल बन जाएगा।

एलए की विरासत और भविष्य का होगा संगम

एलए28 के चेयरपर्सन और प्रेसिडेंट केसी वासरमैन ने एक बयान में कहा, ये दोनों स्थल लॉस एंजेलिस की खेल विरासत और तकनीकी प्रगति का प्रतीक हैं। दुनियाभर से आने वाले दर्शकों के लिए यह अनुभव अविस्मरणीय होगा।

समापन समारोह कोलिज़ियम में, पैरालंपिक का विशेष आयोजन

30 जुलाई को ओलंपिक का समापन समारोह कोलिज़ियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे आयोजनकर्ता %अविस्मरणीय उत्सव% बता रहे हैं। 15 अगस्त को पैरालंपिक का उद्घाटन समारोह सोफी स्टेडियम में होगा, जबकि समापन समारोह 27 अगस्त को कोलिज़ियम में सम्पन्न होगा।

एलए तीसरी बार ओलंपिक और पहली बार करेगा पैरालंपिक की मेजबानी

लॉस एंजेलिस ने इससे पहले 1932 और 1984 में ओलंपिक की मेजबानी की थी। लेकिन 2028 पहली बार होगा जब यह शहर पैरालंपिक खेलों की भी मेजबानी करेगा। आयोजकों ने कहा, पैरालंपिक समापन समारोह एलए28 खेलों की अंतिम यादगार झलक होगा, जो ओलंपिक और पैरालंपिक आंदोलन को लॉस एंजेलिस से स्थायी रूप से जोड़ देगा।

लॉन्ग बीच और हॉलीवुड में भी होंगे आयोजन

एलए28 ने पिछले महीने कुछ अन्य आयोजन स्थलों की भी घोषणा की थी। बीच वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं लॉन्ग बीच के अलामिटोस बीच पर होंगी, जबकि स्क्वैश खेल हॉलीवुड के यूनिवर्सल स्टूडियो में अपनी ओलंपिक शुरुआत करेगा।

पैरा चैंपियन निरंजन सिंह ने भारत के लिए जीता रजत

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप में 65 किग्रा भारवर्ग (बैठकर खेलने की श्रेणी) में मध्यप्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले निरंजन सिंह ने रजत पदक हासिल किया है। यह एक ऐतिहासिक अवसर है, जब पीपल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया राजधानी में प्रतिष्ठित 23वीं एशियन आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप और 22वीं एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप की मेजबानी कर रही है। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मध्यप्रदेश से ताल्लुक रखने वाले निरंजन ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा, आर्मरेसलिंग में आना आसान नहीं था। मैंने कई खेल खेले हैं, क्रिकेट भी खेला और कुछ अन्य खेलों में भी भाग लिया। इस महीने के अंत में मैं व्हीलचेयर क्रिकेट के नेशनल्स में भी हिस्सा लेने जा रहा हूं, लेकिन आर्मरेसलिंग ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया है। निरंजन की जिंदगी संघर्षों से भरी रही, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने कहा, मैं दिव्यांग हूं, मेरा जन्म बिना पैरों के हुआ था, इसलिए मेरे हाथ ही मेरी ताकत बन गए।÷ उन्होंने कहा, ÷मैंने ट्रैक्टर चलाया – क्लच, ब्रेक, एक्सेलेरेटर सब हाथों से संभाला। बाद में मैं डिलीवरी ड्राइवर की नौकरी करने लगा और अपने दम पर दुनिया को जाना। उसी दौरान मेरी मुलाकात वर्ल्ड चैंपियन अरविंद राजन से हुई, जिनका मुझ पर विश्वास मेरी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बना। उन्होंने मुझे कोच मनीष कुमार से मिलवाया और वहीं से मेरी नई यात्रा शुरू हुई।उन्होंने आगे कहा, मैंने 2021 में इस खेल की शुरुआत की और 2022 में हैदराबाद में अपने पहले नेशनल्स में भाग लिया -जहां मैंने बाएं हाथ से जीत हासिल की। उस जीत ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ा दिया।

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में लेंगे हिस्सा, दो बार चोट के कारण रह चुके हैं बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस साल 24 जून को चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा शहर में होने वाले गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स मीट में हिस्सा लेंगे। इससे पहले वह 2023 और 2024 के संस्करणों से चोट के चलते हट गए थे, लेकिन इस बार वह तीसरी बार में किस्मत आजमाने उतरेंगे।

दो बार नहीं खेल पाए, अब कोच के देश में दिखेगा जलवा

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले दो वर्षों में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे, हालांकि वह 2024 में विशेष अतिथि के रूप में वहां मौजूद रहे थे। इस बार यह मुकाबला खास इसलिए भी होगा क्योंकि यह उनके दिग्गज कोच और पूर्व विश्व चैंपियन जान ज़ेलेज़नी के होमग्राउंड पर खेला जाएगा। ज़ेलेज़नी खुद इस टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं। नीरज ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं यह घोषणा करते हुए उत्साहित हूं कि मैं इस साल ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लूंगा। यह एक ऐतिहासिक प्रतियोगिता है और इस बार यह और भी खास होगी। मेरे कोच जान ज़ेलेज़नी ने यहां कई बार जीत दर्ज की है और अब वह टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड मीट का हिस्सा है गोल्डन स्पाइक

गोल्डन स्पाइक मीट 1961 से आयोजित हो रहा है और यह वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेबल प्रतियोगिता है, जो डायमंड लीग के बाद दुनिया की दूसरी सबसे अहम सिरीज़ मानी जाती है। इस बार नीरज का मुकाबला 2020 ओलंपिक रजत पदक विजेता और चेक गणराज्य के ही याकुब वाडलेच जैसे शीर्ष खिलाड़ियों से होगा।

इससे पहले दो बड़े मुकाबलों में उतरेंगे नीरज

गोल्डन स्पाइक से पहले नीरज 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले पहले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में नजर आएंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में 27 से 31 मई के बीच होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है।

आईपीएल 2025: पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच धर्मशाला में मुकाबला बीच में ही रद्द

एजेंसी

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में धर्मशाला में खेले जा रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मुकाबले को 10.1 ओवर के बाद अचानक रोकना पड़ा। जैसे ही पहली पारी के मध्य में तीन फ्लड लाइट टावर बंद हो गए, खिलाड़ियों को मैदान से बाहर बुला लिया गया। इसके तुरंत बाद स्टेडियम को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू हुई और मुकाबले को रद्द कर दिया गया।

सुरक्षा कारणों से कराया गया स्टेडियम खाली

स्टेडियम में सार्वजनिक घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) से कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई, लेकिन पुलिस और मैदान संचालन टीम ने दर्शकों को धीरे-धीरे बाहर निकलने का अनुरोध किया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पूरे स्टेडियम को सावधानीपूर्वक खाली कराया गया।

भारत-पाक सीमा पर तनाव के कारण फैसला

इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार, जम्मू (धर्मशाला से करीब 200 किलोमीटर दूर) में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमला हुआ है, जो भारत की 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में बताया जा रहा है।

दोनों टीमें होटल के लिए रवाना:जब यह सब हो रहा था, उस समय तक पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें पहले ही मैदान से बाहर निकल चुकी थीं। दोनों टीमों को उनके होटल रवाना कर दिया गया है और खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

एमपीएल 2025 : नए रंग-रूप और महिला क्रिकेट के साथ 27 मई से इंदौर में होगी भव्य शुरुआत

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) इस बार नए कलेवर में नजर आएगी। आगामी 27 मई से इंदौर के होलकर स्टेडियम में शुरू होने वाले एमपीएल में पहली बार महिला क्रिकेट मुकाबलों का भी आयोजन किया जाएगा। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट का उद्देश्य राज्यभर की उभरती प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। पुरुष लीग में कुल सात टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स (नई टीम) और

बुंदेलखंड बुल्स (नई टीम) शामिल हैं। इस बार की खास बात यह है कि महिला प्रतियोगिता भी होगी। इसमें तीन टीमें भोपाल वुल्व्स, चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स शामिल हैं। यह कदम महिला क्रिकेट को राज्य स्तर पर प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। एमपीएल के इस संस्करण को लेकर ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष महानारयमन राव सिंधिया ने कहा, हम एमपीएल के इस नए अध्याय को लेकर बेहद उत्साहित हैं। महिला लीग की शुरुआत न केवल इतिहास में एक नई मिसाल बनेगी, बल्कि युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर भी देगी। वहीं एमपीएल के सीईओ रवि पाटनकर ने कहा, हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को ऐसा मंच देना है, जहां वे अपने हुनर को निखार सकें और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप 2027 की मेजबानी करेगा ब्राजील, इन 8 शहरों में होंगे मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा ने ऐलान किया है कि 2027 में होने वाला महिला फुटबॉल विश्व कप पहली बार दक्षिण अमेरिका की सरजमीं पर आयोजित होगा और इसकी मेजबानी ब्राजील करेगा। इस टूर्नामेंट के सभी 64 मुकाबले 8 अलग-अलग शहरों के प्रतिष्ठित स्टेडियमों में खेले जाएंगे।

माराकाना से लेकर रेसिफे तक, इन शहरों में होगी विश्व कप की रौनक:

इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए जिन आठ स्टेडियमों को चुना गया है, उनमें सबसे प्रमुख है रियो डी जनेरियो का माराकाना स्टेडियम, जो फुटबॉल इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। इसके अलावा मुकाबले इन शहरों में होंगे-

बेलो होरिज़ोंटे - मिनेइराओ स्टेडियम

ब्रासीलिया - नेशनल स्टेडियम

फोर्टालेज़ा - कास्टेलाओ एरिना

पोर्टो एलेग्रे - बेइरा-रियो स्टेडियम

रेसिफे - पर्नामबुको एरिना

साल्वाडोर - फोंटे नोवा एरिना

साओ पाउलो - इताकेइरा एरिना

'ब्राजील की ऊर्जा और रंगीन संस्कृति को महसूस करेगा विश्व' फीफा: फीफा अध्यक्ष जियानी इंफेंटिनो ने कहा, 'सांबा से लेकर फ्रेभो तक, खूबसूरत समुद्रतटों से लेकर आधुनिक शहरों तक–दुनिया 2027 में ब्राज़ील की ऊर्जा, रंग और गर्मजोशी को महसूस करेगी।' उन्होंने भरोसा जताया कि यह टूर्नामेंट मेज़बान शहरों के लिए यादगार अनुभव होगा और इसका सकारात्मक असर व्यापक होगा।

कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगी

फीफा महासचिव मैटियास ग्राफस्ट्रोम ने कहा, 'यह वर्ल्ड कप महिला फुटबॉल के इतिहास में एक ऐतिहासिक मोड़ होगा क्योंकि पहली बार यह टूर्नामेंट दक्षिण अमेरिका में हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन पूरे महाद्वीप की अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

पीसीएल 2025 के बचे हुए मुकाबले यूएई शिफ्ट, भारत-पाक तनाव के बीच लिया गया बड़ा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली।पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10वें संस्करण के बचे हुए आठ मुकाबले अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह अहम फैसला लिया है। पीसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि शेष मुकाबलों की तारीख और स्थान की घोषणा जल्द की जाएगी।

रावलपिंडी मैच रद्द, खिलाड़ियों ने जताई चिंता

कराची किंग्स और पेशावर ज़ल्मी के बीच रावलपिंडी स्टेडियम में मुकाबला होना था, लेकिन एक ड्रोन के स्टेडियम परिसर में गिरने के बाद आपात बैठक बुलाकर मैच को स्थगित कर दिया गया। इस बैठक में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नक़्वी और लीग में शामिल विदेशी खिलाड़ियों के बीच चर्चा हुई, जिसमें अधिकांश विदेशी खिलाड़ियों ने लीग को यूएई शिफ्ट करने की मांग की।

यूएई में पीसीएल को दोबारा मिली शरण

यह पहली बार नहीं है जब पीसीएल को यूएई में कराना पड़ा हो। लीग की शुरुआत 2016 में यूएई से हुई थी और शुरुआती दो सीजन वहीं खेले गए थे।

इसके बाद 2021 में कोविड के कारण भी कुछ मुकाबले यूएई में हुए थे। अब एक बार फिर लीग को सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान से बाहर शिफ्ट किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम पर भी पड़ सकता है असर

पीसीएल के बाद पाकिस्तान को 21 मई को बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी 20 सीरीज़ की मेज़बानी करनी थी। पहला मुकाबला 25 मई को फैसलाबाद में खेला जाना था, लेकिन अब लीग के शेड्यूल में बदलाव होने से इस सीरीज़ पर भी असर पड़ सकता है। पीसीबी ने फिलहाल इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

आर्सेनल को हराकर पीएसजी ने चैंपियंस लीग के फाइनल में

एजेंसी

पेरिस । पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के दूसरे चरण में आर्सेनल को 2-1 से मात देकर कुल

स्कोर 3-1 के साथ दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। खेले गये मुकाबले में आर्सेनल के पास वापसी करने और मैच को पलटने के कई मौके मिले लेकिन पीएसजी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया। खिताबी मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) और इटैलियन क्लब इंटर मिलान के बीच खेला जायेगा।

राजस्थान रॉयल्स ने नितीश राणा, संदीप शर्मा की जगह लिए प्रिटोरियस और नांद्रे बर्गर को किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने टीम में दो अहम बदलाव किए हैं। नितीश राणा और संदीप शर्मा के चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनके स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस और नांद्रे बर्गर को टीम में जोड़ा है। राजस्थान रॉयल्स ने चोटिल नितीश राणा की जगह लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को टीम में शामिल किया है। नितीश राणा ने आरआर के लिए इस सीज़न दो प्रभावशाली पारियां खेली थीं। पहली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुवाहाटी में 36 गेंदों पर 81 रन और दूसरी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ दिल्ली में 28 गेंदों पर 51 रन।

आईपीएल के बयान के अनुसार राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने नितीश राणा के स्थान पर लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को टीम में शामिल किया है, जो चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। 19 वर्षीय प्रिटोरियस एक आक्रामक बाएं हाथ के ओपनर बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं। उन्हें राजस्थान ने 30 लाख रुपये में साइन किया है। उन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है, लेकिन 2025 एसए20 में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 12 मैचों में 397 रन बनाए थे, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 166.80 रहा था। पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप के

खिलाफ 51 गेंदों में 97 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी।इसके बाद उन्हें इंग्लैंड की हैम्पशायर टीम ने विटैलिटी ब्लास्ट के लिए भी साइन किया। 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में वे दक्षिण अफ्रीका के टॉप स्कोरर भी रहे थे। तेज गेंदबाज़ संदीप शर्मा ने इस सीजन 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे, लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुभमन गिल का शॉट रोकने के प्रयास में उनकी उंगली में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।

जेसन रॉय की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए खेलेंगे

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज़ जेसन रॉय एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्हें इस हफ्ते वारविकशायर के खिलाफ एजबेस्टन में होने वाले काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले के लिए सरे की टीम में शामिल किया गया है।

चार साल बाद वापसी, पिछली बार 2020 में खेले थे रेड-बॉल मैच: 34 वर्षीय रॉय ने अब तक 87 रेड-बॉल मैचों में 36.46 की औसत से 9 शतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143 (लंकाशर के खिलाफ, 2015) है। हालांकि, उन्होंने आखिरी बार 2020 की कोविड प्रभावित गर्मियों में बॉब विलिस ट्रॉफी में हैम्पशायर के खिलाफ यह फॉर्मेट खेला था।

टेस्ट में नहीं चल पाए थे रॉय

2019 विश्व कप में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद रॉय को टेस्ट टीम में मौका मिला था। उन्होंने आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेले लेकिन आठ पारियों में महज 13.75 की औसत से रन बना सके।

ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने उनकी तकनीक नाकाम साबित हुई और आखिरकार उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

सफेद गेंद प्रारूप में गिरती लोकप्रियता का असर

रॉय की वापसी उनके टी20 करियर की घटती चमक को भी दर्शाती है। 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप में उन्हें इंग्लैंड की टीम से बाहर रखा गया था और इस साल के आईपीएल के लिए भी उन्हें नहीं चुना गया। वह 2020, 2022 और 2024 में निजी कारणों से आईपीएल से हट चुके हैं। आखिरी बार उन्होंने मार्च 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे खेला था।

सरे को बल्लेबाज़ों की कमी, रॉय से उम्मीदें

सरे टीम को इस मुकाबले में ओली पोप, जेमी स्मिथ और गस एटकिंसन जैसे ईसीबी-कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी झेलनी पड़ेगी, जिन्हें ज़िम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टेस्ट से पहले आराम दिया गया है। ऐसे में जेसन रॉय को मौका मिला है।

सरे की स्थिति और टीम में कुछ नए चेहरे

डिवीजन वन तालिका में सरे फिलहाल तीसरे स्थान पर है, जबकि वारविकशायर दूसरे और नॉटिंघमशायर पहले नंबर पर है। पिछली बार सरे ने समरसेट को तीन दिन में हराकर लय हासिल की है। टीम को इस मैच में अपने विदेशी खिलाड़ियों नाथन स्मिथ और कर्टिस पैटरसन से मजबूती से मिली है, साथ ही तेज गेंदबाज़ टॉम लॉज़ भी इस सीज़न पहली बार टीम में लौटे हैं।

सुरभि दास

ने लगाई पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस की क्लास, लिखा- इसकी देश भक्ति अब जागी है, पहले तो इंडिया...

टीवी एक्ट्रेस सुरभि दास ने पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस की क्लास लगाई है। दरअसल, पाकिस्तानी एक्ट्रेसेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर 'ऑपरेशन सिंदूर' की आलोचना की थी। यूं तो उनके अकाउंट्स पर इंडिया में बैन लगा हुआ है, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए उनके पोस्ट सुरभि तक पहुंच गए। ऐसे में उन्होंने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है।सजल अली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की निंदा की तो सुरभि भड़क गई। एक्ट्रेस ने लिखा, ये लोग क्या बकवास कर रहे हैं भाई? अब इनको याद आया कि मासूमों को नहीं मारना चाहिए। अरे भाई हमारे 26 लोगों को क्यों मारा फिर?? वो लोग अपने परिवार के साथ समय बिताने कश्मीर गए थे। उनका क्या कसूर था? अब बहुत बुरा लग रहा है इनको तब क्यों कुछ नहीं बोला किसी ने?

सुरभि ने माहिर खान को खरीखोटी सुनाई। एक्ट्रेस ने लिखा, आधे टाइम तो ये इंडिया में ही रहती थी ताकि काम मिल जाए। अब अचानक से इसकी देश भक्ति जाग गई। शर्म आनी चाहिए। इंडिया में काम मांग रही थी। कहती थी, हम मर जाएंगे, लेकिन पाकिस्तानी फिल्म में काम नहीं करेंगे। बहन हम वहां क्रिकेट तक नहीं खेलते और तुम मुंह उठाकर यहां चली आती हो काम मांगने। शर्म आनी चाहिए क्योंकि तुम न घर की हो और न घाट की।हानिया आमिर के पोस्ट का जवाब देते हुए सुरभि ने लिखा, तुम तो बहन बोलो ही मत, वो जो बॉलीवुड गाने लगा लगाकर इंडियन ऑडियंस की भीख मांगती हो शर्म नहीं आती?? हर दो दिन में तुम्हारा इंडियन ऑडियंस के लिए पोस्ट आता है। इंडियन फिल्मों में रोल पाने के लिए भीख मांगती हो और अब तुम्हारा इंडियन फिल्म्स में काम करने का सपना टूट गया तो तुम्हे गुस्सा आ रहा है? तुम्हे तब गुस्सा क्यों नहीं आया था जब हमारे लोगों को मारा गया था।

पति नील से अलग होने पर

ऐश्वर्या शर्मा

ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हां, मैंने किराए पर अलग घर लिया है, लेकिन..

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने आखिरकार पति नील भट्ट के साथ सेपरेशन की खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ दी है. हाल ही में ऐसी अफवाहें जोर पकड़ रही थीं कि ऐश्वर्या और नील के बीच सबकुछ ठीक नहीं है. इन अटकलों का मुख्य कारण दोनों का सार्वजनिक रूप से कम दिखना और सोशल मीडिया पर एक साथ तस्वीरें शेयर न करना था. हालांकि, ऐश्वर्या शर्मा ने अब इन सभी बातों को खारिज करते हुए अपनी शादीशुदा जिंदगी की सच्चाई बताई है. इस दौरान ऐश्वर्या ने ये भी कहा है कि वे दोनों अलग घरों में रहते हैं.टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या शर्मा ने साफ तौर पर कहा कि वो और नील अपनी शादीशुदा जिंदगी में बहुत खुश हैं. वे लगातार अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते हैं या अक्सर पार्टीज में साथ में दिखाई नहीं देते हैं, इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि उनके बीच किसी तरह की कोई समस्या चल रही है. ऐश्वर्या ने कहा कि उनकी खुशहाल शादीशुदा जिंदगी को लेकर बेवजह अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है.

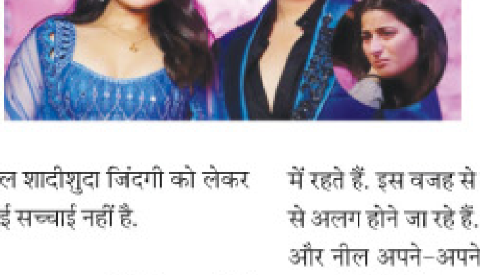

एक साथ न दिखने के पीछे है खास वजह

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उनका अक्सर साथ में न दिखना दोनों की तरफ से सोच-समझकर लिया गया फैसला है. उन्होंने स्पष्ट किया कि वे दोनों ही अपनी प्रोफेशनल जिंदगी में लगातार एक-दूसरे के साथ रहना पसंद नहीं करते हैं. ऐश्वर्या ने कहा कि वे दोनों कलाकार हैं, जिनके अपने अलग रास्ते हैं, दोनों अपने-अपने काम को महत्व देते हैं और एक-दूसरे के प्रोफेशनल फैसलों का सम्मान करते हैं. वो नहीं चाहते कि उन्हें एक साथ देखकर मेकर्स उन्हें सभी प्रोजेक्ट्स में एक साथ कास्ट करें.

अलग-अलग घरों में रहते हैं नील और ऐश्वर्या

सेपरेशन की अफवाहों पर और सफाई देते हुए ऐश्वर्या ने कहा कि हां, किसी भी आम कपल की तरह उनके बीच भी छोटे-मोटे मतभेद होते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी शादी खतरे में है. उन्होंने इन अफवाहों के फैलने का एक खास कारण भी बताया. ऐश्वर्या ने कहा कि उन्होंने अपने काम और शूटिंग के लिए मलाड में एक अलग जगह किराए पर घर लिया है और नील अलग घर में रहते हैं. इस वजह से ये अफवाहें वायरल हो रही हैं कि वो दोनों एक दूसरे से अलग होने जा रहे हैं. लेकिन इसमें कोई भी सच्चाई नहीं है. फिलहाल, वो और नील अपने-अपने करियर में बिजी हैं और उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो दोनों एक दूसरे के साथ बहुत खुश हैं.

5 करोड़ में बनी इस फिल्म ने की थी जबरदस्त कमाई, भर-भरकर थे डबल मीनिंग डायलॉग्स

2005 में एक ऐसी फिल्म आई जिसमें एडल्ट कॉमेडी भर-भरकर दिखाई गई और उस फिल्म का नाम था 'क्या कूल हैं हम'. फिल्म में तुषार कपूर और रितेश देशमुख लीड रोल में नजर आए थे और उनके काम को पसंद भी किया गया था. फिल्म में दिखाए जाने वाले एडल्ट सीन और डबल मीनिंग वाले डायलॉग्स ही लोगों को एंटरटेन करने में कामयाब हुए थे.फिल्म क्या कूल हैं हम को एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस में बनाया गया था. फिल्म का दूसरा और तीसरा पार्ट भी बना था जिसमें तुषार कपूर और रितेश देशमुख ही नजर आए थे. फिल्म ने कितनी कमाई की थी, इसे किसने बनाया था, आइए इसके बारे में जानते हैं.

'क्या कूल हैं हम' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

6 मई 2005 को रिलीज हुई फिल्म क्या कूल हैं हम का निर्देशन संगीत सिवान ने किया था और इसे प्रोड्यूस शोभा कपूर, एकता कपूर ने किया था. फिल्म में तुषार कपूर, रितेश देशमुख, ईशा कोप्पिकर और नेहा धूपिया लीड रोल में नजर आए.

इनके अलावा अनुपम खेर, राजपाल यादव, रज्जाक खान और सुष्मिता मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आए. थे Sacnilk के मुताबिक, फिल्म क्या कूल हैं हम का बजट 5 करोड़ रुपये था, जबकि इसका वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.81 करोड़ रुपये था. फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी.

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'क्या कूल हैं हम'?

तुषार कपूर और रितेश देशमुख की एडल्ट कॉमेडी फिल्म क्या कूल हैं हम को दर्शकों ने पसंद किया था. इसके दो और पार्ट्स 'क्या सुपर कूल हैं हम' (2012) और 'क्या कूल हैं हम 3' (2016) भी आए जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रहे. 'क्या सुपर कूल हैं हम' का निर्देशन सचिन यर्दी ने किया था और 'क्या कूल हैं हम 3' का निर्देशन उमेश घाडगे ने किया था. अगर आप इन तीनों फिल्मों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखना चाहते हैं तो इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर सब्सक्रिप्शन के साथ देख सकते हैं.

कोई पुड़िया नहीं है...क्या रणवीर सिंह को सुपरस्टार बनाने के पीछे है नवाजुद्दीन सिद्दीकी का हाथ?

बॉलीवुड एक्टर और फिल्मों से जुड़े कुछ ऐसे राज होते हैं, जिन्हें खुलने में या सामने आने में काफी वक्त लग जाता है. हाल ही में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भी एक ऐसा ही किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे. नवाजुद्दीन अपनी फिल्म कोस्टाओ की रिलीज़ के बाद से लगातार चर्चा का हिस्सा बने हुए हैं. उन्हें फिल्मी दुनिया में 10 साल से ज्यादा का समय हो चुका है. उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों और सीरीज में काम किया है. हाल ही में नवाज ने रणवीर सिंह को उनकी पहली फिल्म के लिए ट्रेनिंग देने पर खुलकर बात की.पिंकविला को दिए गए इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने रणवीर सिंह को उनकी पहली फिल्म बैंड बाजा बाराज के लिए ट्रेनिंग देने पर बात की और इसका क्रेडिट लेने से भी इनकार किया. क्योंकि उनका मानना है कि एक्टिंग कभी भी सिखाई नहीं जा सकती. जब एक्टर से रणवीर को ट्रेनिंग देने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने जवाब में कहा, कुछ वक्त के लिए किया था. उस वक्त को याद करते हुए कहा कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि सिर्फ दो साल बाद ही वह रिकॉर्ड ब्रेकिंग वाली फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में काम करेंगे.

उसके अंदर काबिलियत थी - नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, ऐसा कभी नहीं सोचा था. मैं तो एक तरह से वर्कशॉप लेने वाला बंदा हो गया था कि कोई किसको एक्टर बनना है, लॉन्च होना है तो मैं हूं. वर्कशॉप करते थे हम लोग सब एक्टर्स के साथ. यह पूछे जाने पर कि क्या वह रणवीर सिंह के एक्टिंग टैलेंट का क्रेडिट लेंगे तो नवाजुद्दीन ने कहा, एक्टिंग कभी सिखायई नहीं जा सकती. कोई पुड़िया नहीं है. आपको खुद को पता लगाना पड़ता है. उसके अंदर खुद की काबिलियत थी. हां आपको रास्ता दिखाया जा सकता है कि इस तरफ से भी जाया जा सकता है, लेकिन जाना तो आपको ही पड़ेगा ना.

पहली ही फिल्म से छा गए थे रणवीर

रणवीर सिंह ने साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म बैंड बाजा बारात से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. फिल्म में अनुष्का शर्मा लीड रोल में थीं. दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. महज 15 करोड़ में बनकर तैयार हुई इस फिल्म ने दुनिया भर में 33 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था. इस फिल्म के बाद अब तक रणवीर सिंह ने कई दमदार किरदार बड़े पर्दे पर पेश किए हैं.